शुभम संदेश

एक राज्य - एक अखबार

रांची, मंगलवार 18 नवंबर 2025 ● मार्गशीर्ष कृष्ण पक्ष 14, संवत 2082 ● रांची एवं पटना से प्रकाशित ● वर्ष : 3, अंक : 218 ● मूल्य ₹ 4, पृष्ठ संख्या : 12

https://epaper.shubhamsandesh.net

बस और टैंकर में हुई भीषण टक्कर

उमराह जा रहे 45 भारतीयों की जलने से मौत

हादसा मदीना के नजदीक हुआ, मरनेवालों में अधिकतर हैदराबाद के थे, 9 नवंबर को 54 लोग उमराह के लिए सऊदी अरब के जेद्दाह गए थे

एजेंसी । नयी दिल्ली

सऊदी अरब में हुए एक भीषण सड़क हादसे में 45 भारतीयों की मौत हो गई है. मरने वालों में अधिकतर हैदराबाद के निवासी थे. यह हादसा उस समय हुआ, जब उमराह के लिए गए लोगों को लेकर जा रही बस एक तेल के टैंकर से टकरा गई. सऊदी अरब के मीडिया की रिपोर्ट्स के अनुसार, हादसा मदीना के नजदीक हुआ और हादसे में मरने वाले भारतीय उमराह यात्री हैं. हैदराबाद के पुलिस आयुक्त ने इसकी पुष्टि की है.

डीजल टैंकर से टकराई बस : गल्फ न्यूज की रिपोर्ट्स के अनुसार, उमराह गए लोगों को लेकर बस मक्का से मदीना जा रही थी, जब वह रास्ते में डीजल टैंकर से टकरा गई. हादसा स्थानीय समय अनुसार, सुबह करीब 1.30 बजे मुहरास या मुफरिआत इलाके में हुआ, जो मदीना के करीब है. हादसे के समय कई यात्री सो रहे थे. टक्कर लगते ही बस आग की लपटों में घिर गई और लोगों को बचने का भी समय नहीं मिला. हादसा इतना भयानक था कि मृतकों की पहचान करना भी मुश्किल है. हादसे में 45 लोगों की मौत हुई है. मरने वालों में महिलाएं और बच्चे भी शामिल हैं.

हैदराबाद पुलिस आयुक्त ने की 45 मौतों की पुष्टि

हैदराबाद पुलिस आयुक्त ने बताया है कि सऊदी अरब में हुए बस हादसे में 45 लोगों की मौत हुई है और मरने वालों में अधिकतर हैदराबाद के निवासी हैं. मीडिया से बात करते हुए हैदराबाद पुलिस आयुक्त वीसी सज्जनार ने बताया कि 'बीती 9 नवंबर को हैदराबाद से 54 लोग उमराह के लिए जेद्दाह गए थे और इन लोगों को 23 नवंबर को वापस आना था. इन 54 में से चार लोग एक कार से मक्का से मदीना जा रहे थे और चार अन्य लोग मक्का में ही रुक गए थे. बाकी लोग हादसे का शिकार हुई बस में सफर कर रहे थे. हादसे के समय बस में 46 लोग सवार थे. हादसे में सिर्फ एक व्यक्ति जीवित बचा है, जिसका अस्पताल में इलाज चल रहा है.' पुलिस आयुक्त ने कहा कि हमें जो सूचना मिली है, उसके मुताबिक 45 लोग मारे गए हैं और ये लोग 23 नवंबर को हैदराबाद लौटने वाले थे.

तेलंगाना सरकार ने जारी किया बयान

तेलंगाना के मुख्यमंत्री कार्यालय की तरफ से जारी एक बयान में सऊदी अरब में हुए सड़क हादसे पर दुख जताया गया है और कहा कि सीएम ने तुरंत मुख्य सचिव और डीजीपी को हादसे से जुड़ी पूरी जानकारी जुटाने के निर्देश दिए हैं. साथ ही ये भी जानकारी मांगी है कि हादसे में कथित तौर पर मरने वाले कितने लोग हैदराबाद के निवासी थे. मुख्यमंत्री ने सरकार के शीर्ष अधिकारियों को विदेश मंत्रालय से संपर्क करने और सऊदी अरब दूतावास से जानकारी लेने का सुझाव दिया है. मुख्य सचिव के निर्देश पर अधिकारी इस बात का पता लगा रहे हैं कि सऊदी अरब में हादसे का शिकार हुए कितने लोग तेलंगाना के थे और सचिवालय में एक कंट्रोल रूम बनाने के निर्देश दिए गए हैं ताकि पीड़ित परिजनों को जानकारी दी जा सके.

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने हादसे पर जताया दुख

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी सऊदी अरब हादसे पर दुख जताया. सोशल मीडिया पर साझा एक पोस्ट में पीएम मोदी ने लिखा कि 'मदीना में भारतीय नागरिकों के साथ हुए हादसे से बेहद दुखी हूं. पीड़ित परिवारों के प्रति मेरी संवेदनाएं हैं. मैं हादसे में घायल लोगों के जल्द ठीक होने की कामना करता हूं. रियाद स्थित हमारा दूतावास और जेद्दाह का महावाणिज्य दूतावास हरसंभव मदद मुहैया करा रहे हैं. हमारे अधिकारी भी सऊदी अरब सरकार के अधिकारियों के संपर्क में हैं.'

ओवैसी बोले-दूतावास से मांगी है पूरी जानकारी

हैदराबाद से सांसद असदुद्दीन ओवैसी ने भी सऊदी अरब में हुए सड़क हादसे पर दुख जताया. ओवैसी ने कहा कि उन्होंने हैदराबाद की दो ट्रैवल एजेंसियों से संपर्क किया है और उनसे सऊदी अरब गए हैदराबाद के लोगों की जानकारी मांगी है. ओवैसी ने कहा कि उन्होंने रियाद में स्थित भारतीय दूतावास के डिप्टी चीफ ऑफ मिशन अबु मैथ्यू जॉर्ज से भी बातचीत की है, जिन्होंने बताया कि वे हादसे से जुड़ी जानकारी जुटा रहे हैं और जल्द ही उन्हें इस बारे में अपडेट करेंगे.'

महावाणिज्य दूतावास ने जारी किया टोल फ्री नंबर

जेद्दाह स्थित भारतीय महावाणिज्य दूतावास ने सोशल मीडिया पर साझा एक पोस्ट में लिखा कि सऊदी अरब के मदीना में हुए दर्दनाक हादसे में पीड़ित भारतीय उमराह यात्रियों के लिए 24x7 चलने वाला एक कंट्रोल रूम बनाया गया है, किसी भी तरह की जानकारी के लिए टोल फ्री नंबर 8002440003 पर संपर्क किया जा सकता है.

ब्रीफ न्यूज

सोनभद्र खनन हादसा पांच शव निकाले गए

सोनभद्र । उत्तर प्रदेश में जनपद सोनभद्र के ओबरा बिल्ली मारकुंडी खदान क्षेत्र में बीती शनिवार को ड्रिलिंग के दौरान हुए हादसे में अब तक पांच शव निकाले जा चुके हैं. मलबे में अभी भी कई मजदूरों के दबने की आशंका पर जिला प्रशासन की टीम ने राहत बचाव कार्य में जुटी है. जिलाधिकारी बीएन सिंह ने सोमवार को बताया यह घटना बिल्ली मारकुंडी खनन क्षेत्र के मेसर्स कृष्णा माइनिंग खदान में हुई है. अब तक पांच शव निकाले जा चुके हैं. मौके पर मलबे को हटाने के लिए पर्याप्त उपकरण व संसाधन लगाए गये हैं.

अनिल अंबानी ईडी के समक्ष नहीं हुए पेश

नई दिल्ली । रिलायंस समूह के चेयरमैन अनिल अंबानी ने फेमा मामले में ईडी के समक्ष सोमवार को दूसरी बार पेश होने से इनकार कर दिया. यह जांच जयपुर-रींगस राजमार्ग परियोजना से संबंधित है. अनिल अंबानी ने पहली बार 14 नवंबर को समन पर पेश न होकर ईडी को बताया था कि वह वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग या रिकॉर्डेड बयान के जरिए पूछताछ में शामिल होने को तैयार हैं. ईडी ने इस प्रस्ताव को खारिज कर दिया और सोमवार को पेश होने के लिए नया समन जारी किया था.

बांग्लादेश : मानवता के खिलाफ अपराधों के मामले में चल रहा था केस

पूर्व पीएम शेख हसीना को छात्र आंदोलन दमन मामले में फांसी की सजा सुनायी

- आईसीटी ने हसीना सहित 19 अन्य लोगों को दोषी ठहराया, जिनमें पूर्व गृह मंत्री आसादुज्जमां खान कमाल और पूर्व पुलिस प्रमुख चौधरी मोहम्मद साकिब भी शामिल हैं.
- अदालत ने हसीना के अलावा 15 अन्य को फांसी और चार को उम्रकैद की सजा सुनाई.

एजेंसी । ढाका

बांग्लादेश के अंतरराष्ट्रीय अपराध न्यायाधिकरण (आईसीटी) ने पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना को मानवता के खिलाफ अपराधों का दोषी ठहराते हुए सोमवार को फांसी की सजा सुनाई. यह फैसला गत वर्ष छात्र आंदोलनों पर हिंसक दमन के मामले के संबध में दिया गया है जिसमें सैकड़ों लोग मारे गए थे. हसीना पर यह मुकदमा उनकी गैर मौजूदगी में चला. वह पिछले साल अगस्त में सत्ताच्युत होने के बाद से भारत में रह रही हैं. मीडिया खबरों के मुताबिक न्यायमूर्ति गोलाम मोर्तुजा मजुमदार ने अदालत में फैसला सुनाते हुए कहा, आरोपी प्रधानमंत्री ने मानवता के खिलाफ अपराध किए. इस मामले में आईसीटी ने हसीना सहित 19 अन्य लोगों को दोषी ठहराया, जिनमें पूर्व गृह मंत्री आसादुज्जमां खान कमाल और पूर्व पुलिस प्रमुख चौधरी मोहम्मद साकिब भी शामिल हैं. अदालत ने हसीना के अलावा 15 अन्य को फांसी और चार को उम्र कैद की सजा सुनाई. यह मुकदमा पिछले साल जुलाई-अगस्त में हुए छात्र विरोध प्रदर्शनों पर पुलिस और सुरक्षाबलों की कथित हिंसक कार्रवाई से जुड़ा है, जिसमें कम से कम 1,000 से अधिक लोग मारे गए थे. देश में अंतरिम सरकार के गठन के बाद हसीना पर कई आपराधिक आरोप लगे, जिनमें भ्रष्टाचार और हत्या के प्रयास भी शामिल हैं.

शेख हसीना बोलीं-यह मामला पूरी तरह राजनीति से प्रेरित है

न्यायाधिकरण के फैसले को लेकर अपदस्थ प्रधानमंत्री शेख हसीना की ओर से जारी बयान में कहा गया है कि मेरे खिलाफ सुनाए गए फैसले एक धांधली वाले न्यायाधिकरण द्वारा दिए गए हैं, जिसकी स्थापना और अध्यक्षता एक अनिर्वाचित सरकार द्वारा की गई है, जिसके पास कोई लोकतांत्रिक जनादेश नहीं है. वे पक्षपातपूर्ण और राजनीति से प्रेरित हैं. शेख हसीना ने कहा कि आईसीटी में कुछ भी अंतरराष्ट्रीय नहीं है; न ही यह किसी भी तरह से निष्पक्ष है. उनका दावा है कि न्यायाधिकरण ने केवल अवामी लीग के सदस्यों पर मुकदमा चलाया है, जबकि कथित तौर पर राजनीतिक विरोधियों द्वारा की गई हिंसा को नजरअंदाज किया है. उन्होंने कहा कि मेरे खिलाफ सुनाया गया फैसला धांधली भरे न्यायाधिकरण द्वारा दिया गया है. जिसकी स्थापना और अध्यक्षता एक अनिर्वाचित सरकार द्वारा की गई है, जिसके पास कोई लोकतांत्रिक जनादेश नहीं है. वे पक्षपाती और राजनीति से प्रेरित हैं.

हसीना के खिलाफ फैसला आते ही ढाका की सड़कों पर शुरू हुआ बवाल

शेख हसीना को सजा सुनाए जाने के बाद से पहले से ही हिंसाग्रस्त ढाका में माहौल और तनावपूर्ण हो गया है. कोर्ट के फैसले के खिलाफ शेख हसीना के समर्थक सड़कों पर उतर आए हैं और भारी हंगामा शुरू हो गया है. वहीं शेख हसीना के विरोधी भी बड़ी संख्या में सड़कों पर उतर आए और उन्हें फांसी देने की मांग करने लगे. ढाका के 'धानमंडी 32' इलाके में शेख हसीना के समर्थकों और विरोधियों के बीच हिंसक झड़प शुरू हो गयी. पुलिस ने आकर मामले को संभाला और भीड़ को तितर-बितर करने के लिए साउंड ग्रेनेड दागे हैं. वहीं शेख हसीना की पार्टी अवामी लीग के कार्यकर्ताओं ने दो दिनों के बंद का ऐलान किया है. पिछले कई दिनों से ढाका और आसपास के इलाकों में क्रूड बम से हमले भी हो रहे हैं. बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के प्रमुख मोहम्मद यूनुस के ग्रामीण बैंक के हेडक्वार्टर को भी क्रूड बम से निशाना बनाया गया है. तनावपूर्ण माहौल को देखते हुए बांग्लादेश की सरकार ने सोमवार के दिन के लिए खास इंतजाम किए हैं.

बिहार में सरकार गठन की प्रक्रिया शुरू

नीतीश कुमार ने विधानसभा भंग करने की सिफारिश की

संवाददाता । पटना

बिहार में नई सरकार के गठन की प्रक्रिया निर्णायक मोड़ पर पहुंच गई है. सोमवार सुबह मुख्यमंत्री नीतीश कुमार राजभवन पहुंचे और राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान को औपचारिक रूप से वर्तमान विधानसभा भंग करने संबंधी पत्र सौंप दिया. इसके साथ ही यह लगभग तय हो गया है कि बिहार विधानसभा 19 नवंबर को भंग कर दी जाएगी, जिसके बाद नई सरकार बनाने का मार्ग पूरी तरह साफ हो जाएगा. वहीं एनडीए को मिली ऐतिहासिक जीत के बाद सरकार गठन की औपचारिक कार्यवाही तेज हो गई है. सूत्रों के अनुसार, 19 नवंबर को मौजूदा विधानसभा की अवधि समाप्त होने के बाद, राज्यपाल नए सरकार गठन के लिए एनडीए गठबंधन को औपचारिक निमंत्रण दे सकते हैं.

इससे पहले नीतीश कुमार ने अपनी सरकार की आखिरी कैबिनेट बैठक की, जिसमें तीन महत्वपूर्ण प्रस्तावों पर मुहर लगी. कैबिनेट बैठक में वर्तमान विधानसभा को 19 नवंबर से भंग करने की सिफारिश की गई. बिहार के संसदीय कार्य मंत्री विजय चौधरी ने बताया कि बैठक में अधिकारियों एवं कर्मचारियों को पूरे कार्यकाल में सहयोग देने के लिए धन्यवाद प्रस्ताव पारित किया गया. तीसरे प्रस्ताव में हाल ही में संपन्न विधानसभा चुनावों में एनडीए को मिले भारी बहुमत के लिए मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को बधाई दी गई. ये सभी प्रस्ताव तुरंत राज्यपाल को भेज दिए गए.

राजद विधायक दल के नेता चुने गए तेजस्वी लालू बोले-यही पार्टी को आगे ले जाएंगे

पटना । बिहार विस चुनाव में मिली करारी हार की समीक्षा बैठक की है. सोमवार को राजद के जीते और हारे हुए प्रत्याशियों के साथ समीक्षा बैठक की. तेजस्वी के आवास पर हुई इस बैठक में लालू यादव, राबड़ी देवी, मीसा भारती, जगदानंद सिंह, मंगनीराम मंडल सहित अन्य नेता मौजूद थे. इस बैठक में विधायक तेजस्वी यादव को राजद विधायक दल का नेता चुना गया है. बैठक के बाद इन नेताओं ने बताया कि लालू यादव ने कहा कि तेजस्वी ने बहुत मेहनत की है. तेजस्वी ही पार्टी को और आगे लेकर जाएंगे.

राबड़ी आवास के बाहर कार्यकर्ताओं ने किया हंगामा : 'संजय यादव बिहार छोड़ो'

बिहार विस चुनाव में महागठबंधन की हुई हार के बाद राजद समर्थकों ने राबड़ी आवास के बाहर जोरदार हंगामा किया. काफी संख्या में पहुंचे इन समर्थकों ने तेजस्वी यादव के सलाहकार संजय यादव को बिहार चुनाव में हुई करारी हार के लिए जिम्मेदार बताया. समर्थक राबड़ी आवास के बाहर संजय यादव के खिलाफ नारेबाजी करने लगे. 'संजय यादव मुर्दाबाद', 'संजय यादव बिहार छोड़ो' और 'संजय यादव हरियाणा जाओ' का नारा लगाने लगे.

बिहार विधानसभा चुनाव 2025 : सवर्णों की संख्या में जबरदस्त उछाल

आधा सदन ओबीसी-ईबीसी का, मुस्लिम बहुत कम

शुभम संदेश डेस्क

बिहार विधानसभा चुनाव 2024 के नतीजों ने राज्य की जातीय राजनीति का पूरा गणित बदलकर रख दिया है. एनडीए की शानदार जीत केवल सत्ता परिवर्तन नहीं, बल्कि जातीय प्रतिनिधित्व में बड़े बदलाव की कहानी भी बयां करती है. इस बार के चुनाव में जहां सवर्ण समुदाय ने ऐतिहासिक उछाल दर्ज किया है, वहीं यादव और मुस्लिम प्रतिनिधित्व में भारी गिरावट देखने को मिली है. नीतीश कुमार और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की संयुक्त राजनीतिक रणनीति ने पिछली बार के मजबूत यादव-मुस्लिम गठजोड़ को तहस-नहस कर दिया.

बदला जातीय संतुलन; यादव-मुस्लिम समीकरण कमज़ोर, कुर्मी-कुशवाहा और सवर्ण हुए मज़बूत

अगड़ी जातियों का बढ़ा वर्चस्व : 64 से बढ़कर 72 विधायक इस चुनाव में अगड़ी जातियों (भूमिहार, राजपूत, ब्राह्मण, कायस्थ) से कुल 72 विधायक पहुंचे हैं, जबकि 2020 में यह संख्या 64 थी. राजपूत: 32, भूमिहार: 23, ब्राह्मण: 14, कायस्थ: 2 जेडीयू से 18, बीजेपी से 42, एलजेपी (आर) से 7, हम और आरएलएम से 3 तथा राजद से 2 सवर्ण विधायक जीते हैं. यह साफ संकेत है कि इस बार सवर्णों ने एनडीए के पक्ष में भारी मतदान किया.

यादव और मुस्लिम विधायक लगभग आधे रह गए : 2020 में जहां 55 यादव विधायक थे, इस बार संख्या घटकर 28 रह गई. इसी तरह मुस्लिम प्रतिनिधित्व भी सबसे कम रहा है. इस बार केवल 11 मुस्लिम विधायक जीते हैं, जिनमें-एआईएमआईएम : 5 राजद : 3, कांग्रेस : 2, जेडीयू: 1. 2020 में मुस्लिम विधायकों की संख्या 19 थी. 1985 के चुनाव में रिकॉर्ड 34 मुस्लिम विधायक जीते थे, लेकिन 2024 में यह आंकड़ा न्यूनतम पर आ गया है.

दलित-आदिवासी प्रतिनिधित्व यथास्थिति में : बिहार की 40 आरक्षित सीटों पर दलित-आदिवासी वर्ग का प्रतिनिधित्व इस बार लगभग पहले जैसा ही है. जेडीयू: 14, बीजेपी: 12, एलजेपी (आर): 5, हम: 4, आरजेडी: 3, कांग्रेस: 1. दलित विधायकों की संख्या में न तो खास बढ़ोतरी हुई और न ही कोई बड़ी गिरावट.

हर दूसरा विधायक ओबीसी-ईबीसी से : बिहार की 243 सीटों में से 120 विधायक पिछड़ा व अतिपिछड़ा वर्ग से चुने गए हैं. ओबीसी : 83, ईबीसी : 37 यह संख्या बताती है कि बिहार की राजनीति में पिछड़े वर्ग का प्रभाव लगातार मजबूत हो रहा है. जेडीयू में 12-12 कुर्मी और कुशवाहा विधायक हैं, जबकि सात यादव विधायक जीते. बीजेपी से कुशवाहा 7, वैश्य 11, यादव 4 और ईबीसी 11 विधायक चुने गए. एलजेपी (आर) के 7 ओबीसी-ईबीसी, राजद के 17 और कांग्रेस तथा वामदल के कई विधायक इसी वर्ग से आए हैं. सबसे दिलचस्प उछाल कुर्मी, कुशवाहा और वैश्य जातियों का रहा-कुर्मी 10 से बढ़कर 25, कुशवाहा 16 से बढ़कर 23 और वैश्य 22 से बढ़कर 26 हो गए हैं.

दिल्ली ब्लास्ट

श्रीनगर से आतंकी उमर का एक और सहयोगी गिरफ्तार

नयी दिल्ली । लाल किला इलाके में हुए कार बम धमाके की जांच में एनआईए ने आतंकवादी उमर उन नबी के एक अहम साथी जासिर बिलाल वानी उर्फ दानिश को जम्मू-कश्मीर के श्रीनगर से गिरफ्तार किया है. जासिर कश्मीर के अनंतनाग जिले के क़ाज़ीगुंड का रहने वाला है और जांच में सामने आया है कि वह धमाके की साजिश में सक्रिय भूमिका निभा रहा था. एनआईए के अनुसार, जासिर ने आतंकियों को तकनीकी सहायता प्रदान की थी. वह ड्रोन में बदलाव कर उन्हें हमलों के लिए उपयोगी बनाने की कोशिश कर रहा था. एजेंसी को उम्मीद है कि आगे की पूछताछ से इस हमले के पीछे की पूरी साजिश, मास्टरमाइंड से लेकर छोटे-छोटे सहयोगियों तक, सभी का पर्दाफाश हो सकेगा.

हजारीबाग में जेवर दुकानदार से गहनों की लूट

अपराधियों ने फायरिंग कर करोड़ों के जेवर लूटे

प्रदीप सिन्हा । बरही (हजारीबाग)

रविवार की रात झारखंड के हजारीबाग जिला अंतर्गत बरही प्रखंड में जय माता दी ज्वेलर्स के मालिक रविंद्र कुमार पर हथियारबंद अपराधियों ने हमला कर करोड़ों रुपये मूल्य के सोने-चांदी के जेवरात लूट लिए. घटना से पूरे इलाके में तनाव और सुरक्षा को लेकर भय व्याप्त हो गया.

रविवार की रात लगभग 8 बजे बरही चौक पर रविंद्र कुमार अपनी दुकान बंद कर रहे थे और जेवरात अपनी कार में रख रहे थे. तभी चार हथियारबंद अपराधी दो तेज रफ्तार बाइकों पर आए. उन्होंने हवाई फायरिंग की और रविंद्र कुमार की कार का शीशा तोड़ते हुए जेवरात से भरा बैग उठाकर भाग गए. लूट के दौरान 30-30 किलो के दो चांदी के बैग, 35 किलो तैयार चांदी के आभूषण और 3.5 किलो सोने के आभूषण लूटे गए. रविंद्र कुमार ने विरोध किया, लेकिन अपराधियों ने उन्हें पिस्तौल की बट और मुक्कों से बुरी तरह पीटा. गंभीर रूप से घायल रविंद्र कुमार को स्थानीय लोगों ने सरकारी अस्पताल पहुंचाया, जहां उनकी हालत फिलहाल स्थिर है. पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए छापेमारी और नाकेबंदी अभियान शुरू किया. बरही थाना प्रभारी विनोद कुमार और एसडीपीओ अजीत कुमार बिमल ने घटना स्थल का निरीक्षण किया और प्रत्यक्षदर्शियों से पूछताछ की.

सिदो-कान्हु मुर्मू विश्वविद्यालय, दुमका के 9वें दीक्षांत समारोह में शामिल हुए राज्यपाल

दीक्षांत केवल औपचारिकता नहीं, बल्कि बड़े उत्तरदायित्व की शुरुआत है : संतोष कुमार गंगवार

शुभम संदेश। दुमका

राज्यपाल-सह-झारखंड राज्य के विश्वविद्यालयों के कुलाधिपति संतोष कुमार गंगवार ने सोमवार को कन्वेंशन सेंटर, एग्रो पार्क, एसपी कॉलेज रोड, दुमका में सिदो-कान्हु मुर्मू विश्वविद्यालय, दुमका के 9वें दीक्षांत समारोह में शामिल होकर उपाधि प्राप्त करने वाले सभी छात्र-छात्राओं और शोधार्थियों को बधाई दी. उन्होंने कार्यक्रम में महान स्वतंत्रता सेनानी सिदो और कान्हु को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा कि संथाल विद्रोह 'हूल क्रांति' भारतीय स्वतंत्रता संग्राम का स्वर्णिम अध्याय है, जिसने साहस, आत्मसम्मान और संगठन की अद्भुत मिसाल प्रस्तुत की. उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों को इन वीरों से सतत प्रेरणा लेनी चाहिए.

राज्यपाल ने कहा कि दीक्षांत केवल औपचारिकता नहीं, बल्कि बड़े उत्तरदायित्व की शुरुआत है. यह उपाधि विद्यार्थियों के परिश्रम, अभिभावकों के त्याग और शिक्षकों के समर्पित मार्गदर्शन का प्रतीक है. उन्होंने विद्यार्थियों को अपने ज्ञान और कौशल का उपयोग समाज हित में करने का आह्वान किया. राज्यपाल ने कहा कि यह विश्वविद्यालय न केवल शिक्षा का केंद्र है, बल्कि जनजातीय समाज की संस्कृति, विरासत और परंपराओं का संरक्षक भी है. उन्होंने कहा कि जनजातीय क्षेत्रों में उच्च शिक्षा की पहुंच बढ़ाना और स्थानीय समस्याओं पर आधारित शोध को प्रोत्साहित करना विश्वविद्यालयों का दायित्व है. उन्होंने विद्यार्थियों से अपेक्षा की कि वे कृषि, स्वास्थ्य, पर्यावरण संरक्षण, ग्रामीण विकास और सामाजिक चुनौतियों के समाधान खोजने में अग्रणी बनें.

राज्यपाल गंगवार ने कहा कि आपकी शिक्षा तभी सार्थक है, जब वह समाज, गांवों, गरीबों, दलितों और जनजातीय भाइयों-बहनों के जीवन में सकारात्मक परिवर्तन लाए. उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री द्वारा वर्ष 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाने का संकल्प तभी पूर्ण होगा, जब हमारे विश्वविद्यालय नवाचार, अनुसंधान, कौशल विकास और प्रभावी शैक्षणिक पद्धतियों को प्राथमिकता देंगे. उन्होंने विश्वास प्रकट करते हुए कहा कि झारखंड के युवा अपनी ऊर्जा, क्षमता और दृढ़-संकल्प के साथ इस राष्ट्र-निर्माण के अभियान में महत्वपूर्ण योगदान देंगे.

राज्यपाल ने कहा कि आज का दिन विद्यार्थियों के लिए नए सपनों, नई चुनौतियों और नए अवसरों का प्रतीक है. उन्होंने विद्यार्थियों को ईमानदारी, संवेदनशीलता और कर्तव्यपरायणता के साथ आगे बढ़ने का संदेश दिया और कहा कि "सच्ची सफलता वही है, जो स्वयं के साथ समाज और राष्ट्र को भी ऊंचाइयां दे. उन्होंने विश्वविद्यालय प्रशासन, शिक्षकों और कर्मचारियों को दीक्षांत समारोह के सफल आयोजन के लिए शुभकामनाएं दीं और विश्वविद्यालय की उन्नति के लिए अपनी शुभेच्छाएं व्यक्त कीं. उन्होंने सभी उपाधि-प्राप्त विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए कहा कि आप अपने कर्म, निष्ठा और नैतिक मूल्यों से झारखंड ही नहीं, भारत की नई पहचान बनेंगे.

देवघर में डीपीएस का शिलान्यास, राज्यपाल गंगवार बोले

अनुशासन और सकारात्मक दृष्टि ही सफलता की कुंजी

शुभम संदेश। देवघर/रांची

राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार ने सोमवार को देवघर में दिल्ली पब्लिक स्कूल (डीपीएस) का भूमि पूजन एवं शिलान्यास किया. उन्होंने कहा कि यह कार्यक्रम केवल एक शैक्षणिक संस्थान की नींव रखने भर का आयोजन नहीं, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के उज्ज्वल भविष्य की आधारशिला है. राज्यपाल ने देवघर की पावन भूमि को नमन करते हुए इसे संपूर्ण शिक्षा जगत के लिए एक महत्वपूर्ण अवसर बताया.राज्यपाल गंगवार ने अपने संबोधन में कहा कि देवघर धार्मिक ही नहीं, बल्कि आध्यात्मिक ऊर्जा, सांस्कृतिक समृद्धि और मानवीय मूल्यों की पवित्र भूमि है. प्रधानमंत्री मोदी के संदेश का उल्लेख करते हुए राज्यपाल ने कहा कि सफलता उसी को मिलती है, जो निरंतर मेहनत करता है और चुनौतियों को अवसर में बदलने की क्षमता रखता है.

उन्होंने विद्यार्थियों से कहा कि अनुशासन, निरंतर अभ्यास और सकारात्मक दृष्टिकोण ही सफलता का सच्चा मार्ग है.

राज्यपाल ने जोर देकर कहा कि स्कूल केवल इमारत नहीं, बल्कि ज्ञान, संस्कार और चरित्र निर्माण का पवित्र केंद्र होता है.उन्होंने आशा व्यक्त की कि डीपीएस, देवघर विद्यार्थियों को आधुनिक ज्ञान से लैस करने के साथ-साथ उन्हें अपनी जड़ों से भी जोड़ेगा और आधुनिक भारत के निर्माण में योगदान देने के लिए तैयार करेगा.राज्यपाल ने विश्वास जताया कि यह संस्थान झारखंड के शिक्षा मानचित्र पर अपनी विशिष्ट पहचान स्थापित करेगा और क्षेत्र की शैक्षणिक आकांक्षाओं को नई दिशा प्रदान करेगा.

एशियाई यूथ पारा गेम्स दुबई के लिए तीरंदाज झोंगो पाहन का चयन

रांची। खूंटी जिले के प्रतिभाशाली एवं उभरते तीरंदाज झोंगो पाहन का चयन आगामी दिसंबर में दुबई में आयोजित होने वाले एशियन यूथ पारा गेम्स-2025 के लिए भारतीय टीम में किया गया है.इस महत्वपूर्ण उपलब्धि के बाद जिला प्रशासन ने उनके प्रशिक्षण और तैयारी को सुदृढ़ करने के लिए आवश्यक कदम उठाए हैं. उपायुक्त आर रॉनिटा के निर्देशानुसार जिला खेलकूद कार्यालय की ओर से खेलकूद एवं युवा कार्य निदेशालय, झारखंड से आर्थिक सहायता के लिए पत्राचार किया गया था. इसके फलस्वरूप निदेशालय ने खिलाड़ी कल्याण कोष से तीरंदाजी उपकरण खरीदने के लिए रु 3,98,776 की सहायता राशि स्वीकृत की, जिसका चेक 15 नवंबर को उप विकास आयुक्त आलोक कुमार द्वारा समाहरणालय स्थित कार्यालय कक्ष में झोंगो पाहन को सौंपा गया.चेक प्रदान करते हुए उप विकास आयुक्त ने कहा कि झोंगो की यह उपलब्धि पूरे जिले के लिए गौरव की बात है. उन्होंने आशा व्यक्त की कि वे अंतरराष्ट्रीय मंच पर उत्कृष्ट प्रदर्शन कर देश व राज्य का नाम रोशन करेंगे. उल्लेखनीय है कि झोंगो पाहन इससे पहले जयपुर में आयोजित छठवीं पारा नेशनल आर्चरी चैंपियनशिप में झारखंड का प्रतिनिधित्व करते हुए एक स्वर्ण और एक रजत पदक जीत चुके हैं.

झारखंड में संवेदकों के भुगतान पर संकट गहराया, चैंबर ने सरकार से की तत्काल समाधान की मांग

डेढ़ साल से लंबित बिलों और सिक्योरिटी डिपॉजिट रिफंड नहीं होने से संवेदक गंभीर आर्थिक संकट में

चैंबर जल्द विभागीय सचिव से मिलेगा

शुभम संदेश। रांची

ग्रामीण कार्य विभाग ने करीब 12 हजार करोड़ रुपये के नए टेंडर जारी किए, जबकि लगभग 5 हजार करोड़ रुपये की पुरानी देनदारियां अब भी लंबित

लंबित भुगतान से विकास कार्य प्रभावित : रवि राज अग्रवाल

राज्य सरकार की विभिन्न योजनाओं को धरातल पर उतारने वाले संवेदकों ने लंबे समय से बकाया भुगतान नहीं मिलने पर गहरी नाराजगी व्यक्त की है और तत्काल भुगतान की मांग रखी है. सोमवार को फेडरेशन ऑफ झारखंड चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज की कंस्ट्रक्शन एंड इंफ्रा उप समिति की बैठक में सदस्यों ने बताया कि पीएचईडी, ग्रामीण कार्य विभाग, जुडको समेत कई महत्वपूर्ण विभागों में संवेदकों के भुगतान पिछले लगभग डेढ़ वर्षों से अटके हुए हैं, जिसके चलते वे गंभीर आर्थिक संकट से गुजर रहे हैं.

बैठक में मौजूद संवेदकों ने यह भी कहा कि जिन कार्यों को पूरा कर लिया गया है, उनका सिक्योरिटी डिपॉजिट भी वापस नहीं किया जा रहा है. चर्चा में यह जानकारी सामने आई कि ग्रामीण कार्य विभाग ने करीब 12 हजार करोड़ रुपये के नए टेंडर जारी कर दिए हैं, जबकि लगभग 5 हजार करोड़ रुपये की पुरानी देनदारियां अब भी लंबित हैं. ऐसी स्थिति में चैंबर का मानना है कि अनुपूरक बजट में लंबित भुगतानों के लिए विशेष प्रावधान जरूरी है, क्योंकि नॉन-पेमेंट के कारण कॉन्ट्रैक्टर्स का राज्य से पलायन चिंताजनक रूप ले रहा है.

चैंबर अध्यक्ष आदित्य मल्होत्रा ने संवेदकों की चिंताओं को जायज़ बताते हुए आश्वासन दिया कि वे जल्द ही संबंधित विभागीय सचिव से मिलकर इस मुद्दे पर आवश्यक पहल करेंगे. उन्होंने कहा कि कॉन्ट्रैक्टर्स के साथ लाखों कामगारों और उनके परिवारों की आजीविका जुड़ी होती है. यदि वे राज्य छोड़ते हैं, तो चल रही इंफ्रास्ट्रक्चर परियोजनाओं पर गंभीर असर पड़ेगा.

चैंबर इस पूरे मामले में निर्णायक भूमिका निभाएगा.मल्होत्रा ने यह भी कहा कि राज्य की स्थापना को 25 वर्ष पूरे हो चुके हैं और अब राज्य का बजट आकार बढ़ाया जाना चाहिए. वर्तमान 1.5 लाख करोड़ रुपये के बजट को बढ़ाकर कम से कम 3 लाख करोड़ रुपये किया जाना आवश्यक है.

जियाडा के प्रावधानों से औद्योगिक विकास में आ रही बाधाओं पर भी बैठक में चर्चा हुई. कंस्ट्रक्शन एंड इंफ्रा उप समिति के चेयरमैन रवि राज अग्रवाल ने कहा कि संवेदक राज्य के इंफ्रास्ट्रक्चर विकास में अहम भूमिका निभाते हैं, लेकिन भुगतान में लगातार देरी से उनकी कार्य क्षमता पर असर पड़ रहा है. यदि समय पर बिल और सिक्योरिटी डिपॉजिट वापस नहीं किए गए तो कई परियोजनाएं बाधित होंगी और राज्य का विकास धीमा पड़ जाएगा.

उन्होंने सरकार से इस मुद्दे को सर्वोच्च प्राथमिकता पर लेकर त्वरित समाधान सुनिश्चित करने का आग्रह किया. बैठक में निर्णय लिया गया कि झारखंड चैंबर और बिल्डर्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया संयुक्त रूप से इस मामले पर पहल करेंगे. बैठक में चैंबर अध्यक्ष आदित्य मल्होत्रा, उप समिति चेयरमैन रवि राज अग्रवाल, पूर्व अध्यक्ष किशोर मंत्री, सदस्य अशोक प्रधान, अजय सिंह, मुकेश सिंह, गुरदीप सिंह समेत कई संवेदक उपस्थित थे.

एक नजर

राज्यपाल को विस अध्यक्ष रबींद्र नाथ महतो ने विस के रजत जयंती समारोह में शामिल होने का न्योता दिया

रांची। राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार से सोमवार को झारखंड विधानसभा अध्यक्ष रबींद्र नाथ महतो ने राजभवन में भेंट की. उन्होंने राज्यपाल को 22 नवंबर को आयोजित झारखंड विधानसभा की 25वीं वर्षगांठ (रजत जयंती) समारोह 2025 में शामिल होने के लिए आमंत्रित किया.

राज्यपाल से मिले पूर्व मुख्यमंत्री अर्जुन मुंडा

रांची। राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार से सोमवार को झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री अर्जुन मुंडा ने राजभवन में शिष्टाचार भेंट की.

डीएसपीएमयू की छात्रा पूजा रानी को राज्य कुश्ती चैंपियनशिप फ्री स्टाईल श्रेणी में स्वर्ण पदक मिला

रांची। डीएसपीएमयू, रांची की स्नातकोत्तर अंग्रेज़ी विभाग की यूजी सेमेस्टर 4 की छात्रा पूजा रानी ने हरिहरगंज, पलामू में आयोजित 26वीं सीनियर झारखंड राज्य कुश्ती चैंपियनशिप फ्री स्टाईल श्रेणी में स्वर्ण पदक जीतकर विभाग और विश्वविद्यालय का नाम रोशन किया है. इस राज्यस्तरीय प्रतियोगिता में झारखंड के सभी जिलों से लगभग 500 पहलवानों ने भाग लिया. प्रतियोगिता का उद्घाटन पलामू ज़ोन के आईजी शैलेन्द्र कुमार सिन्हा ने किया. उल्लेखनीय है कि इस सफलता के साथ पूजा रानी सीनियर नेशनल लेवल चैंपियनशिप के लिए भी चुनी गयीं, जो आहमदाबाद, गुजरात में होगी. पूजा रानी की मेहनत और उपलब्धि पर विश्वविद्यालय के कुलपति अंजनी कुमार मिश्र, रजिस्ट्रार डॉ धनंजय वासुदेव द्विवेदी और विभागाध्यक्ष डॉ विनय भरत, शिक्षिका पीयूषबाला, सुमित मिंज, दिव्या प्रिया, कर्मा कुमार ने बधाई दी है.

भारतीय अंतरराष्ट्रीय व्यापार मेला (आईआईटीएफ) में झारखंड पेवेलियन आकर्षण का केंद्र

महिला कारीगरों का जलवा, तसर सिल्क और हस्तशिल्प आकर्षित कर रहे लोगों को

शुभम संदेश। नयी दिल्ली/रांची

नयी दिल्ली के प्रगति मैदान में आयोजित भारतीय अंतरराष्ट्रीय व्यापार मेला (आईआईटीएफ) में इस वर्ष झारखंड पेवेलियन विशेष आकर्षण का केंद्र बना हुआ है. झारखंड सरकार ने इस बार मेले में महिलाओं द्वारा निर्मित उत्पादों को बढ़ावा देने पर विशेष जोर दिया है. राज्य के विभिन्न जिलों से आई महिला कारीगरों और स्वयं सहायता समूहों ने अपने कौशल, श्रम और रचनात्मकता से तैयार उत्पाद राष्ट्रीय मंच पर प्रस्तुत किए. इससे न केवल महिलाओं को रोजगार मिल रहा है, बल्कि वे आर्थिक रूप से सशक्त और आत्मनिर्भर भी बन रही हैं.

पेवेलियन का मुख्य आकर्षण लाइव तसर सिल्क डेमो है. प्रशिक्षित महिला कारीगर आगंतुकों को दिखाती हैं कि किस तरह प्राकृतिक तसर कोकून से धागा निकाला जाता है और उसे सूत में बदला जाता है. इसके साथ ही "तम्सुम" स्टॉल पर वही धागा करघे पर कपड़े में तब्दील होता दिखाया जाता है. यह अनूठा अनुभव दर्शकों को झारखंड की तसर सिल्क की समृद्ध परंपरा और महिलाओं की महत्वपूर्ण भूमिका से रूबरू कराता है. तसर उद्योग आदिवासी और ग्रामीण महिलाओं के लिए स्थायी आय का स्रोत बनने के साथ उन्हें आधुनिक बाज़ार से जोड़ने का भी माध्यम है. पेवेलियन में महिला स्वयं सहायता समूहों के स्टॉल भी आगंतुकों को आकर्षित कर रहे हैं. हस्तनिर्मित वस्त्र, पारंपरिक हस्तशिल्प, प्राकृतिक और जैविक उत्पाद, तसर सिल्क पर आधारित परिधान और घरेलू सजावट की वस्तुएँ झारखंड की सांस्कृतिक विरासत को जीवंत रूप में प्रस्तुत करती हैं.

एक और प्रमुख आकर्षण लाख चूड़ी हस्तशिल्प का स्टॉल है, जिसे झबर मल संचालित करते हैं. पिछले चार वर्षों से आईआईटीएफ में भाग ले रहे झबर मल के संगठन में लगभग 400 महिलाएँ लाख की चूड़ियाँ बनाती हैं, जिससे उन्हें स्थायी आजीविका मिलती है.इस बार का झारखंड पैवेलियन केवल कला और संस्कृति का प्रदर्शन नहीं है, बल्कि यह संदेश दे रहा है कि राज्य की महिलाएँ अपने कौशल, परंपरा और मेहनत के बल पर आत्मनिर्भर झारखंड के निर्माण में महत्वपूर्ण योगदान दे रही हैं.

बिहार के अप्रत्याशित नतीजों पर राजद में मंथन, झारखंड निकाय चुनाव की तैयारी में जुटा

झारखंड प्रदेश राजद के प्रवक्ता कैलाश यादव ने कहा - राजद यानी संघर्ष से बनी पार्टी

शुभम संदेश। रांची

बिहार विधानसभा चुनाव में आए उम्मीद के विपरीत नतीजों को लेकर राष्ट्रीय जनता दल (राजद) कार्यकर्ताओं के हौसले पर कोई असर नहीं पड़ा है. प्रदेश राजद प्रवक्ता कैलाश यादव ने पार्टी कार्यालय में कार्यकर्ताओं संग बैठक कर आगामी राजनीतिक रणनीतियों पर विस्तार से चर्चा की. बैठक में उपस्थित नेताओं- कार्यकर्ताओं ने बिहार चुनाव में अप्रत्याशित परिणामों पर चिंता व्यक्त की. इस दौरान कैलाश यादव ने कहा कि राष्ट्रीय जनता दल संघर्षों से बनी पार्टी है और इसके सुप्रीमो लालू प्रसाद सामाजिक न्याय के प्रतीक हैं. उन्होंने कहा कि किसी भी चुनाव में हार-जीत होती रहती है और इससे किसी की राजनीतिक हैसियत तय नहीं होती. उन्होंने बताया कि झारखंड में आगामी नगर निकाय और पंचायत चुनाव होने वाले हैं, जिसके लिए राजद प्रदेश भर में जागरूकता अभियान चलाए. यादव ने राजद नेताओं और कार्यकर्ताओं से स्थानीय स्तर पर बैठक कर सक्रियता बढ़ाने का आह्वान किया.

चुनाव आयोग की कार्यशैली पर बात करते हुए कैलाश यादव ने कहा कि विगत कई चुनाव में आयोग के कामकाज को लेकर सवाल उठते रहे हैं. उन्होंने आरोप लगाया कि बिहार चुनाव के दौरान आचार संहिता लागू होने के बावजूद करोड़ों महिलाओं के खातों में राशि भेजे जाने पर आयोग ने कोई कार्रवाई नहीं की. यादव के अनुसार, ऐसी स्थितियां आने वाले समय में चुनाव प्रणाली पर गंभीर संकट खड़ा कर सकती हैं. बैठक में राजद पिछड़ा प्रकोष्ठ अध्यक्ष सुनील साहू, सचिव रामकुमार यादव, शबर फातमी, कमलेश यादव, महानंद सिंह, कुंजबिहारी साहू, जितेंद्र राणा सहित दर्जनों कार्यकर्ता मौजूद रहे.

झारखंड के संसाधनों को लूट कर मोदी सरकार भाजपा शासित राज्यों को लाभ पहुंचा रही है : सोनाल शांति

शुभम संदेश। रांची

प्रदेश कांग्रेस प्रवक्ता सोनाल शांति ने कहा कि भाजपा महामंत्री को झारखंड में नैतिकता की बातें करने से पहले भाजपा सरकार के कार्यकाल के आंकड़े देख लेने चाहिए. उन्होंने आरोप लगाया कि झारखंड के संसाधनों को लूट कर मोदी सरकार भाजपा शासित राज्यों को लाभ पहुंचा रही है. उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के नेतृत्व में झारखंड सरकार जनता से किए गए विकास वादों को स्पष्ट मिशन और तत्परता के साथ पूरा कर रही है. शांति ने आरोप लगाया कि भाजपा शासित राज्यों में बच्चों की मौत ऑक्सीजन की कमी या अस्पतालों में आग जैसी घटनाओं में हो रही है, लेकिन यह उन्हें नजर नहीं आता. उन्होंने कहा कि झारखंड में चिकित्सा व्यवस्था पूरी तरह दुरुस्त है और महागठबंधन सरकार ने भाजपा शासनकाल में डीएमएफटी और सीएसआर फंड के दुरुपयोग पर रोक लगा दी है.

उन्होंने भाजपा नेताओं पर निशाना साधते हुए कहा कि वे झारखंड सरकार और कांग्रेस को दोषी ठहराकर अपने अंदरूनी मतभेद और पुराने नेताओं की कार्यशैली छुपा रहे हैं. सोनाल शांति ने कहा कि झारखंड में महागठबंधन की सफलता साबित करती है कि जनता ने भाजपा से अधिक महागठबंधन प्रत्याशी को समर्थन दिया.सोनाल शांति ने भाजपा की आलोचना करते हुए कहा कि पार्टी महाराष्ट्र में एकनाथ शिंदे को मुख्यमंत्री बनाने के बाद उनके खिलाफ कदम उठाती है और गठबंधन की नैतिकता की बातें करती है, जो केवल सत्ता पाने के लिए अन्य दलों का इस्तेमाल करने की राजनीति को दर्शाता है.

शुभम संदेश

एक राज्य - एक अखबार

रांची, मंगलवार 18 नवंबर 2025 I मार्गशीर्ष कृष्ण पक्ष 14, संवत 2082 I रांची एवं पटना से प्रकाशित I वर्ष : 3, अंक : 218 I मूल्य ₹ 4, पृष्ठ संख्या : 12

देश-विदेश

पाकिस्तान सेना आम व निर्दोष लोगों को निशाना बना रही है

21 नवंबर से फिर शुरू होगा आपकी योजना-आपकी सरकार-आपके द्वार कार्यक्रम

मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन खुद विशेष शिविरों का जायजा लेने के लिए करेंगे राज्य के जिलों का दौरा

वैसी योजनाओं - सेवाओं को प्राथमिकता दी जाएगी जिनकी आम लोगों को रोजमर्रा में सबसे अधिक जरूरत होती है

शुभम संदेश। रांची

झारखंड सरकार एक बार फिर लोगों की दहलीज पर योजनाओं का लाभ पहुंचाने के अपने महत्वाकांक्षी अभियान 'आपकी योजना–आपकी सरकार–आपके द्वार' शुरू करने जा रही है. मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की अगुवाई में यह कार्यक्रम 21 नवंबर से पूरे राज्य में शुरू होगा और 15 दिसंबर 2025 तक चलेगा. इस दौरान पंचायत स्तर पर लगाए जाने वाले विशेष शिविरों में न केवल आम लोगों की समस्याओं को सुना जाएगा, बल्कि कई तरह की योजनाओं के लिए मौके पर ही आवेदन प्राप्त कर त्वरित स्वीकृति भी सुनिश्चित की जाएगी. इस बार कार्यक्रम की खास बात यह है कि मुख्यमंत्री स्वयं जिलों का दौरा कर शिविरों की वास्तविक स्थिति का जायजा लेंगे और यह देखेंगे कि प्रशासनिक तंत्र किस तरह जनता को लाभ पहुंचाने में सक्रिय है.

मुख्य सचिव अविनाश कुमार ने इस संबंध में सभी अपर मुख्य सचिवों, प्रधान सचिवों, सचिवों, प्रमंडलीय आयुक्तों और उपायुक्तों को आवश्यक दिशा-निर्देश जारी कर दिए हैं. निर्देश के अनुसार, हर पंचायत में शिविर लगाकर ग्रामीणों से सीधे आवेदन लिए जाएंगे और मौके पर ही जांच की प्रक्रिया पूरी कर पात्र लोगों को योजनाओं का लाभ उपलब्ध कराया जाएगा. सरकार का उद्देश्य है कि ग्रामीणों को दफ्तरों के चक्कर न लगाने पड़ें और योजनाओं का लाभ उनके गांव में ही सुलभ हो सके. पिछले वर्षों में आयोजित आपकी योजना–आपकी सरकार–आपके द्वार कार्यक्रम ने लोगों का विश्वास जीता था और बड़ी संख्या में लाभार्थियों को सरकारी योजनाओं से जोड़ने में उल्लेखनीय सफलता हासिल की थी. इसी सकारात्मक प्रतिक्रिया के आधार पर सरकार ने इस कार्यक्रम को फिर से बड़े पैमाने पर आयोजित करने का निर्णय लिया है.

कार्यक्रम में इन योजनाओं के आवेदन को दी जाएगी प्राथमिकता

इस बार शिविरों में खास तौर पर उन योजनाओं और सेवाओं को प्राथमिकता दी जाएगी जिनकी आम लोगों को रोजमर्रा में सबसे अधिक जरूरत होती है. इनमें जाति, आवासीय और आय प्रमाण पत्र जैसी महत्वपूर्ण सेवाओं के साथ स्वास्थ्य सुरक्षा योजना, किसान क्रेडिट कार्ड, लैंप्स–पैक्स सदस्यता, सार्वजनिक पेंशन योजनाएं, सावित्रीबाई फुले किशोरी समृद्धि योजना, मुख्यमंत्री रोजगार सृजन योजना, बिरसा हरित ग्राम योजना, हरा राशन कार्ड, बिरसा सिंचाई कूप संवर्धन योजना और गुरुजी स्टूडेंट क्रेडिट कार्ड जैसी कई प्रमुख सरकारी योजनाएं शामिल हैं. इसके अलावा 'अबुआ आवास योजना' और 'मुख्यमंत्री मंईयां सम्मान योजना' के अंतर्गत भी आवेदन लिए जाएंगे. सरकार का मानना है कि शिविरों के माध्यम से न केवल योजनाओं की जानकारी लोगों तक सीधे पहुंचेगी बल्कि आवेदन प्रक्रिया में पारदर्शिता बढ़ेगी और लाभार्थियों को समय पर सहायता मिल सकेगी. इस कार्यक्रम में जिलों के उपायुक्तों से लेकर पंचायत स्तर के कर्मियों तक सभी को सक्रिय रूप से हिस्सेदारी निभानी होगी. मुख्यमंत्री स्वयं शिविरों में जाकर योजनाओं की जमीनी स्थिति को परखेंगे, जिससे कार्यक्रम की गति और निगरानी दोनों में मजबूती आएगी. यह कार्यक्रम झारखंड सरकार के उस संकल्प को पुनः दोहराता है, जिसमें शासन को लोगों तक पहुंचाने और योजनाओं को वास्तव में जरूरतमंदों तक पहुंचाने का लक्ष्य शामिल है. नवंबर से दिसंबर तक चलने शिविरो के माध्यम से राज्य के लाखों लोगों को फायदा मिलने की उम्मीद है.

झारखंड के सीएम हेमंत सोरेन के नाम पर कर्नाटक के डिप्टी सीएम को फर्जी कॉल, एफआईआर दर्ज

रांची। कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार और उनकी पत्नी को झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के नाम का दुरुपयोग कर फर्जी कॉल किए जाने का गंभीर मामला सामने आया है. इस पूरे प्रकरण के उजागर होते ही मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के निजी सचिव की ओर से रांची के गोंदा थाने में शनिवार देर रात एफआईआर दर्ज कराई गई. घटनाक्रम को मुख्यमंत्री की छवि को धूमिल करने और वीवीआईपी व्यक्तियों को अनावश्यक रूप से परेशान करने की निंदनीय कोशिश बताया गया है.

एफआईआर के अनुसार, एक अज्ञात व्यक्ति ने खुद को झारखंड का मुख्यमंत्री बताते हुए कर्नाटक के डिप्टी सीएम डीके शिवकुमार को फोन किया और उनसे असभ्य एवं संदिग्ध तरीके से बातचीत की. इतना ही नहीं, शिकायत में यह भी उल्लेख है कि उसी मोबाइल नंबर से राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत को भी कॉल कर परेशान किया गया था. मुख्यमंत्री आवास के प्राइवेट असिस्टेंट जय प्रसाद की ओर से दर्ज कराई गई शिकायत में कहा गया है कि फोन कॉल की रिकॉर्डिंग पेन ड्राइव में उपलब्ध है, जिसमें स्पष्ट रूप से सुना जा सकता है कि आरोपी व्यक्ति मुख्यमंत्री बनकर बातचीत कर रहा है.

मामला सामने आते ही रांची पुलिस सक्रिय हो गई है. साइबर सेल और टेक्निकल सेल की टीम इस फर्जी कॉल करने वाले आरोपी की पहचान में जुटी हुई हैं. पुलिस कॉल डिटेल रिकॉर्ड, फोन लोकेशन और सिम कार्ड के अन्य तकनीकी आधारों पर जांच आगे बढ़ा रही है. स्वयं मुख्यमंत्री ने पुलिस को निर्देश दिया है कि आरोपी की जल्द से जल्द पहचान कर उसके खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई सुनिश्चित की जाए. सदर डीएसपी संजीव बेसरा ने बताया कि मामला संज्ञान में आते ही जांच शुरू कर दी गई है और विस्तृत जानकारी जांच पूरी होने के बाद उपलब्ध कराई जाएगी.

मेडिकल कॉलेजों में नामांकन के लिए काउंसिलिंग की तिथि संशोधित हुई

रांची। राज्य के मेडिकल कॉलेजों में पीजी मेडिकल (एमडी तथा एमएस) तथा डिप्लोमा एवं डीएनबी कोर्स में नामांकन के लिए पहली काउंसिलिंग का कार्यक्रम संशोधित कर दिया गया है. केंद्र की मेडिकल काउंसिलिंग कमेटी के निर्देश पर झारखंड संयुक्त प्रवेश प्रतियोगिता परीक्षा पर्षद ने काउंसिलिंग की तिथियां में संशोधन किया. इसके तहत वैसे अभ्यर्थी जिन्होंने पूर्व में ऑनलाइन फार्म नहीं भरा था, वे 18-19 नवंबर को ऑनलाइन फार्म भर सकेंगे. पर्षद ने कहा है कि 20 नवंबर को औपबंधिक राज्य मेधा सूची का प्रकाशन किया जाएगा. अभ्यर्थी उस पर 21 नवंबर तक आपत्तियां दर्ज करा सकेंगे. इसके बाद 22 नवंबर को अंतिम रूप से राज्य मेधा सूची का प्रकाशन किया जाएगा. 23 से 24 नवंबर तक ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन तथा विकल्प भरने की प्रक्रिया पूरी होगी. इसमें 25 नवंबर तक संशोधन किया जा सकेगा. 27 नवंबर को सीटों का आवंटन होगा. 28 नवंबर से तीन दिसंबर तक आवंटित संस्थानों में प्रमाणपत्रों की जांच तथा नामांकन प्रक्रिया पूरी होगी.

जेपीएससी के बाहर सीडीपीओ प्रत्याशियों का विरोध प्रदर्शन

रांची। झारखंड लोक सेवा आयोग (डेपीएससी) द्वारा फूड सेफ्टी ऑफिसर (एफएसओ) और सीडीपीओ परीक्षा के परिणाम देर से जारी किए जाने पर नाराज अभ्यर्थियों ने सोमवार को आयोग कार्यालय के बाहर सत्याग्रह शुरू कर दिया. सुबह से ही बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं शांतिपूर्ण धरना देकर रिजल्ट जल्द जारी करने की मांग करते रहे.अभ्यर्थियों का कहना है कि परीक्षा आयोजित हुए एक वर्ष से अधिक समय बीत चुका है, लेकिन आयोग ने न तो परिणाम घोषित किया और न ही कोई निश्चित समयसीमा दी. इससे उम्मीदवारों में निराशा और असंतोष बढ़ गया है. धरना दे रहे अभ्यर्थी सत्यनारायण शुक्ला ने कहा, "हमारी मांग बहुत सरल है. एफएसओ और सीडीपीओ का रिजल्ट जल्द से जल्द जारी किया जाए.

झारखंड में ला-नीना की असर से कड़ाके की ठंड

मौसम विभाग ने सात जिलों में शीतलहर का येलो अलर्ट जारी किया

राज्य में न्यूनतम तापमान में वृद्धि की उम्मीद कल से, फरवरी तक ठंड का असर बना रह सकता है

शुभम संदेस. रांची

झारखंड में इस सर्दी हाड़ कंपा देने वाली साबित हो रही है. मौसम विशेषज्ञों के मुताबिक इस बार ला-नीना के प्रभाव के कारण ठंड सामान्य से अधिक रहने की संभावना है. ला-नीना के कारण प्रशांत महासागर में समुद्री सतह का तापमान घटता है, जिससे राज्य में वर्षा बढ़ती है और ठंड भी लंबी होती है. इसके अलावा, पश्चिमी विक्षोभ के चलते उत्तर-पश्चिम से उत्तरी हवाएँ राज्य में आ रही हैं, जिससे ठंड की तीव्रता और बढ़ गई है.

11 जिलों मे शीत लहर के आसार

मौसम केंद्र ने 18 नवंबर से राज्य के 11 जिलों पलामू, गढ़वा, हजारीबाग, चतरा, रांची, रामगढ़, खूंटी, सिमडेगा, गुमला, लोहरदगा और लातेहार में शीतलहर की संभावना जताई है. विशेषज्ञ अभिषेक आनंद के मुताबिक, इस साल सर्दी समय से पहले नवंबर में ही शुरू हो गई है और यह सिलसिला अगले वर्ष फरवरी तक जारी रह सकता है. पिछले साल की तुलना में इस बार ठंड अधिक महसूस होगी. हालांकि, 18 नवंबर से पूर्वी हवा चलने से न्यूनतम तापमान में 3-4 डिग्री सेल्सियस की बढ़ोतरी होने की उम्मीद है, जिससे अगले तीन-चार दिनों में ठंड से कुछ राहत मिल सकती है.

सुबह के समय हल्के से मध्यम कोहरे का पूर्वानुमान

मौसम केंद्र ने 18 से 20 नवंबर तक सुबह के समय हल्के से मध्यम कोहरे का पूर्वानुमान जताया है, जबकि दिन में मौसम साफ रहेगा. इस दौरान गढ़वा, पलामू, चतरा, लातेहार, लोहरदगा, गुमला और सिमडेगा में शीतलहर को लेकर येलो अलर्ट जारी किया गया है. पिछले 48 घंटों में खूंटी में न्यूनतम तापमान सबसे कम 7.5 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड हुआ. इसके अलावा हजारीबाग 7.9, लोहरदगा 8.3, डाल्टनगंज 8.5, चाईबासा 9, बोकारो 9.5 और रांची 9.7 डिग्री सेल्सियस तापमान दर्ज हुआ.

मौसम केंद्र ने ठंड से बचाव के उपायों पर जोर दिया है. सर्दी के दौरान ब्रेन स्ट्रोक और उच्च रक्तचाप का खतरा बढ़ सकता है. विशेषज्ञों ने सलाह दी है कि सुबह के समय धूप निकलने से पहले वॉकिंग न करें. ठंड से फ्लू और पेट संबंधी परेशानियाँ भी हो सकती हैं. गर्म कपड़े पहनना, संतुलित आहार, नियमित व्यायाम और विटामिन-सी युक्त फल और सब्जियों का सेवन करना जरूरी है. साथ ही रात के समय रूम हीटर का इस्तेमाल करते समय कमरे में वेंटिलेशन का ध्यान रखें.

कृषि मंत्री ने उद्यान निदेशालय का किया औचक निरीक्षण, अधिकारियों से मांगी विस्तृत रिपोर्ट

योजनाओं की सुस्ती पर जताई नाराजगी, कहा-शोकॉज ही समाधान नहीं; रचनात्मक सोच से बढ़ेगी योजनाओं की रफ्तार

शुभम संदेश। रांची

राज्य की कृषि, पशुपालन एवं सहकारिता मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की सोमवार को अचानक कृषि निदेशालय पहुंचीं, जहां उन्होंने उद्यान विभाग के अधिकारियों के साथ विस्तृत समीक्षा बैठक की. औचक निरीक्षण के दौरान मंत्री ने उद्यानिकी विभाग के अंतर्गत चल रही सभी योजनाओं की प्रगति रिपोर्ट मांगी, जिसके कारण उपस्थित अधिकारी तैयार जानकारी और डाटा न होने से स्पष्ट रूप से असहज दिखे. मंत्री के इस आकस्मिक दौरे का मुख्य उद्देश्य उद्यानिकी योजनाओं की वास्तविक स्थिति समझना और उनके क्रियान्वयन में आ रही बाधाओं की पहचान करना था.

बैठक के बाद मीडिया से बातचीत में कृषि मंत्री ने स्पष्ट कहा कि योजनाओं की सुस्ती पर केवल शोकॉज नोटिस देना ही समाधान नहीं है. उन्होंने कहा कि कई बार रचनात्मक सोच, ठोस कार्ययोजना और समयबद्ध क्रियान्वयन से योजनाओं की रफ्तार को बढ़ाया जा सकता है. मंत्री ने जोर देकर कहा कि विभागीय अधिकारियों को अब परिणाम आधारित काम करने की दिशा में गंभीर प्रयास करने होंगे ताकि योजनाओं का लाभ समय पर किसानों तक पहुंच सके.

मशरूम वितरण और मधुमक्खी पालन से जुड़ी योजनाएं प्रगति पर : समीक्षा बैठक में मंत्री ने उद्यान विभाग की सभी प्रमुख योजनाओं की जानकारी ली. अधिकारियों से पूछा गया कि धरातल पर योजनाओं को लागू करने में क्या बाधाएं आ रही हैं और उन्हें कैसे दूर किया जा सकता है. मंत्री ने स्पष्ट निर्देश दिया कि हर योजना का क्रियान्वयन निर्धारित समय सीमा के अंदर होना चाहिए. बैठक में जानकारी दी गई कि मशरूम वितरण और मधुमक्खी पालन से जुड़ी योजनाएं प्रगति पर हैं. उद्यान निदेशक माधवी मिश्रा, निदेशक विकास कुमार और अन्य विभागीय अधिकारी बैठक में मौजूद रहे.

कॉल सेंटर में किसान से बात कर मंत्री ने सुनी समस्या : औचक निरीक्षण के क्रम में कृषि मंत्री ने कृषि निदेशालय स्थित किसान कॉल सेंटर का भी दौरा किया. उन्होंने कॉल सेंटर की कार्यप्रणाली को समझने के लिए स्वयं किसानों को फोन कर उनसे विभागीय योजनाओं की जानकारी लेने की प्रक्रिया का अवलोकन किया. इस दौरान एक किसान से सीधे बात कर मंत्री ने उसकी समस्या सुनी और अधिकारियों से उसे प्राथमिकता में समाधान करने के निर्देश दिए. मंत्री ने कॉल सेंटर में कार्यरत ऑपरेटरों को विभाग की योजनाओं की अद्यतन जानकारी उपलब्ध कराने और उन्हें नियमित प्रशिक्षण देने पर विशेष जोर दिया. उन्होंने कहा कि कॉल सेंटर किसानों से संवाद का अहम माध्यम है, इसलिए ऑपरेटरों का प्रशिक्षित होना बेहद आवश्यक है. कृषि मंत्री ने राज्य के किसानों से अपील की कि वे अपनी कृषि संबंधी समस्याएं और सुझाव विभाग तक पहुंचाने के लिए टोल फ्री नंबर 1800-123-1136 पर कॉल करें और उपलब्ध योजनाओं का लाभ उठाएं.

पाकुड़ में माकपा नेत्री बृंदा करात ने केंद्र सरकार और कोल इंडिया पर साधा निशाना

कोयला कंपनियों पर लूट का आरोप लगाया, कहा- माकपा जल्द आंदोलन खड़ा करेगी

शुभम संदेश। पाकुड़

माकपा नेत्री बृंदा करात सोमवार को पाकुड़ पहुंचीं और बिहार विधानसभा चुनाव, चुनाव आयोग की भूमिका तथा झारखंड की मौजूदा राजनीतिक परिस्थितियों पर अपनी बात रखी. उन्होंने कहा कि बिहार चुनाव के दौरान मॉडल कोड ऑफ कंडक्ट का खुलेआम उल्लंघन हुआ, लेकिन चुनाव आयोग अपनी संवैधानिक जिम्मेदारी निभाने में विफल रहा.करात ने आरोप लगाया कि चुनाव से पहले 'एसआईआर' के नाम पर प्रचार जनता पर जिम्मेदारी डालने के उद्देश्य से किया गया और इसे मजदूरों के लिए अन्यायपूर्ण ठहराया. उन्होंने प्रधानमंत्री और भाजपा के कई नेताओं के विभाजनकारी भाषणों पर चुनाव आयोग की निष्क्रियता की भी आलोचना की. कोयला मुद्दों पर करात ने कहा कि कोल इंडिया अपनी जिम्मेदारियों से पीछे हट रही है और निजी कंपनियों को काम सौंपकर खुलेआम लूट की स्थिति पैदा कर रही है. उन्होंने ग्रामीणों के शोषण का आरोप लगाते हुए कहा कि माकपा जल्द ही कोल इंडिया के खिलाफ आंदोलन शुरू करेगी और सभी दलों और संगठनों से समर्थन की अपील की.करात ने बिहार में महिलाओं को मतदान से एक दिन पहले 10-10 हजार रुपये देने को आचार संहिता का गंभीर उल्लंघन बताया और चुनाव आयोग पर 'बीजेपी कमीशन' होने का आरोप लगाया. उन्होंने कहा कि जनता को सतर्क और सचेत रहने की आवश्यकता है.झारखंड की राजनीति पर बात करते हुए उन्होंने चेतावनी दी कि भाजपा यहां भी विभाजनकारी राजनीति कर सकती है और वैकल्पिक नीति बनाने के लिए झारखंड मुक्ति मोर्चा को सभी दलों के साथ बैठक करनी चाहिए.

पति की पिटाई से नाराज होकर नवविवाहिता ने कर ली खुदकुशी

मायकेवालों ने हत्या का आरोप लगाया, पुलिस जांच में जुटी

शुभम संदेश। पलामू

जिले के चैनपुर थाना क्षेत्र के सलतुआ बहेरा कला गांव में पति की पिटाई से नाराज होकर नवविवाहिता ने फंदे से लटकर खुदकुशी कर ली. घटना रविवार देर शाम की है. महिला की पहचान पूजा कुमारी (25) के रूप में हुई है. इधर, मायके पक्ष से चांदो निवासी भाई बिमलेश कुमार सिंह ने पति, सास, देवर और चाची पर हत्या का आरोप लगाया है. शव का पोस्टमार्टम एमएमसीएच में सोमवार को किया गया.जानकारी के अनुसार पूजा देवी का पति घर से बाहर था. लौटने पर पत्नी ने पूछा कि इतनी देर कहां थे. सवाल पूछने पर पति ने गुस्से में आकर उसकी हल्की पिटाई कर दी. पूजा ने नाराज होकर पहले गांव के कुएं में कूद कर खुदकुशी करने की कोशिश की, लेकिन उसे बचा लिया गया. हालांकि घर लाए जाने के बाद उसने कमरे में घुसकर फांसी लगा ली. किसी तरह दरवाजा खोलकर पूजा को फंदे से उतारा गया. तबतक उसकी मौत हो गयी थी.

सूचना मिलने पर चैनपुर पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए एमएमसीएच भेज दिया. एमएमसीएच पुलिस चौकी की सहायक अवर निरीक्षक पुष्पा डोडराय ने शव का पोस्टमार्टम कराकरर परिजनों को सौंप दिया गया है.

मृतका के भाई के अनुसार 6 महीने पहले पूजा की शादी अपने सामर्थ्य के अनुसार की थी, लेकिन उसे दहेज के लिए प्रताड़ित किया जाता था. उसने आरोप लगाया कि उसके बहन की दहेज नहीं मिलने के कारण पिटायी करके फंदे पर लटका कर हत्या कर दी गयी. भाई के अनुसार पूजा के पति का अवैध संबंध उसकी चाची के साथ है. इधर, पति हरेन्द्र ने बताया कि मामूली डांट फटकार के बाद पूजा ने फांसी लगा ली थी. उसने कहा कि पूजा का किसी के साथ प्रेम प्रसंग चल रहा था. उसके शरीर पर संबंधित प्रेमी का नाम भी लिखा हुआ है. उससे उसे कई बार प्रेमी से बातचीत करते हुए पकड़ा था. हरेन्द्र ने बताया कि उसकी पत्नी गुस्से में दो मोबाइल फोन तोड़ दिया था. बावजूद इसके उसकी हरकत में कोई सुधार नहीं हुआ.

हजारीबाग में चार साइबर अपराधी गिरफ्तार

इम्यूल अकाउंट के जरिए उड़ा रहे थे लाखों रुपये

शुभम संदेश। रांची

हजारीबाग पुलिस ने साइबर अपराध के बढ़ते मामलों पर बड़ी कार्रवाई करते हुए चार शातिर अपराधियों को गिरफ्तार किया है. ये आरोपी इम्यूल अकाउंट का उपयोग कर लोगों के बैंक खातों से रकम उड़ा रहे थे. पुलिस ने इनके कब्जे से छह सिम कार्ड, 19 अलग-अलग बैंकों के एटीएम और डेबिट कार्ड, दो चारपहिया वाहन और 1.5 लाख नकद बरामद किया है.जिले में साइबर अपराध लगातार बढ़ रहे हैं और अपराधी नए तरीकों से अनजान लोगों को जाल में फंसाकर उनके खातों का एक्सेस हासिल कर धोखाधड़ी कर रहे हैं. अनवांटेड लिंक पर क्लिक करवाकर मोबाइल हैक कर लिया जाता है और उसी के जरिए बैंक खातों व गूगल पे तक पहुंच बनाकर पैसे निकाल लिए जाते हैं.

एसपी अंजनी अंजन ने बताया कि गुप्त सूचना के आधार पर दो युवकों राजू और शिवा कुमार को डूमर सरौनी जंगल क्षेत्र से पकड़ा गया. इनके पास भारी मात्रा में एटीएम कार्ड और नकदी मिली. पूछताछ में इन्होंने खुलासा किया कि ये अलग-अलग लोगों से उनका बैंक खाता और एटीएम कार्ड लेकर साइबर अपराधियों द्वारा भेजे गए पैसे को निकालकर हिस्सा रखते थे और बाकी राशि आगे पहुंचाते थे. उनकी निशानदेही पर मोहम्मद जाकिर अंसारी और तस्लीम अंसारी को भी गिरफ्तार किया गया, जो पेशेवर साइबर अपराधी हैं.

एसपी ने चेतावनी दी कि कई लोग अनजाने में तो कुछ लोग लालच में आकर अपना खाता एक्सेस साइबर अपराधियों को दे देते हैं. ऐसा करना अपराध की श्रेणी में आता है. उन्होंने लोगों से सावधान रहने और किसी भी संदिग्ध या अनवांटेड लिंक पर क्लिक न करने की अपील की है, क्योंकि इससे मोबाइल हैक होकर बैंक खाते खाली हो सकते हैं.

भाजपा के राष्ट्रीय महामंत्री ने राज्य सरकार और इंडिया गठबंधन पर जमकर निशाना साधा

हेमंत सरकार के पास आत्मनिर्भर झारखंड बनाने का कोई विजन ही नहीं है: अरुण सिंह

शुभम संदेश। रांची

भाजपा के राष्ट्रीय महामंत्री और सांसद अरुण सिंह ने सोमवार को हेमंत सरकार और इंडिया गठबंधन पर जमकर निशाना साधा. सिंह झारखंड में आत्मनिर्भर भारत संकल्प अभियान की समीक्षा बैठक में शामिल होने आए थे. सिंह ने कहा कि आत्मनिर्भर भारत संकल्प अभियान 2047 तक विकसित भारत बनाने का अभियान है और यह तेजी से आगे बढ़ रहा है. वहीं, झारखंड की हेमंत सरकार केवल 2050 तक विकसित झारखंड बनाने की बात कर रही है, लेकिन वर्तमान दिशा राज्य को विकास से दूर ले जा रही है. उन्होंने कहा कि पिछले छह वर्षों में हेमंत सरकार ने विकास का कोई नया विजन नहीं दिया. उनके अनुसार, यहां केवल लूट-खसोट और भ्रष्टाचार का तांडव देखा जा रहा है. वे प्रदेश भाजपा कार्यालय में मीडिया से बात कर रहे थे. मौके पर प्रदेश उपाध्यक्ष विकास प्रीतम और मीडिया प्रभारी शिवपूजन पाठक भी उपस्थित थे.

सिंह ने आरोप लगाया कि स्कूलों में शिक्षक नहीं हैं, अस्पतालों में दवाइयां नहीं हैं, बच्चों को संक्रमित खून दिया जा रहा है और डीएमएफटी फंड की लूट हो रही है. बोकारो में घोटाले उजागर हुए हैं और जनता के विकास के लिए आवंटित फंड सही दिशा में खर्च नहीं हो रहा. उन्होंने कहा कि सड़कें भी गड्ढों से भरी हुई हैं, जिन्हें सरकार भर नहीं पा रही.

भाजपा नेता ने कहा कि झारखंड में जो विकास और बुनियादी सुविधाएं दिख रही हैं, वे मोदी सरकार की देन हैं. उन्होंने कहा कि यूपीए शासन के समय भारत का बुनियादी ढांचे का बजट 2.5 लाख करोड़ था, जबकि मोदी सरकार में यह साढ़े बारह लाख करोड़ तक पहुंच गया है. झारखंड में भारत माला परियोजना के लिए 35,000 करोड़ रुपए का बजट आवंटित किए गए हैं.

सिंह ने बिहार विधानसभा चुनाव में एनडीए की प्रचंड जीत का जिक्र करते हुए कहा कि यह मोदी की गारंटी और नीतीश के सुशासन की जीत है. उन्होंने आरोप लगाया कि इंडिपेंडेंट गठबंधन मुद्दों और विकास की राजनीति नहीं कर रहा, इसीलिए जनता इसे नकार रही है.कांग्रेस अध्यक्ष राहुल गांधी पर निशाना साधते हुए उन्होंने कहा कि वे फ्रस्ट्रेटेड नेता हैं और विदेशों में जाकर भारत को गाली देते हैं. उन्होंने कहा कि जनता बार-बार कांग्रेस और राहुल गांधी को नकार रही है. सिंह ने झामुमो और कांग्रेस के संबंधों पर भी टिप्पणी की. उन्होंने कहा कि बिहार में झामुमो को कांग्रेस का कोई समर्थन नहीं मिला, जबकि झारखंड में कांग्रेस सत्ता सुख भोग रही है. घाटशिला उपचुनाव के परिणाम पर उन्होंने कहा कि झामुमो की जीत सहानुभूति और सत्ता के दुरुपयोग की वजह से मिली, उनके परफॉर्मेंस की वजह से नहीं.

कांग्रेस प्रभारी राजू ने नेताओं को दिया एसआईआर के दौरान सतर्क रहने का निर्देश

झारखंड में बूथ स्तर पर बीएलए नियुक्ति, मतदाता सूची सत्यापन को लेकर सांसद, विधायक और मंत्री करें सक्रिय सहयोग

शुभम संदेश. रांची

झारखंड कांग्रेस ने आगामी एसआईआर प्रक्रिया को लेकर सख्त तैयारी शुरू कर दी है. राज्य कांग्रेस अध्यक्ष केशव महतो कमलेश की अध्यक्षता में सोमवार कोकांग्रेस भवन, रांची में आयोजित बैठक में सांसद, विधायक, मंत्री और पूर्व प्रत्याशी शामिल हुए. बैठक के मुख्य अतिथि झारखंड प्रभारी के राजू ने नेताओं को सतर्क और चौकन्ना रहने का निर्देश दिया. राजू ने कहा कि झारखंड में एसआईआर प्रक्रिया अत्यंत संवेदनशील है और इसे लेकर संगठन को पूरी सावधानी बरतनी होगी. उन्होंने बिहार में 56 लाख मतदाताओं के नाम मतदाता सूची से हटाए जाने का उदाहरण देते हुए कहा कि झारखंड में ऐसा न हो, इसके लिए प्रत्येक बूथ स्तर पर मजबूत व्यवस्था सुनिश्चित करनी होगी. राजू ने स्पष्ट किया कि 15 दिसंबर तक हर बूथ पर बीएलए की नियुक्ति जिला कांग्रेस अध्यक्ष सुनिश्चित करेंगे और इसमें सांसद, मंत्री, विधायक और पूर्व प्रत्याशी सक्रिय रूप से सहयोग देंगे.

प्रदेश अध्यक्ष केशव महतो कमलेश ने कहा कि झारखंड के प्राकृतिक संसाधनों के कारण भाजपा इस राज्य पर विशेष ध्यान दे रही है और सत्ता हासिल करने के लिए हर संभव हथकंडा अपनाने को तैयार है. उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा, चुनाव आयोग का दुरुपयोग करते हुए, मतदाता सूची से आम लोगों के नाम कटवाने का सुनियोजित प्रयास कर रही है ताकि आगामी चुनाव में इसका लाभ उठाया जा सके.

कांग्रेस नेतृत्व ने जनता तक एसआईआर प्रक्रिया की जानकारी पहुंचाने पर जोर दिया. महतो ने कहा कि प्रत्येक सांसद, विधायक, मंत्री और पूर्व प्रत्याशी अपने क्षेत्रों के बूथों पर बीएलए की नियुक्ति करेंगे और मतदाता सूची सत्यापन प्रक्रिया को तुरंत शुरू करेंगे. उन्होंने बताया कि लोगों को प्रक्रिया के हर बिंदु की जानकारी समय पर दी जाएगी, ताकि वे जागरूक होकर अपने नाम मतदाता सूची में सुनिश्चित करा सकें.

बैठक में सह-प्रभारी डॉ. सीरीबेला प्रसाद, भूपेंद्र मारावी, उप नेता राजेश कचछप, मंत्री राधा कृष्ण किशोर, दीपिका पांडे, इरफान अंसारी, शिल्पी नेहा तिर्की, सांसद कालीचरण मुंडा, विधायक रामेश्वर उरांव, रामचंद्र सिंह, भूषण बाड़ा, निशात आलम, ममता देवी, सोनाराम सिंह सिंकू, पूर्व मंत्री बन्ना गुप्ता, जलेश्वर महतो, जेपी पटेल, अजय नाथ शाहदेव, मुन्ना सिंह, सुधीर चंद्रवंशी, अरुण साहू सहित कई वरिष्ठ नेता उपस्थित रहे. प्रदेश कांग्रेस महासचिव सतीश पौल मुंजनी ने बताया कि नेताओं को निर्देश दिए गए हैं कि वे बूथ स्तर पर बीएलए नियुक्त कर एसआईआर के प्रति जनता को जागरूक करेंगे और मतदाता सूची में किसी प्रकार की अनियमितता नहीं होने देंगे.

दुबई एयर शो में इंडिया पैवेलियन का उद्घाटन

रांची। दुबई एयर शो 2025 में इंडिया पैवेलियन का शुभारंभ केंद्रीय रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ ने किया. इस पैवेलियन में भारत की रक्षा उत्पादन क्षमता, एयरोस्पेस प्रौद्योगिकियों और स्वदेशी नवाचारों का प्रभावशाली प्रदर्शन किया गया, जो वैश्विक मंच पर देश की बढ़ती शक्ति को दर्शाता है. इस अवसर पर केंद्रीय मंत्री ने यूएई के रक्षा मामलों के राज्यमंत्री मोहम्मद मुबारक अल मजरूई के साथ द्विपक्षीय बैठक भी की. बैठक में दोनों देशों ने अपने रक्षा संबंधों को और अधिक मजबूत करने पर सहमति जताई. विशेष रूप से, संस्थागत तंत्रों को सुदृढ़ करने, रक्षा प्रदर्शनियों में भागीदारी बढ़ाने और प्रशिक्षण सहयोग को विस्तार देने पर जोर दिया गया.

सऊदी बस दुर्घटना में 42 भारतीय उमरह जायरीन की मौत पर अल्पसंख्यक आयोग के अध्यक्ष ने शोक जताया

रांची। सऊदी अरब में हुई भयावह बस दुर्घटना में 42 भारतीय उमरह ज़ाइरीन (तीर्थयात्रियों) की मौत की खबर से पूरा देश शोक में डूब गया है. झारखंड राज्य अल्पसंख्यक आयोग के अध्यक्ष हिदायतुल्लाह खान ने इस दिल दहला देने वाली घटना पर गहरा दुख व्यक्त किया है. उन्होंने कहा कि तीर्थयात्रियों की असामयिक मृत्यु अत्यंत दर्दनाक है और इस कठिन घड़ी में उनके परिजनों के प्रति संवेदना व्यक्त की. उन्होंने घायलों के जल्द स्वस्थ होने की दुआ भी की. हिदायतुल्लाह खान ने भारत सरकार से आग्रह किया कि प्रभावित परिवारों को हर संभव सहायता उपलब्ध कराई जाए. उन्होंने यह भी मांग की कि प्रत्येक मृतक तीर्थयात्री के परिवार से दो सदस्यों को सऊदी अरब भेजने की व्यवस्था की जाए, क्योंकि कई शव पूरी तरह जल चुके हैं और पहचान मुश्किल है. ऐसे में परिजन पहचान प्रक्रिया, जनाजे की नमाज़ और दफन में शामिल हो सकें.उन्होंने यह भी सुझाव दिया कि भारत सरकार सऊदी अरब के कानून के अनुसार मिलने वाले मुआवजे की प्रक्रिया शुरू करे और राष्ट्रीय अल्पसंख्यक आयोग से केंद्र सरकार के साथ समन्वय कर पीड़ित परिवारों की मदद करने की अपील की. उन्होंने ईश्वर से मृतकों की मगफिरत और परिजनों को धैर्य प्रदान करने की प्रार्थना की.

शराब घोटाला: एसीबी ने रामगढ़ के उपायुक्त फैज अकरम को किया तलब

रांची। झारखंड शराब घोटाले मामले में एसीबी की जांच तेज होती जा रही है. इस मामले में एसीबी ने तत्कालीन उत्पाद आयुक्त और वर्तमान में रामगढ़ के उपायुक्त पद पर तैनात फैज अकरम को सोमवार को पूछताछ के लिए तलब किया है. एसीबी ने उन्हें नोटिस भेजकर पूछताछ में शामिल होने को कहा है. इससे पहले एसीबी ने इस मामले में आईएएस मुकेश कुमार और मनोज कुमार से भी पूछताछ कर चुकी है. जांच अधिकारी अब मामले की गहनता से समीक्षा कर रहे हैं और अन्य अधिकारियों के भी बयान दर्ज करने की तैयारी कर रहे हैं.

प्रदेश भाजपा मुख्यालय में स्वदेशी संकल्प अभियान की प्रदेश स्तरीय बैठक संपन्न

भारत की जनता ने ठान लिया है, आत्मनिर्भर भारत, विकसित भारत बनायेंगे: अरुण सिंह

शुभम संदेश। रांची

भाजपा प्रदेश कार्यालय में सोमवार को स्वदेशी संकल्प अभियान की प्रदेश स्तरीय बैठक संपन्न हुई. बैठक की अध्यक्षता प्रदेश अध्यक्ष सह नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी ने की, जबकि संचालन प्रदेश महामंत्री मनोज सिंह ने. बैठक में अभियान की प्रदेश टोली,जिलाध्यक्ष,जिला टोली ,प्रदेश मोर्चा अध्यक्ष,प्रकोष्ठ संयोजक शामिल हुए.बतौर मुख्य अतिथि राष्ट्रीय महामंत्री सांसद और अभियान के राष्ट्रीय संयोजक अरुण सिंह ने संबोधित किया.सिंह ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कुशल नेतृत्व में भारत तेजी से विकास के पथ पर आगे बढ़ रहा है. कहा कि भारत की बुनियादी सुविधाओं में तीव्र विकास हो रहा. गांव गरीब किसान विकास की मुख्यधारा से जुड़े हैं. एक नए भारत का उदय हुआ है.

सिंह ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आजादी के 100 वीं वर्षगांठ 2047 में विकसित भारत बनाने का संकल्प लिया है. और इस दिशा में कार्य हो रहे हैं. आज भारत विश्व की चौथी अर्थव्यवस्था बन गया है, जो अगले दो वर्षों में तीसरी बन जाएगा.विकसित भारत का संकल्प स्वदेशी अभियान से ही मजबूत होता है.देश की जनता भारत को आत्मनिर्भर भारत बनाने को ठान चुकी है. उन्होंने जनता के स्वदेशी आंदोलन को मजबूती प्रदान करने का आह्वान किया.

प्रदेश अध्यक्ष सह नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी ने कहा कि आत्मनिर्भर भारत संकल्प को पूरा करके विकसित भारत का संकल्प पूरा होगा. झारखंड में स्वदेशी उत्पाद को बढ़ावा देकर विकसित झारखंड के साथ विकसित भारत आंदोलन को बल मिलेगा. पिछले एक-दो महीनों में जो त्योहारों में खरीदारी हुई है, उससे स्वदेशी आंदोलन को ताकत मिली है.प्रदेश संगठन महामंत्री कर्मवीर सिंह ने कहा कि हर घर स्वदेशी, घर-घर स्वदेशी एक मंत्र है जिसे हमें अभियान के माध्यम से घर घर पहुंचाना है.उन्होंने अभियान के तहत संकल्प पत्र भरवाने,संकल्प सभा आयोजित करने,स्वदेशी सेमिनार,स्वदेशी मेला, प्रोफेशनल सम्मेलन करने,दीवार लेखन,स्टीकर लगाने जैसे कार्यों को धरातल पर उतारने का निर्देश दिया.

अभियान के राष्ट्रीय सह संयोजक और प्रदेश महामंत्री सांसद प्रदीप वर्मा ने कहा कि स्वदेशी संकल्प अभियान भारत की आर्थिक आजादी का अभियान है. विकसित भारत, आत्म निर्भर भारत के साथ भारत को नंबर एक की अर्थव्यवस्था का देश भी बनाना है.

किसने क्या कहा

- स्वदेशी अभियान से पूरा होगा आत्मनिर्भर भारत संकल्प : बाबूलाल मरांडी
- हर घर स्वदेशी, घर-घर स्वदेशी को जन जन का मंत्र बनाएं : कर्मवीर सिंह
- स्वदेशी अभियान भारत की आर्थिक आजादी का अभियान : प्रदीप वर्मा

भाजपा के आरोप निराधार, झारखंड की तेजी से हो रही प्रगति से घबरा गई है : विनोद

शुभम संदेश। रांची

झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) के केंद्रीय महासचिव विनोद पांडेय ने भाजपा के राष्ट्रीय महामंत्री अरुण सिंह के आरोपों को झारखंड की बदली हुई ज़मीनी सच्चाई और हेमंत सोरेन सरकार की बढ़ती लोकप्रियता से उपजी बेचैनी बताया है. उन्होंने कहा कि झारखंड पर शासन के अपने डेढ़ दशक में भाजपा ने राज्य को बदहाली में छोड़ दिया था और आज जब राज्य विकास की राह पर आगे बढ़ रहा है, तब भाजपा तथ्यहीन आरोपों का सहारा ले रही है.

विनोद पांडेय ने कहा कि भाजपा नेताओं को हेमंत सरकार की उपलब्धियां दिखाई ही नहीं देंगी, क्योंकि उनकी राजनीति आदिवासी, मूलवासी और गरीब हितों के विपरीत है. उन्होंने सवाल उठाया कि क्या भाजपा शासन में आदिवासी–मूलवासी समाज को शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार और जल–जंगल–जमीन पर अधिकार मिला? क्या अधूरे पुल, रुकी सड़कें और बंद पड़ी फैक्टरियां जनता की आंखों से ओझल थीं? हेमंत सरकार ने पांच साल में जितना काम किया, भाजपा डेढ़ दशक में भी नहीं कर सकी.

केंद्र का सहयोग राज्य का अधिकार, उपकार नहीं_पांडेय ने कहा कि केंद्र सरकार द्वारा दिए गए बजट को 'मोदी की देन' बताना संघी मानसिकता है.

"झारखंड भी देश को कर, खनिज व ऊर्जा देता है. केंद्र का सहयोग राज्य का संवैधानिक अधिकार है, उपकार नहीं. भाजपा नेता कोयला रॉयल्टी के 1.36 लाख करोड़, 1932 खातियान, सरना धर्म कोड और पिछड़ों के आरक्षण पर चुप क्यों हैं?"

घाटशिला उपचुनाव पर भाजपा के बयान पर तंज

उन्होंने कहा कि घाटशिला उपचुनाव में मिली हार को भाजपा सहन नहीं कर पा रही है.

"घाटशिला की जनता ने विकास और भरोसे पर झामुमो को चुना. इसे भाजपा सहानुभूति की जीत बताकर जनता का अपमान कर रही है." अंत में पांडेय ने कहा कि भाजपा झूठ बोलते–बोलते थक चुकी है, लेकिन झारखंड की जनता हेमंत सरकार पर भरोसा करती है. अरुण सिंह के बयान केवल भाजपा की बौखलाहट और हताशा को दर्शाते हैं.

भ्रष्टाचार पर भाजपा का बोलना शोभा नहीं देता

पांडेय ने कहा कि भ्रष्टाचार का आरोप लगाना भाजपा को शोभा नहीं देता. ईडी राज, नोटबंदी और सरकारी संपत्तियों की बिक्री जैसे फैसलों से भ्रष्टाचार का नया तंत्र खड़ा करने वाली भाजपा दूसरों पर उंगली उठाने से पहले खुद पर नजर डाले. हेमंत सरकार ने पारदर्शिता और निरीक्षण को मजबूत किया है.

शिक्षा–स्वास्थ्य पर भाजपा के बयान हास्यास्पद

उन्होंने कहा कि शिक्षक नियुक्ति, स्कूलों का नवीनीकरण, 400 से अधिक उच्च विद्यालयों का उन्नयन और जिलों में सुपर स्पेशियलिटी स्वास्थ्य सुविधाएं हेमंत सरकार की उपलब्धियां हैं. भाजपा नेताओं को एक आदिवासी नेता की उपलब्धियाँ स्वीकार ही नहीं होतीं, यह उनकी सोच का हिस्सा है," उन्होंने टिप्पणी की.

धुर्वा डैम हादसा

चौथे पुलिसकर्मी का भी शव बरामद

रांची। रांची के धुर्वा डैम में हुए दर्दनाक हादसे में लापता चौथे पुलिसकर्मी का शव सोमवार सुबह बरामद कर लिया गया. मृतक की पहचान पुलिसकर्मी सत्येंद्र सिंह के रूप में हुई है. इससे पहले इसी हादसे में डूबे तीन अन्य पुलिसकर्मियों के शव भी डैम से निकाले जा चुके थे. शव को बाहर निकालकर पोस्टमार्टम के लिए रिम्स भेजा गया.प्रारंभिक जानकारी के मुताबिक, पुलिसकर्मी किसी प्रशिक्षण या निजी तौर पर डैम के किनारे गए थे, तभी यह हादसा हुआ. बताया जा रहा है कि एक पुलिसकर्मी पानी में उतरने के दौरान अचानक गहरे हिस्से में चला गया और उसे बचाने की कोशिश में बाकी तीन भी डूब गए. हालांकि घटना की आधिकारिक पुष्टि और विस्तृत जांच जारी है. हादसे के तुरंत बाद ही प्रशासन ने रेस्क्यू अभियान शुरू कर दिया था.

लाह उत्पादन बढ़ाने के लिए गांव-पंचायत स्तर पर कलस्टर विकसित करने की जरूरत : शिल्पी

शुभम संदेश। रांची

झारखंड की राजधानी रांची के नामकुम में भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद और राष्ट्रीय कृषि उच्चतर प्रसंस्करण संस्थान में आयोजित सात दिवसीय मास्टर ट्रेनर्स प्रशिक्षण कार्यक्रम सोमवार को सफलतापूर्वक समापन हुआ. समापन समारोह में राज्य की कृषि, पशुपालन एवं सहकारिता मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थीं. कृषि मंत्री ने इस अवसर पर लाह उत्पादन बढ़ाने और इसके लिए गांव-पंचायत स्तर पर कलस्टर विकसित करने की आवश्यकता पर जोर दिया. उन्होंने कहा कि लाह की मांग अब केवल देश तक सीमित नहीं है, बल्कि विदेशों में भी इसके प्रति रुचि तेजी से बढ़ रही है. बेहतर गुणवत्ता वाला लाह उत्पाद किसानों को अधिक लाभ और उच्च बाजार मूल्य दिला सकता है.

मंत्री ने यह भी कहा कि लाह उत्पादन से पहले ही कई किसानों के जीवन में बदलाव आ चुका है और मास्टर ट्रेनर्स के इस प्रशिक्षण से और अधिक किसानों को इसका लाभ मिलेगा. झारखंड में किसानों के सहयोग से एक मजबूत इकोसिस्टम तैयार करना सरकार की प्राथमिकता है, जबकि सरकार फिलहाल सहयोग की भूमिका निभा रही है.उन्होंने यह स्पष्ट किया कि झारखंड में लाह की खेती कोई नई बात नहीं है, यह पारंपरिक रूप से यहां के किसानों से जुड़ी रही है. प्रशिक्षण और आधुनिक तकनीक उपलब्ध कराने के लिए राज्य सरकार व्यापक कदम उठा रही है. समापन समारोह में सिद्धको फेड की पहल पर सरायकेला-खरसावां और चाईबासा जिलों के 200 किसानों को लाह की खेती में मास्टर ट्रेनिंग प्रदान की गई और उन्हें प्रमाण पत्र वितरित किए गए.

झामुमो की महानगर संयोजक मंडली का विस्तार

रांची। झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) के केंद्रीय समिति के निर्देशानुसार रांची महानगर संयोजक मंडली का विस्तार किया गया है. नए आदेश में कुल 32 सदस्य शामिल किए गए हैं. इसके संबंध में अधिसूचना जारी कर दी गई है. जारी अधिसूचना के अनुसार संशोधित रांची महानगर संयोजक मंडली में प्रमुख सदस्य हैं- अश्विनी शर्मा, पवन जेडिया, डॉ. हेमलाल मेहता "हेमू", नयनतारा उरॉव, फरीद खान, विरू तिर्की, रोशन कुमार, अफरोज अंसारी, मनिन्दर सिंह, रामशरण तिर्की, प्रदीप मिर्धा, मधु तिर्की, विक्रम सिंह, रतिश द्विवेदी, अरुण वर्मा, आशुतोष कुमार "सोनु", अंकिता वर्मा, विजय महतो, शमशाद मल्लीक, सुष्मा वरदेवा, कुलदीप कुमार, अनुप सिंह, जितेन्द्र गुप्ता, मो. साजिद, विश्वजीत गोप, वीरू साहु, विक्की यादव, आशुतोष गोस्वामी, संध्या गुड़ीया, आरीज अंसारी गद्दी (पप्पू).

सद्गुरुकृपा अपना घर आश्रम में मंदबुद्धि निराश्रितों की हुई स्वास्थ्य जांच

प्रसिद्ध न्यूरो सर्जन डॉ. एचपी नारायण बोले- 'नर सेवा ही नारायण सेवा'

शुभम संदेश। रांची

एमआरएस श्री कृष्ण प्रणामी सेवाधाम ट्रस्ट की शाखा श्री कृष्ण प्रणामी मंगल राधिका सदानंद सेवाधाम दिव्यांग आश्रम, पुंदाग में परमहंस स्वामी सदानंद महाराज के सानिध्य में सोमवार को सद्गुरुकृपा अपना घर आश्रम में रह रहे 42 मंदबुद्धि दिव्यांग निराश्रितों एवं सभी सेवादार साथियों की पूर्ण स्वास्थ्य जांच की गयी. शहर के प्रसिद्ध न्यूरो सर्जन डॉ एचपी नारायण ने सभी लाभार्थियों की संपूर्ण जांच की और आवश्यकतानुसार अपनी ओर से निःशुल्क दवाइएं भी दीं.

डॉ. नारायण ने उपस्थित जनों को स्वास्थ्य संरक्षण, स्वच्छता और रोगों से बचाव संबंधी महत्वपूर्ण जानकारी दी. उन्होंने आश्रम में चल रही सेवाओं की सराहना करते हुए कहा कि नर सेवा ही नारायण सेवा है. साथ ही उन्होंने यह भी आश्वासन दिया कि वे प्रत्येक माह एक से दो बार आश्रम आकर सभी का स्वास्थ्य परीक्षण जारी रखेंगे. जांच के दौरान ट्रस्ट के अध्यक्ष डूंगरमल अग्रवाल, उपाध्यक्ष राजेंद्र प्रसाद अग्रवाल, निर्मल जालान, पूरणमल सर्राफ, शिव भगवान अग्रवाल, मधुसूदन जाजोदिया, सुरेश अग्रवाल एवं संजय सर्राफ ने विशेष सहयोग दिया. डॉ. नारायण ने आश्रम की स्वच्छता व्यवस्था की भी प्रशंसा की.

आश्रम के प्रवक्ता संजय सर्राफ और उपाध्यक्ष राजेंद्र प्रसाद अग्रवाल ने बताया कि परम पूज्य गुरुजी स्वामी सदानंद जी महाराज के मार्गदर्शन में झारखंड का प्रथम पीड़ित मानव सेवा का पावन तीर्थ स्थापित किया गया है. यहां उन पुरुषों को सुरक्षित और सम्मानजनक जीवन उपलब्ध कराया जा रहा है, जो अपने परिजनों से बिछड़ गए हों या अस्पतालों, सड़कों, बस-स्टैंड व रेलवे स्टेशनों के आसपास असहाय अवस्था में पाए जाते हैं.वर्तमान में आश्रम में 42 मंदबुद्धि दिव्यांग निराश्रित प्रभुजी की सेवा की जा रही है.

पीस रोड,लालपुर के गुजराती पटेल भवन में पांचवें दिन भी जारी रहा अखंड श्री हनुमान चालीसा पाठ, युवा से लेकर बुजुर्गों तक में पाठ को लेकर उत्साह

भगवान श्रीराम का जन्मोत्सव मना, जय श्रीराम के जयकारे से गुंजायमान हुआ आयोजन स्थल

शुभम संदेश। रांची

लालपुर पीस रोड स्थित गुजराती पटेल भवन में गुरुवार से शुरू हुआ अखंड सवा लाख हनुमान चालीसा पाठ सोमवार को पांचवें दिन भी जारी रहा. प्रातःकालीन आरती के मुख्य यजमान अनिल कुमार अग्रवाल, उनकी पत्नी शोभा अग्रवाल के साथ ही सलज व पिंकी अग्रवाल और अमन व तमन्ना पोद्दार ने विधि-विधान से पूजन-अर्चना कर पाठ का शुभारंभ किया. इसके बाद दिन भर श्रीहनुमान चालीसा पाठ के लिए श्रद्धालुओं का तांता लगा रहा. बच्चे, युवा से लेकर बुजुर्गों तक में पाठ करने को लेकर उत्साह बना रहा.

शाम को पीस रोड लालपुर के गुजराती पटेल भवन में अयोध्याधाम से पधारे गुरुवर दिलीप दास 'त्यागी' ने मर्यादा पुरुषोत्तम श्रीराम की कथा सुनायी. कथा के दौरान उन्होने मर्यादा पुरुषोत्तम श्री राम के जन्मोत्सव का प्रसंग सुनाया. भजन के साथ श्रीराम के जन्म का प्रसंग सुन कर श्रद्धालु भाव विभोर हो गए. इसके बाद भगवान का जन्मोत्सव केक काट कर मनाया गया. केक कटिंग के साथ ही जय श्रीराम के जयकारे से गुंजायमान हुआ आयोजन स्थल. गुरुवर दिलीप दास त्यागी ने मर्यादा पुरुषोत्तम श्रीराम की कथा करते हुए उनके जीवन आदर्शों पर अत्यंत दिव्य और भावपूर्ण प्रवचन दिया, जिसे उपस्थित श्रद्धालुओं ने मनोयोग से सुना. भजन, कीर्तन के साथ भगवान श्री राम की कथा सुनने के लिए हर शाम आयोजन स्थल पर भक्तों की भीड़ उमड़ रही है.

उधर आयोजन स्थल गुजराती पटेल भवन में के पहले तल्ले पर भंडारा सह प्रसाद की व्यवस्था की गयी है. पाठ करने के बाद श्रद्धालुओं के लिए भंडारे का प्रसाद ग्रहण करने की व्यवस्था की गयी है. पांचवें दिन दिन के भंडारे के लिए सारी व्यवस्था संजीव व स्नेहा कुमारी, श्रीश्याम प्रेमी परिवार व राजेश जलान की ओर से की गयी. वही बालाजी महाराज के सवामनी भोग प्रसाद की व्यवस्था भी एक भक्त की ओर से की गयी.

उधर श्री नरसिंह बांध बालाजी धाम रांची शाखा के अनिल अग्रवाल, राजेश लड्ढा, पवन अग्रवाल, संदीप गोयल, अंकित अग्रवाल, विनोद कुमार पांडेय, शीतल प्रसाद पांडेय सहित अन्य सदस्य सपरिवार आयोजन को सफल में तन, मन, धन से दिन-रात जुटे हैं. दिन भर श्रद्धालु श्री नरसिंह बांध बालाजी धाम, बर्नपुर आसनसोल से पधारे संतोष भाई जी आशीर्वाद प्राप्त करने के साथ रोजी-रोजगार सहित अन्य समस्याओं के समाधान के लिए उनका मार्गदर्शन प्राप्त कर रहे हैं.

श्रद्धदालुओं का कहना है कि संतोष भाई जी के मार्गदर्शन से उनमें उत्साह व नयी ऊर्जा का संचार होता है. गुरुवर संतोष भाई जी सभी भक्तों को ज्यादा से ज्यादा से श्री हनुमान चालीसा का पाठ करने को प्रेरित करते हैं. उनका कहना है कि हनुमान जी कृपा से सभी भक्तों के बिगड़े काम बनते हैं, बस हुनमान जी महाराज की सच्चे मन से आराधना करनी है. श्री हनुमान चालीसा का पाठ शांत और एकाग्रचित्त होकर करना है.

श्याम प्रेमी परिवार के अध्यक्ष ने गुरुवर को शॉल भेंट कर आशीर्वाद लिया: श्री रामकथा वाचक गुरुवर दिलीप महाराज के साथ ही गुरुजी संतोष भाईजी को रांची के श्याम प्रेमी परिवार के अध्यक्ष पवन गोयनका ने शाल भेंट कर सम्मानित किया और उनका आशीर्वाद लिया. इससे पहले श्रीरामकथा के यजमान अशोक धानुका ने विधिवत पूजा-अर्चना कर गुरुवर का दिलीप महाराज का आशीर्वाद लिया.

नेपाल रवानी की जयंती पर सुधारों को याद किया

पलामू। जिले में झारखंड मुक्ति मोर्चा के जिला सचिव तथा अखिल भारतवर्षीय चंद्रवंशी क्षत्रिय महासभा के कार्यकारी जिला अध्यक्ष अधिवक्ता रंजन चंद्रवंशी के नेतृत्व में रविवार को नेपाल रवानी की जयंती मनाई गई. मेदिनीनगर स्थित महासभा के जिला कार्यालय में आयोजित कार्यक्रम में वक्ताओं ने कहा कि 16 नवंबर को जन्मे नेपाल रवानी समाज सुधारक थे, जिन्होंने बाल विवाह, बहु विवाह, दहेज प्रथा, जुआ, शराबखोरी और अंधविश्वास के खिलाफ निरंतर संघर्ष किया. वक्ताओं ने बताया कि 1990 में राजनीतिक साजिश के तहत उनकी गोली मारकर हत्या कर दी गई.

68 वाहनों का चालान, 72 हजार रुपए की हुई राजस्व वसूली

डीसी के निर्देश पर लातेहार में ऑनलाइन वाहन चालान अभियान

शुभम संदेश । लातेहार

सोमवार को जिले में ऑनलाइन वाहन चालान अभियान के तहत कुल 68 वाहनों का चालान काटा गया, जिसमें 58 दोपहिया वाहन शामिल थे. इसके अतिरिक्त, दो वाहन नो पार्किंग जोन में खड़े होने पर चालान कटे. इस अभियान के दौरान कुल 72 हजार रुपए का राजस्व वसूली की गई.

जिला परिवहन पदाधिकारी उमेश मंडल खुद कंट्रोल रूम में बैठकर सीसीटीवी मॉनिटरिंग कर रहे थे. उन्होंने बताया कि सड़क दुर्घटनाओं में जान-माल की हानि को कम करने के लिए उपायुक्त उत्कर्ष गुप्ता के निर्देश पर जिले में सघन वाहन जांच अभियान चलाया जा रहा है. अभियान के दौरान जिले के विभिन्न प्रखंड मुख्यालयों में लगे सीसीटीवी कैमरों के माध्यम से वाहन चालकों का ऑनलाइन चालान काटा जा रहा है. डीटीओ उमेश मंडल ने वाहन चालकों से दोपहिया पर हेलमेट पहनने और कार में सीट बेल्ट लगाने की विशेष अपील की. उन्होंने कहा कि वाहन के आवश्यक कागजात और ड्राइविंग लाइसेंस सही स्थिति में रखना अनिवार्य है. कागजात न होने की स्थिति में किसी भी दुर्घटना के समय बीमा क्षतिपूर्ति में समस्या हो सकती है. इसके अलावा, उन्होंने अभिभावकों से कहा कि वे अपने नाबालिग बच्चों को वाहन चलाने की अनुमति न दें. यदि ऐसा पाया जाता है, तो अभिभावकों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाएगी. डीटीओ ने यह भी स्पष्ट किया कि चालान केवल नियमों का पालन सुनिश्चित करने और सड़क सुरक्षा बढ़ाने के उद्देश्य से काटे जा रहे हैं.

जिले में इस अभियान के दौरान यातायात नियमों का पालन कराने, दुर्घटनाओं को रोकने और जनता में जागरूकता बढ़ाने पर विशेष जोर दिया गया. नागरिकों से अपील की गई कि वे वाहन चलाते समय सुरक्षा नियमों का पालन करें और अपने साथ सभी आवश्यक दस्तावेज रखें. यह अभियान जिले में सड़क सुरक्षा के प्रति प्रशासन की सक्रिय भूमिका और तकनीकी माध्यमों का उपयोग कर वाहन नियमों के पालन को सुनिश्चित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है.

लातेहार में अतिक्रमण और यातायात उल्लंघन पर कार्रवाई

शुभम संदेश । लातेहार

बुधवार को लातेहार जिला मुख्यालय में परिवहन विभाग और नगर पंचायत की संयुक्त टीम ने अतिक्रमण और यातायात उल्लंघन के खिलाफ जोरदार अभियान चलाया. अभियान के दौरान शहर के निर्धारित बस स्टॉपेज के अलावा अन्यत्र बस चलाने वाले चालकों और वाहन मालिकों पर सख्त कार्रवाई की गई. कई बस संचालकों को जुर्माना भरना पड़ा. वहीं, सीसीटीवी की निगरानी के तहत यातायात नियमों का उल्लंघन करने वाले, विशेषकर बिना हेलमेट दोपहिया वाहन चलाने वालों के खिलाफ भी त्वरित कार्रवाई की गई. अब तक 50 से अधिक बिना हेलमेट वाहन चालकों के चालान काटे जा चुके हैं और यह अभियान लगातार जारी है.

नगर पंचायत ने सड़क पर अवैध रूप से फैली दुकानों पर भी सख्ती दिखाते हुए अतिक्रमण हटाने के निर्देश दिए. नगर प्रशासक राजीव रंजन ने स्वयं सड़क पर उतरकर समाहरणालय गेट से लेकर कोर्ट गेट तक अतिक्रमण की जांच की. उन्होंने दुकानदारों को स्पष्ट किया कि सड़क पर अतिक्रमण किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं किया जाएगा.

इस अभियान के जरिए न केवल यातायात नियमों का पालन सुनिश्चित किया गया, बल्कि शहर में अनुशासन और सार्वजनिक व्यवस्था कायम करने की दिशा में भी महत्वपूर्ण कदम उठाए गए हैं. अधिकारी लगातार ऐसे अभियान जारी रखने का संकल्प लेकर जनता और दुकानदारों में चेतना बढ़ा रहे हैं, ताकि लातेहार में सड़क सुरक्षा और अतिक्रमण पर अंकुश लगाया जा सके.

प्रधानमंत्री जनमन व धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान की समीक्षा

योजना के लक्ष्यों को समयबद्ध तरीके से पूरा करने का निर्देश

शुभम संदेश । लातेहार

सोमवार को उपायुक्त उत्कर्ष गुप्ता की अध्यक्षता में प्रधानमंत्री जनमन एवं धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान, समेकित जनजाति विकास अभिकरण, झारखंड ट्राइबल डेवलपमेंट सोसाइटी और कल्याण विभाग द्वारा चलायी जा रही योजनाओं की समीक्षा बैठक आयोजित की गई. बैठक में उपायुक्त ने लाभुकों तक योजनाओं का अधिकतम लाभ सुनिश्चित करने, लंबित मामलों का प्राथमिकता के आधार पर निवारण करने और प्रत्येक योजना के लक्ष्यों को समयबद्ध तरीके से पूरा करने का निर्देश दिया. उन्होंने विशेष रूप से स्वास्थ्य और कल्याण से जुड़ी योजनाओं में किसी भी प्रकार की देरी बर्दाश्त न करने पर जोर दिया.

बैठक में पीएम जनमन एवं मुख्यमंत्री स्वास्थ्य सहायता योजना के तहत आवेदनों के त्वरित अनुमोदन, लाभुकों के सत्यापन एवं सहायता राशि के समय पर भुगतान को सुनिश्चित करने पर चर्चा हुई. वित्तीय वर्ष 2025-26 के अंतर्गत संचालित योजनाओं की प्रगति एवं क्रियान्वयन की स्थिति की विस्तृत समीक्षा की गई. इसमें ट्राइबल मल्टी मार्केटिंग सेंटर के निर्माण कार्य, प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) के तहत पक्के मकानों का निर्माण, प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के तहत सड़क निर्माण कार्य, प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना के अंतर्गत एलपीजी कनेक्शन वितरण, गरीब कल्याण अन्न योजना के तहत खाद्यान्न वितरण, जल जीवन मिशन के तहत पेयजल आपूर्ति, पोषण अभियान के तहत आंगनवाड़ी केंद्रों की स्थापना और पोषण सेवाओं की उपलब्धियों की समीक्षा शामिल थी.

उपायुक्त ने आईटीडीए एवं जे.टी.डी.एस. के अंतर्गत संचालित योजनाओं की प्रगति की भी समीक्षा की और फील्ड स्तर पर सतत निगरानी के माध्यम से योजनाओं का लाभ अधिक से अधिक ग्रामीण परिवारों तक पहुँचाने के निर्देश दिए. बैठक में परियोजना निदेशक आईटीडीए श्री प्रवीण कुमार गगराई, जिला समाज कल्याण पदाधिकारी श्रीमती अल्का हेंब्रम, संबंधित कार्यपालक अभियंता और अन्य संबंधित पदाधिकारी उपस्थित थे. उपायुक्त ने इस अवसर पर सभी अधिकारियों को योजना क्रियान्वयन में सक्रियता, समयबद्ध कार्रवाई और लाभुकों के हित को प्राथमिकता देने की आवश्यकता पर जोर दिया, ताकि ग्रामीण क्षेत्रों में कल्याणकारी योजनाओं का प्रभावी कार्यान्वयन सुनिश्चित हो सके.

"आपकी योजना आपकी सरकार आपके द्वार" शिविर में आवेदन लिए जाएंगे

शुभम संदेश । बालूमाथ

झारखंड सरकार के मुख्य सचिव अविनाश कुमार के निर्देश पर बालूमाथ प्रखंड के विभिन्न पंचायतों में 21 नवंबर से 15 दिसंबर तक "आपकी योजना आपकी सरकार आपके द्वार" कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा. इस दौरान मइयां सम्मान योजना के नए लाभुकों के फॉर्म भरे जाएंगे. प्रखंड विकास पदाधिकारी सोमा उरांव ने जानकारी देते हुए बताया कि शिविर में मइयां सम्मान योजना के साथ-साथ जाति, आवासीय, आय प्रमाण पत्र, अबुआ स्वास्थ्य योजना, किसान क्रेडिट कार्ड योजना, पेंशन योजना, सावित्रीबाई फुले किशोरी समृद्धि योजना, मुख्यमंत्री रोजगार सृजन योजना, आयुष्मान कार्ड वितरण, वन पट्टा के लिए आवेदन और झारखंड आंदोलनकारी चिन्हित कारण आयोग से संबंधित प्रमाण पत्र समेत कई योजनाओं के फॉर्म भरे जाएंगे. साथ ही, कल्याण विभाग द्वारा ग्रामीणों को परिसंपत्तियों का वितरण भी किया जाएगा. सोमा उरांव ने ग्रामीणों से शिविर में सक्रिय भागीदारी करने और सरकार द्वारा संचालित योजनाओं का लाभ उठाने का आह्वान किया. इस पहल से ग्रामीणों को सरकारी योजनाओं के लाभ समय पर मिलने की संभावना बढ़ेगी और जीवन स्तर में सुधार की दिशा में महत्वपूर्ण कदम साबित होगी.

हैदरनगर में एटिक सेंटर पर बीज वितरण कार्यक्रम आयोजित, किसानों में उत्साह

शुभम संदेश । हैदरनगर

एटिक सेंटर में आयोजित बीज वितरण कार्यक्रम में प्रखंड कृषि पदाधिकारी राजेंद्र सिंह और प्रखंड तकनीकी प्रबंधक परवीन जहाँ ने संयुक्त रूप से बरडांडा पंचायत के 32 किसानों के बीच चना बीज का वितरण किया. कार्यक्रम का उद्देश्य किसानों को समय पर और गुणवत्तापूर्ण बीज उपलब्ध कराना था, जिससे रबी फसल की उत्पादन क्षमता बढ़ाने में मदद मिले. कार्यक्रम में उपस्थित अधिकारियों ने बताया कि गुणवत्तापूर्ण बीज वितरण से किसानों को बेहतर उपज मिलने की संभावना बढ़ती है और उनकी आय में सुधार होता है. प्रखंड तकनीकी प्रबंधक परवीन जहाँ ने कहा कि सरकार का लक्ष्य है कि किसान रबी मौसम में नई तकनीक और उच्च गुणवत्ता वाले बीज का लाभ उठाएँ. उन्होंने यह भी बताया कि उच्च गुणवत्ता वाले चना बीज के उपयोग से पैदावार में वृद्धि होगी और कृषि क्षेत्र में स्थायी लाभ सुनिश्चित होगा. किसानों ने इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि समय पर बीज वितरण से उनकी फसल की तैयारी और उत्पादन में सहूलियत होगी. अधिकारियों ने किसानों को बीज बोने, उगाने और फसल प्रबंधन में नई तकनीकों के इस्तेमाल के लिए मार्गदर्शन भी प्रदान किया. इस कार्यक्रम से उम्मीद है कि आगामी रबी सीजन में उत्पादन बढ़ेगा.

लातेहार में डीसी ने सामाजिक सुरक्षा कोषांग योजनाओं की समीक्षा की

शुभम संदेश । लातेहार

उपायुक्त उत्कर्ष गुप्ता की अध्यक्षता में सामाजिक सुरक्षा कोषांग की महत्वपूर्ण समीक्षात्मक बैठक आयोजित की गई, जिसमें जिले में संचालित विभिन्न सामाजिक सुरक्षा योजनाओं की प्रगति, लंबित मामलों के निपटारे और लाभुकों तक सेवाओं की समयबद्ध पहुंच सुनिश्चित करने पर विशेष जोर दिया गया. बैठक में योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन और पारदर्शिता बढ़ाने को लेकर कई महत्वपूर्ण बिंदुओं पर समीक्षा गई. बैठक के दौरान उपायुक्त को वर्तमान में संचालित विभिन्न पेंशन योजनाओं—जैसे राष्ट्रीय परिवार लाभ योजना, झारखंड मुख्यमंत्री मइयां सम्मान योजना, वृद्धा पेंशन, विधवा पेंशन, दिव्यांग एवं विकलांग पेंशन—के तहत लाभुकों को मिलने वाले लाभों की जानकारी दी गई. उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिया कि सभी पात्र लाभुकों को नियमित रूप से पेंशन का लाभ प्राप्त होना चाहिए तथा कोई भी पात्र व्यक्ति योजनाओं से वंचित न रहे.

उपायुक्त ने यह भी निर्देशित किया कि बचे हुए लाभुकों के आधार एवं मोबाइल नंबर की सीडिंग का कार्य 30 नवंबर तक हर हाल में पूरा कर लिया जाए. उन्होंने आधार–खाता लिंकिंग तथा लंबित पेंशन स्वीकृतियों से जुड़े सभी मामलों के त्वरित निपटारे का आदेश देते हुए कहा कि इसमें किसी प्रकार की देरी अस्वीकार्य होगी. विशेष रूप से दिव्यांगजन, वृद्धजन और निराश्रित व्यक्तियों के लिए चल रही योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन में किसी भी प्रकार की लापरवाही नहीं बरतने के निर्देश दिए गए. उन्होंने कहा कि यह वर्ग समाज के सबसे कमजोर तबके से संबंधित है, इसलिए इनके लिए संचालित सेवाओं की गुणवत्ता और उपलब्धता सर्वोच्च प्राथमिकता है.

इस समीक्षा बैठक में प्रभारी पदाधिकारी, सामाजिक सुरक्षा कोषांग सह उप निर्वाचन पदाधिकारी मेरी मड़की उपस्थित रहीं. वहीं, सभी प्रखंड विकास पदाधिकारी और अंचल अधिकारी वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से बैठक में शामिल हुए और अपने-अपने क्षेत्रों की स्थिति से उपायुक्त को अवगत कराया.

बैठक के अंत में उपायुक्त ने निर्देश दिया कि योजनाओं के निष्पादन में पारदर्शिता और दक्षता सुनिश्चित करने के लिए सभी अधिकारी नियमित रूप से प्रगति रिपोर्ट उपलब्ध कराएँ तथा मैदानी स्तर पर निगरानी व्यवस्था और मजबूत की जाए, ताकि लाभुकों को समय पर और गुणवत्तापूर्ण सेवा मिले.

बीडीओ की अध्यक्षता में हॉस्पिटल मैनेजमेंट सोसायटी की बैठक सम्पन्न

शुभम संदेश । बालूमाथ

बालूमाथ प्रखंड विकास पदाधिकारी सोमा उरांव की अध्यक्षता में सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र की व्यवस्था सुधारने के उद्देश्य से हॉस्पिटल मैनेजमेंट सोसायटी की बैठक सोमवार को सम्पन्न हुई. बैठक में प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी अशोक कुमार, सांसद प्रतिनिधि प्रेम प्रसाद गुप्ता, विधायक प्रतिनिधि संजय यादव, मुखिया नरेश लोहरा सहित कई लोग उपस्थित थे. बैठक में स्वास्थ्य केंद्र में स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता, बुनियादी ढांचे, कर्मचारियों की उपलब्धता और सरकारी योजनाओं के क्रियान्वयन की समीक्षा की गई. निर्णय लिया गया कि अस्पताल में खराब मशीनों को ठीक कराया जाएगा और एम्बुलेंस का सही संचालन सुनिश्चित किया जाएगा. इसके साथ ही अस्पताल में उपलब्ध दवाओं, टीकाकरण एवं अन्य आवश्यक सामग्री की उपलब्धता की जानकारी ली गई. अस्पताल परिसर की साफ-सफाई और अन्य सुविधाओं को बेहतर बनाने पर भी चर्चा हुई, ताकि मरीजों को बेहतर और सुरक्षित वातावरण मिल सके. इस दौरान बीपीएम सुनील कुमार विश्वास, विनीता कुमारी, पंकज कुमार, अनिल कुमार, नरेश लाल सहित कई अन्य लोग भी उपस्थित थे. बैठक में लिए गए निर्णयों से स्वास्थ्य केंद्र की कार्यप्रणाली में सुधार और मरीजों को गुणवत्तापूर्ण सेवा देने की दिशा में कदम बढ़ाने की उम्मीद जताई गई.

शिक्षा

एसवीएम में "खुशी मिशन" के तहत खुशी कक्षा का आयोजन

विद्यार्थियों को सकारात्मक सोच व आत्मविश्वास की दी प्रेरणा

- किसी भी विद्यार्थी के संपूर्ण व्यक्तित्व का सही आकलन नहीं कर सकते.
- बच्चे अंकों की प्रतिस्पर्धा में तनावग्रस्त होते जा रहे हैं.
- अंकों से अधिक सकारात्मक सोच, आत्मविश्वास, धैर्य और निरंतर सीखने की प्रक्रिया पर ध्यान देना चाहिए.

शुभम संदेश । लातेहार

सरस्वती विद्या मंदिर (एसवीएम), लातेहार के डॉ. कृष्ण चंद्र गांधी ऑडिटोरियम में "खुशी मिशन" के तहत खुशी कक्षा का आयोजन किया गया. कार्यक्रम का शुभारंभ विद्यालय प्रबंधकारिणी समिति के अध्यक्ष राजीव रंजन पांडेय, डॉ. मुकेश सिंह चौहान, दिनेश महलका तथा प्रधानाचार्य उत्तम कुमार मुखर्जी द्वारा संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलन कर किया गया. अतिथियों का अंग वस्त्र और उपहार देकर स्वागत किया गया.

कार्यक्रम में मुख्य वक्ता डॉ. मुकेश सिंह ने "खुशी मिशन" के उद्देश्यों पर प्रकाश डालते हुए बताया कि इस मिशन का मूल आधार सकारात्मकता है. उन्होंने कहा कि आधुनिक समय में बच्चे अंकों की प्रतिस्पर्धा में तनावग्रस्त होते जा रहे हैं, जबकि अंक किसी भी विद्यार्थी के संपूर्ण व्यक्तित्व का सही आकलन नहीं कर सकते. डॉ. मुकेश ने विद्यार्थियों को समझाया कि उन्हें अंकों से अधिक सकारात्मक सोच, आत्मविश्वास, धैर्य और निरंतर सीखने की प्रक्रिया पर ध्यान देना चाहिए.

अपने प्रेरक उदाहरण में उन्होंने बताया कि भारत में महिला क्रिकेट की शुरुआत 1972 में हुई थी, लेकिन सकारात्मक दृष्टिकोण और दृढ़ संकल्प के बल पर भारतीय महिला टीम ने 2025 में विश्व कप जीतकर देश का मान बढ़ाया. उन्होंने डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम के सिद्धांत "असफलता - सीखने का पहला प्रयास" को भी समझाया और विद्यार्थियों को असफलता से डरने के बजाय उसे सीखने का अवसर मानने की प्रेरणा दी.

विद्यालय प्रबंधन समिति के अध्यक्ष राजीव रंजन पांडेय ने कहा कि विद्यार्थियों को अंक के दबाव में नहीं रहना चाहिए. प्रधानाचार्य उत्तम कुमार मुखर्जी ने बच्चों को किसी भी परिस्थिति में निराश नहीं होने और हमेशा आगे बढ़ते रहने के लिए प्रेरित किया.

इस अवसर पर शिक्षक और शिक्षिकाओं में कपिल देव प्रमाणिक, रितेश रंजन गुप्ता, विवेक दास, रविंद्र साहू, रूबी सिंह, मधु कुमारी एवं सुरेश ठाकुर उपस्थित थे. उन्होंने भी विद्यार्थियों को सकारात्मक सोच और आत्मविश्वास बनाए रखने का संदेश दिया. कार्यक्रम ने विद्यार्थियों में आत्म-विश्वास और सीखने की लगन बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई और "खुशी मिशन" के उद्देश्य को साकार किया.

बनहर्दी में कंबल, टोपी, मफलर व नाश्ते का वितरण

चंदवा । बनहर्दी कॉल ब्लॉक में पीवीयूएन द्वारा सामाजिक सरोकार के तहत शुक्रवार को ग्रामीणों के बीच कंबल, टोपी, मफलर और नाश्ते के पैकेट वितरित किए गए. कार्यक्रम की अगुवाई सीईओ अशोक कुमार सैगल ने की. इस अवसर पर लगभग 120 ग्रामीण महिलाओं और पुरुषों को ऊनी सामग्री प्रदान की गई. सीईओ अशोक कुमार सैगल ने ग्रामीणों से संवाद करते हुए कहा कि पीवीयूएन कंपनी लगातार क्षेत्रवासियों की समस्याओं के समाधान और जीवन स्तर सुधार के लिए प्रयासरत है. उन्होंने बताया कि जल्द ही बेहतर स्वास्थ्य सुविधा सुनिश्चित करने के लिए एंबुलेंस की व्यवस्था की जाएगी और छोटे बच्चों की शिक्षा को मजबूत बनाने के लिए आवश्यक कदम उठाए जाएंगे. इस मौके पर पीवीयूएन के दर्जनों अधिकारी और कर्मचारी उपस्थित थे, जिन्होंने वितरण कार्य को सफल बनाने में अहम योगदान दिया.

एक नजर

रक्तदान शिविर में लोगों से भागीदारी की अपील

लातेहार । ब्लड बैंक, लातेहार में आगामी 19 नवंबर को एक रक्तदान शिविर का आयोजन किया जाएगा. वॉलंटरी ब्लड डोनर एसोसिएशन के अध्यक्ष अनुरोध कुमार बाग, संयोजक श्याम अग्रवाल और सचिव विकासकांत पाठक ने एसोसिएशन के सदस्यों और आम जनता से अधिक से अधिक भाग लेकर रक्तदान करने की अपील की है. उन्होंने बताया कि रक्तदान से किसी की जान बच सकती है और मानव रक्त का कोई विकल्प नहीं है. हर स्वस्थ व्यक्ति हर तीन महीने में रक्तदान कर सकता है. शिविर का उद्देश्य ब्लड बैंक में रक्त की कमी को पूरा करना और रोगियों को समय पर रक्त उपलब्ध कराना है. एसोसिएशन के पदाधिकारी स्वयं भी रक्तदान करेंगे और लोगों से दूसरों को भी प्रेरित करने का अनुरोध किया. रक्तदान से स्वास्थ्य पर कोई नकारात्मक प्रभाव नहीं पड़ता, बल्कि कई बीमारियों का पता भी पहले ही चल जाता है.

महुआडांड़ में बढ़ती ठंड से राहत के इंतजार में लोग

महुआडांड़ (लातेहार)। महुआडांड़ प्रखंड में कड़ाके की ठंड ने आम लोगों की मुश्किलें बढ़ा दी हैं, लेकिन प्रशासन की ओर से अभी तक चौक-चौराहों पर अलाव की व्यवस्था नहीं की गई है. बुजुर्ग और गरीब तबके के लिए हर साल होने वाला कंबल वितरण अभियान भी शुरू नहीं हुआ है, जिससे लोग ठंड में रातें गुजारने को मजबूर हैं. बच्चों और छात्रों पर भी इसका असर दिखाई दे रहा है; सुबह स्कूल पहुंचना उनके लिए कठिन हो गया है. स्कूलों में स्वेटर वितरण की प्रक्रिया भी अभी तक शुरू नहीं हो सकी है. स्थानीय लोगों ने प्रशासन से मांग की है कि प्रमुख चौक-चौराहों पर अलाव लगाएँ और बुजुर्गों एवं बच्चों के लिए कंबल और स्वेटर वितरण को प्राथमिकता दें, ताकि ठंड से तुरंत राहत मिल सके.

19 को बेतला में कव्वाली महोत्सव का आयोजन

लातेहार । झारखंड स्थापना दिवस की 25वीं वर्षगांठ के अवसर पर 19 नवंबर को बेतला में भव्य कव्वाली महोत्सव का आयोजन किया जाएगा. मनिका विधानसभा के विधायक रामचंद्र सिंह ने बताया कि यह कार्यक्रम बेतला नेशनल पार्क के समीप अखरा मैदान में होगा. आयोजन की तैयारियां जोर-शोर से चल रही हैं. कार्यक्रम में प्रदेश के वित्त मंत्री राधाकृष्ण किशोर, स्वास्थ्य मंत्री इरफान आलम और पूर्व राज्यसभा सांसद धीरज प्रसाद साहू समेत कई गणमान्य अतिथि शामिल होंगे. नेशनल सोशल यूथ कमेटी की बेतला–पोखरी–बरवाडीह इकाई द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम में मशहूर कव्वाल अनीश शाबरी और सिंगर सलमान अली अपनी प्रस्तुति देंगे. विधायक सिंह ने कहा कि आयोजन का उद्देश्य झारखंड के विकास, शिक्षा और समाज में भाईचारे को बढ़ावा देना है. उन्होंने बेहतर सड़क निर्माण, सड़क दुर्घटनाओं से बचाव और रक्तदान जैसी मानवीय गतिविधियों पर जोर दिया. पर्यटन को बढ़ावा देने और माइनिंग प्रभावित क्षेत्रों के लिए उचित मुआवजा सुनिश्चित करने के लिए भी उन्होंने प्रतिबद्धता जताई. यह कार्यक्रम विभिन्न समुदायों के बीच सौहार्द और एकता का संदेश फैलाने का महत्वपूर्ण अवसर होगा.

बढ़ती ठंड में अलाव की व्यवस्था की मांग, युवा भारत ने सीओ व रेंजर को ज्ञापन सौंपा

लातेहार । जिले में पिछले दो-तीन दिनों से ठंड ने तेज़ रुख अपनाया है और न्यूनतम तापमान 11 डिग्री सेल्सियस तक गिर गया है. ठंड के बढ़ते असर को देखते हुए समाजिक संगठन युवा भारत, चंदवा ने नगर के सार्वजनिक स्थलों पर अलाव की व्यवस्था करने की मांग को लेकर चंदवा अंचलाधिकारी और वनों के क्षेत्र पदाधिकारी को ज्ञापन सौंपा. संगठन के अध्यक्ष आदर्श रवि राज ने कहा कि ठंड का असर मजदूरों, बुजुर्गों, असहायों और जरूरतमंदों पर अधिक पड़ रहा है. उन्होंने बताया कि टोरी जंक्शन और चंदवा बस स्टैंड पर रोजाना बड़ी संख्या में लोग आते-जाते हैं, लेकिन सुबह और शाम ठंड से बचने के पर्याप्त इंतजाम नहीं होने के कारण लोगों को कठिनाई होती है. युवा भारत ने ज्ञापन में उग्रतारा मंदिर, इंदिरा गांधी चौक, बुध बाजार, गैरज लेन, सुभाष चौक और श्री राम चौक सहित कई प्रमुख स्थलों पर अलाव प्रबंधन करने की मांग की. ज्ञापन सौंपने वालों में विनय वर्मा, रिक्की, राहुल जायसवाल, मुबारक आलम सहित संगठन के अन्य सदस्य उपस्थित थे. संगठन ने प्रशासन से शीघ्र आवश्यक कदम उठाने की अपील की.

25 वर्षों में विकास और चुनौतियों पर गंभीर विमर्श

मेदिनीनगर । इप्टा द्वारा संचालित सांस्कृतिक पाठशाला की 87वीं कड़ी में "25 वर्षों में हमने क्या पाया?" विषय पर संवाद आयोजित किया गया. कार्यक्रम की अध्यक्षता वरिष्ठ पत्रकार रविंद्र त्रिपाठी एवं इप्टा पलामू के कार्यकारी अध्यक्ष सुरेश सिंह ने संयुक्त रूप से की. संवाद में विशेषज्ञों ने झारखंड के गठन के बाद 25 वर्षों में हुए विकास, सामाजिक-सांस्कृतिक परिवर्तनों और राज्य की चुनौतियों पर गहन विमर्श किया. प्रेम प्रकाश ने कहा कि राज्य का निर्माण बिरसा मुंडा की भावनाओं के अनुरूप नहीं हो सका. रविंद्र त्रिपाठी ने कहा कि विकास अक्सर केवल व्यवस्था बनाए रखने का माध्यम बन गया है, जबकि आदिवासियों के अधिकारों की उपेक्षा हुई. प्रदीप कुमार ने शिक्षा एवं प्रशासनिक ढांचे की कमजोरियों को रेखांकित किया. पंकज श्रीवास्तव ने मानव संसाधन एवं स्वास्थ्य व्यवस्था की कमियों की ओर ध्यान दिलाया. शिव शंकर प्रसाद ने कहा कि इंफ्रास्ट्रक्चर बढ़ा, पर व्यवस्था लोगों को पर्याप्त लाभ नहीं पहुंचा रही. शैलेंद्र कुमार शर्मा ने शिक्षकों की कमी और लैब टेक्नीशियन की असमंजस स्थिति को चुनौती बताया. गोविंद प्रसाद ने राजनीतिक अस्थिरता और मुख्यमंत्री बदलने की स्थिति पर चिंता व्यक्त की. प्रो. के. डी. झा ने शिक्षा में गिरावट और जीवन-उपयोगी सिलेबस की अनुपस्थिति पर प्रकाश डाला.

21 नवंबर से शुरू होगा 'आपकी योजना, आपकी सरकार, आपके द्वार' अभियान

केतार । सरकार द्वारा संचालित सभी योजनाओं का लाभ अंतिम पायदान तक पहुंचाने के उद्देश्य से आपकी योजना, आपकी सरकार, आपके द्वार कार्यक्रम 21 नवंबर से 5 दिसंबर तक चलेगा. डीसी के निर्देशानुसार प्रखंड के सभी पंचायत सचिवालय भवनों में शिविर आयोजित किए जाएंगे. प्रत्येक शिविर में विभिन्न सरकारी योजनाओं से संबंधित स्टॉल लगाए जाएंगे तथा ग्रामीणों से आवेदन प्राप्त कर मौके पर ही निष्पादन किया जाएगा. बीडीओ प्रशांत कुमार ने बताया कि सभी पंचायत सचिव और ग्राम रोजगार सेवकों की प्रतिनियुक्ति कर दी गई है, जबकि बीपीओ कमलेश कुमार को नोडल प्रभारी बनाया गया है. कार्यक्रम का शुभारंभ 21 नवंबर को परती कुशवानी पंचायत सचिवालय से होगा.

बेतला में वोटर लिस्ट का एसआईआर प्रक्रिया शुरू

बेतला । बेतला क्षेत्र में वोटर लिस्ट का विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण (एसआईआर) शुरू हो गया है. बीएलओ उमेश बैठा, राजू सिंह, अखिलेश विश्वकर्मा और मनोज सिंह खरवार ने बताया कि नई मतदाता सूची में नाम जोड़ने के लिए आवेदक के माता-पिता का नाम वर्ष 2025 और 2003 की मतदाता सूची में दर्ज होना अनिवार्य है. इस दस्तावेजी आधार के बिना एसआईआर के तहत नाम शामिल नहीं किया जा सकेगा. बीएलओ ने यह भी कहा कि मृत एवं स्थायी रूप से प्रवासित मतदाताओं के नाम सूची से हटाए जा रहे हैं.

पूर्व रेलवे

[illegible] 13.11.2025, [illegible] www.ireps.gov.in [illegible]

हमें यहाँ देखें : @EasternRailway @easternrailwayheadquarter

विद्युत तार गिरने से धान की फसल जलकर राख ग्रामीणों ने उठाए सवाल

लावालौंग । प्रखंड के कटिया पंचायत अंतर्गत खनगड़ा गांव में एक बड़ा हादसा उस समय हुआ, जब जर्जर विद्युत लाइन अचानक टूटकर किसान गुड्डू तुरी के खलिहान पर गिर गई. स्पार्किंग से लगी आग ने कुछ ही समय में तैयार धान फसल को पूरी तरह जला दिया. घटना के दौरान गांव में अफरा-तफरी का माहौल बन गया और ग्रामीणों ने मिलकर आग पर काबू पाने की कोशिश की, लेकिन फसल बचाई नहीं जा सकी. पंचायत मुखिया नेमन भारती ने कहा कि किसान की सालभर की मेहनत नष्ट हो गई है और प्रशासन से पीड़ित को तुरंत मुआवजा देने की मांग की. ग्रामीणों ने विद्युत विभाग की लापरवाही पर गंभीर आपत्ति जताई और बताया कि खराब तारों की शिकायत कई बार की गई थी, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई. उन्होंने विभाग से क्षतिग्रस्त तारों की मरम्मत और सुरक्षा मानकों का पालन जल्द करने की मांग की.

रामगढ़ में राष्ट्रीय प्रेस दिवस पर विशेष कार्यक्रम एवं कार्यशाला का आयोजन

भ्रामक सूचनाओं के बीच प्रेस की विश्वसनीयता का संरक्षण

शुभम संदेश ।रामगढ़

राष्ट्रीय प्रेस दिवस के अवसर पर सोमवार को सूचना भवन, रामगढ़ में एक विशेष कार्यक्रम एवं कार्यशाला का आयोजन किया गया. कार्यक्रम का उद्देश्य पत्रकारिता की जिम्मेदारियों, बदलते मीडिया परिदृश्य और भ्रामक सूचनाओं के बढ़ते प्रभाव के बीच प्रेस की विश्वसनीयता को बनाए रखने के उपायों पर विचार-विमर्श करना था. कार्यक्रम की शुरुआत सच्ची पत्रकारिता के लिए अपने प्राणों की आहुति देने वाले दिवंगत पत्रकारों के प्रति 1 मिनट का मौन रखकर श्रद्धांजलि अर्पित करने से हुई. इस अवसर पर जिला जनसंपर्क पदाधिकारी डॉ. प्रभात शंकर, मीडिया प्रतिनिधि बीरू कुमार,

मनोज मिश्रा, योगेंद्र सिन्हा, उमेश सिन्हा, नंदकिशोर अग्रवाल, धर्मेंद्र पटेल, स्वामी नंदन, दूर्वेज आलम, राजेश राय सहित विभिन्न मीडिया प्रतिनिधि उपस्थित रहे. वक्ताओं ने कहा कि राष्ट्रीय प्रेस दिवस न केवल अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का प्रतीक है, बल्कि यह पत्रकारों को सत्य, निष्पक्षता और जन-सरोकार आधारित पत्रकारिता के प्रति पुनः संकल्पित होने का अवसर भी प्रदान करता है. उन्होंने 'बढ़ती भ्रामक सूचनाओं के बीच प्रेस की विश्वसनीयता का संरक्षण' विषय पर चर्चा करते हुए डिजिटल युग में फेक न्यूज़, गलत सूचनाओं और अधूरी जानकारियों की चुनौतियों पर जोर दिया.

जिला जनसंपर्क पदाधिकारी डॉ. प्रभात शंकर ने कहा कि मीडिया लोकतंत्र का चौथा स्तंभ है. प्रेस की विश्वसनीयता तभी बनी रहेगी जब सूचना संकलन से लेकर प्रकाशन तक प्रत्येक चरण में सत्यता और नैतिकता सर्वोपरि रहे. उन्होंने प्रशासन और मीडिया के बीच समन्वय को जनता तक सही और प्रमाणिक जानकारी पहुँचाने में महत्वपूर्ण बताया. कार्यशाला में पत्रकारों ने सूचनाओं की जांच-परख, स्रोतों की विश्वसनीयता, डिजिटल मीडिया की चुनौतियों और जनहितकारी पत्रकारिता के महत्व पर चर्चा की. प्रेस परिषद द्वारा जारी दिशानिर्देशों, मीडिया नैतिकता और तथ्य-परक रिपोर्टिंग पर भी विचार व्यक्त किया गया. कार्यक्रम में स्वागत भाषण एवं धन्यवाद ज्ञापन सहायक जिला जनसंपर्क पदाधिकारी श्री शशांक शेखर मिश्र ने दिया. अंत में जिला जनसंपर्क विभाग की ओर से सभी अतिथियों और मीडिया प्रतिनिधियों का आभार व्यक्त किया गया. इस अवसर पर सोशल मीडिया एवं पब्लिसिटी ऑफिसर विक्रम सोनी, लिपिक सुनीता कुमारी, स्वागतक तक नीतीश कुमार, कंप्यूटर ऑपरेटर मजहरूल हक सहित अन्य उपस्थित रहे.

आम्रपाली में नई कंपनी नागार्जुन से रोजगार की मांग, रैयतों ने भूमि पर कार्य रोकने का किया निर्णय

चतरा । टंडवा में संचालित आम्रपाली कोल परियोजना के तीसरे फेज का खनन टेंडर लेने वाली नागार्जुन (एनसीसी) कंपनी से रोजगार की मांग को लेकर होन्हे गांव के सैकड़ों ग्रामीणों ने शिव मंदिर प्रांगण में बैठक की. बैठक की अध्यक्षता बलराम यादव ने की. ग्रामीणों ने निर्णय लिया कि कंपनी रैयतों को रोजगार और मूलभूत सुविधा नहीं देगी, तब तक उनके भूमि पर कोई कार्य नहीं होगा. उन्होंने चेतावनी दी कि गुपचुप तरीके से कार्य करने पर महा आंदोलन किया जाएगा. बैठक में हुलास यादव, त्रिवेणी यादव, सुनील घासी, सिबन गंझू, चुरामन गंझू, सुनील राम, सुनील यादव, प्रभु यादव, बुधन भुइयां, बालेश्वर गंझू, टेकलाल गंझू, अनिल यादव और भोला सहित दर्जनों रैयत उपस्थित रहे.

टंडवा एनटीपीसी में भ्रष्टाचार और पर्यावरणीय अनियमितता पर सांसद ने उठाया मोर्चा

चतरा । टंडवा में संचालित एनटीपीसी ईकाई पर अनियमितताओं और भ्रष्टाचार के आरोप लगते रहे हैं. स्थानीय लोगों का कहना है कि परियोजना से निकलने वाला जहरीला राख और चिमनी से धूंआ न केवल आसपास के गांवों बल्कि कई किलोमीटर दूर तक रहने वालों के स्वास्थ्य पर गंभीर प्रभाव डाल रहा है. वहीं परियोजना प्रबंधन पर आरोप हैं कि वे ठेकेदारों के आगे नतमस्तक हैं और ऐश-ओ-आराम में व्यस्त रहते हैं, जबकि ग्रामीणों की सुरक्षा की अनदेखी की जा रही है. एनटीपीसी के स्थापना दिवस पर अनलीगल पैसे खर्च करने और बालाओं के साथ मौज-मस्ती करने की खबरें भी सामने आई हैं. चतरा सांसद ने इन अनियमितताओं पर मुखर होकर वरीय अधिकारियों को संज्ञान लेने के निर्देश दिए हैं. ग्रामीणों का कहना है कि केंद्र सरकार को इस भ्रष्टाचार और पर्यावरणीय दुष्प्रभाव पर सर्जिकल कार्रवाई करनी चाहिए.

अवैध खनन पर प्रशासन की कार्रवाई, प्राथमिकी दर्ज

रामगढ़ । जिले में अवैध खनन और खनिजों के परिवहन को रोकने के लिए उपायुक्त फैज अक अहमद मुमताज ने अधिकारियों को योजनाबद्ध कार्रवाई का निर्देश दिया है. इसी क्रम में गोला थाना क्षेत्र के झरिया गढ़ा मोड़ के पास रात्री गश्ती के दौरान दो ट्रैक्टर चालक पुलिस देख भाग गए और ट्रैक्टर छोड़ गए. ट्रैक्टरों में कुल 200 घन फीट बालू लदा हुआ पाया गया. जांच में परिवहन चालान अनुपस्थित पाया गया. इसके आधार पर खनन राजस्व की हानि होने के मामले में खान निरीक्षक की रिपोर्ट पर जिला खनन पदाधिकारी के आदेशानुसार गोला थाना में प्राथमिकी दर्ज की गई है.

अजय प्रजापति ने उमाशंकर अकेला से की मुलाकात

हजारीबाग । बरही विधानसभा क्षेत्र में सोमवार को ओबीसी कांग्रेस के जिलाध्यक्ष अजय प्रजापति ने पूर्व विधायक एवं निवेदन समिति के सभापति उमाशंकर अकेला के आवास पहुंचकर सौजन्य भेंट की. आगमन पर उमाशंकर अकेला ने उन्हें माला पहनाकर, बुके भेंट कर और मिठाई खिलाकर गर्मजोशी से स्वागत किया. मुलाकात के दौरान दोनों नेताओं ने क्षेत्रीय विकास, संगठन विस्तार और ओबीसी समाज के मुद्दों पर महत्वपूर्ण चर्चा की. उन्होंने संगठन को मजबूत करने और जनसमस्याओं के समाधान के लिए मिलकर कार्य करने की प्रतिबद्धता जताई. इस अवसर पर उपमुखिया रामसुंदर प्रजापति, रामलखन राणा, विक्रम प्रजापति, संतोष रजक सहित कई कार्यकर्ता उपस्थित थे.

औचक निरीक्षण कर मिलावटी सामग्री नष्ट की

हजारीबाग । उपायुक्त शशि प्रकाश सिंह एवं अपर मुख्य चिकित्सा पदाधिकारी डॉ. शशि जायसवाल के निर्देश पर खाद्य सुरक्षा पदाधिकारी मो. मंजर हुसैन के नेतृत्व में विभाग की टीम ने हजारीबाग शहर के विभिन्न खाद्य प्रतिष्ठानों का औचक निरीक्षण किया. निरीक्षण में ए. के. इंटरप्राइजेज, गंगा मिष्ठान भंडार, कोलकाता मिष्ठान भंडार और चंपारण मीट हाउस की स्वच्छता एवं खाद्य सुरक्षा मानकों की जांच की गई. गंगा मिष्ठान भंडार में औद्योगिक रंग उपयोग होने की पुष्टि पर विभाग ने मिलावटी सामग्री मौके पर ही नष्ट की. सभी प्रतिष्ठानों को स्वच्छता बनाए रखने, शुद्ध खाद्य पदार्थ बेचने और रसोइयों द्वारा मास्क, केप एवं एप्रोन पहनने का सख्त निर्देश दिया गया. ठेला-खोमचा संचालकों को प्रतिबंधित रंग एवं रसायन न इस्तेमाल करने की चेतावनी दी गई.

बुलेट और एंबुलेंस की भिड़ंत, बुलेट सवार गंभीर

जयनगर (कोडरमा) । थाना क्षेत्र अंतर्गत प्रखंड मुख्यालय मार्ग पर सोमवार सुबह करीब 10 बजे बुलेट और 108 एंबुलेंस की आमने-सामने जोरदार टक्कर हो गई. हादसा इतना भीषण था कि बुलेट का अगला हिस्सा पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया और चालक गंभीर रूप से घायल हो गया. जानकारी के अनुसार, 108 एंबुलेंस प्रखंड मुख्यालय की ओर जा रही थी और विपरीत दिशा से तेज रफ्तार में बुलेट आ रही थी. एंबुलेंस चालक ने वाहन साइड किया, लेकिन तेज गति से आती बुलेट सीधे एंबुलेंस के आगे वाले हिस्से से टकरा गई. घायल युवक पीयूष ठाकुर (कलाली रोड) को ग्रामीणों की मदद से एंबुलेंस से सदर अस्पताल कोडरमा भेजा गया. ग्रामीणों ने कहा कि यह घनी आबादी वाला मार्ग है और तेज रफ्तार से वाहन चलते हैं, जिससे दुर्घटना की आशंका रहती है.

चंदवारा में ऑटो पलटा, तीन की हालत गंभीर

चंदवारा (कोडरमा) । चंदवारा थाना क्षेत्र के राँची-पटना मुख्य मार्ग, बजरंगबली चौक के पास सोमवार सुबह लगभग 9 बजे एक यात्री से भरी ऑटो अनियंत्रित होकर पलट गई. हादसे में तीन लोग गंभीर रूप से घायल हो गए. घायलों की पहचान आलिया प्रवीण (15 वर्ष, ग्राम चंदवारा), नुसरत खातून (14 वर्ष, ग्राम उरवां) और मोती भुइयां (42 वर्ष) के रूप में हुई. ऑटो उरवां से सवारी लेकर झुमरीतिलैया की ओर जा रही थी, तभी यह पलट गई. दुर्घटना में दो स्कूली छात्रा और एक अन्य व्यक्ति बुरी तरह घायल हुए, जबकि अन्य यात्री मामूली चोटें लेकर सुरक्षित रहे. घायल लोगों को स्थानीय लोग और पुलिस के सहयोग से तुरंत सदर अस्पताल कोडरमा इलाज के लिए भेजा गया. मौके पर लोग घटना की गंभीरता देखकर हादसे की जानकारी प्रशासन तक पहुँचाने में लगे.

प्रवेश परीक्षा शांतिपूर्ण और कदाचारमुक्त संपन्न

जयनगर (कोडरमा) । प्रखंड के राजकीयकृत प्लस टू उच्च विद्यालय में सोमवार को आवासीय विद्यालय प्रवेश परीक्षा शांतिपूर्ण और कदाचारमुक्त वातावरण में सम्पन्न हुई. आर्थिक रूप से कमजोर, लेकिन शैक्षणिक रूप से प्रतिभाशाली छात्र-छात्राओं को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध कराने के उद्देश्य से आयोजित इस परीक्षा में प्रशासनिक सतर्कता और पारदर्शिता पर विशेष ध्यान दिया गया. परीक्षा की निगरानी प्रखंड विकास पदाधिकारी गौतम कुमार ने स्वयं की, जबकि केंद्राधीक्षक एवं प्रधानाचार्य वरुण कुमार सिंह ने बताया कि कक्षा 10 के 167 पंजीकृत परीक्षार्थियों में से 122 उपस्थित हुए और कक्षा 12 के 39 में से 21 ने परीक्षा दी. परीक्षा केंद्र पर सुरक्षा व्यवस्था कड़ी थी और शिक्षकों व प्रशासनिक कर्मियों की विशेष तैनाती की गई. जिला शिक्षा पदाधिकारी अविनाश राम ने भी केंद्र का निरीक्षण किया और व्यवस्थाओं पर संतोष जताया. निरीक्षण दल में बीपीओ राधा सिंह, जेई ओम प्रकाश, परवेज मुशर्रफ, नरेंद्र नाथ यादव और किरण कुमारी उपस्थित थे.

आदिवासियों ने कुडमी समुदाय की एसटी सूची में शामिल करने का किया विरोध

जेने पूड़ी ओने मुड़ी रे... कहकर कुड़मी समुदायों को अवसरवादी बताया गया

शुभम संदेश ।हजारीबाग

आदिवासी केंद्रीय सरना समिति की अगुवाई में हजारीबाग के सरहुल मैदान में 17 नवंबर को कुडमी समुदाय को अनुसूचित जनजाति (एसटी) सूची में शामिल करने की मांग के विरोध में उलगुलान जन आक्रोश रैली आयोजित की गई. कार्यक्रम की अध्यक्षता समिति के अध्यक्ष महेंद्र बेक ने की, जबकि संचालन कार्यकारी अध्यक्ष मनोज टुडू के साथ पवन तिग्गा, विक्की कुमार धान, मनोज भोक्ता, विजय भोक्ता, सहदेव किस्कू और फुलवा कच्छप ने संयुक्त रूप से संभाला.

रैली में हजारीबाग के साथ-साथ रामगढ़, बोकारो, धनबाद, गिरिडीह और रांची जिलों से बड़ी संख्या में आदिवासी समुदाय के लोग पारंपरिक पोशाक और वाद्ययंत्रों के साथ शामिल हुए. निर्धारित मार्ग के अनुसार जुलूस सरहुल मैदान से निकलकर पंच मंदिर, झंडा चौक, इंद्रपुरी चौक, जिला चौक, बिरसा मुंडा चौक और सिद्धू-कानू चौक होते हुए पुनः सरहुल मैदान लौटा.

सभा में वक्ताओं ने कुडमी समुदाय की एसटी मांग को राजनीतिक अवसरवाद बताया. ज्योत्स्ना केरकेट्टा ने कहा कि लाभ जहां दिखाई देता है, समुदाय उसी दिशा में मुड़ जाता है. केंद्रीय महिला अध्यक्ष निशा भगत ने कहा कि उनकी आवाज़ कोई दबा नहीं सकता और हक-अधिकार की लड़ाई जारी रहेगी. शशि पन्ना ने इतिहास और संविधान का हवाला देते हुए बताया कि आदिवासी और कुर्मी समुदायों में समानता नहीं पाई जाती. फूलचंद तिर्की ने कहा कि कुडमी और कुर्मी एक ही समुदाय हैं और कुर्मी समाज लोगों को भ्रमित कर रहा है. सचिव सह मीडिया प्रभारी विक्की कुमार धान ने कहा कि यह मांग आदिवासी समाज की एकता और अधिकारों को कमजोर करने का प्रयास है, जबकि महासचिव संजय तिर्की ने जनसैलाब को आदिवासी समाज की एकजुटता का प्रमाण बताया.

रैली से पहले 2 और 9 नवंबर 2025 को सरहुल मैदान स्थित धूम कुड़िया भवन में दो महत्वपूर्ण बैठकें आयोजित की गईं. पहली बैठक की अध्यक्षता पूर्व अध्यक्ष जगन कच्छप ने की और संचालन का दायित्व मनोज टुडू ने संभाला. दूसरी बैठक की अध्यक्षता महेंद्र बेक ने की. इन बैठकों में 16 प्रखंडों के प्रतिनिधि, सामाजिक संगठन, जनप्रतिनिधि, पाहान और बुद्धिजीवी शामिल हुए.

सभा और रैली के पश्चात प्रतिनिधि पैदल मार्च करते हुए डीसी कार्यालय पहुँचे और कुडमी समुदाय को एसटी सूची में शामिल न करने संबंधी ज्ञापन सौंपा. पूरी रैली शांतिपूर्ण रूप से संपन्न हुई और उपस्थित संगठनों ने सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक मुद्दों पर एकजुट होकर आवाज उठाने का संकल्प प्रकट किया.

झारखंड में फिर शुरू होगा 'सरकार आपके द्वार' अभियान

हजारीबाग । झारखंड सरकार की जनसरोकार से जुड़ी महत्वाकांक्षी योजना 'सरकार आपके द्वार' एक बार फिर से शुरू होने जा रही है. हजारीबाग के उपायुक्त शशि प्रकाश सिंह ने बताया कि इस अभियान के तहत शासन-प्रशासन सीधे लोगों के घर और मोहल्लों तक पहुंचेगा और उनकी समस्याओं का मौके पर निपटारा किया जाएगा. उपायुक्त ने बताया कि शिविरों में जन्म प्रमाणपत्र, जाति प्रमाणपत्र, आय प्रमाणपत्र, जमीन का रसीद, मोटेशन, दाखिल–खारिज सहित अन्य सरकारी कागजात और जनसुविधाओं से जुड़ी समस्याओं का समाधान प्राथमिकता के साथ किया जाएगा. इसके लिए ब्लॉक स्तर के अधिकारी और कर्मचारी विभिन्न पंचायतों और मोहल्लों में मौजूद रहेंगे.शशि प्रकाश सिंह ने कहा कि यह विशेष अभियान 21 नवंबर से 15 दिसंबर तक चलेगा और जिले के सभी प्रखंडों में शिविर आयोजित किए जाएंगे.

रामगढ़ में सरदार@150 यूनिटी मार्च का भव्य आयोजन सांसद और विधायक रोशन लाल चौधरी रहे उपस्थित

रामगढ़ । लौहपुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल की 150वीं जयंती वर्ष के अवसर पर मेरा युवा भारत, रामगढ़ द्वारा आयोजित "विकसित भारत पदयात्रा एवं सरदार@150 यूनिटी मार्च 2025" का जिले में भव्य आयोजन किया गया. कार्यक्रम का शुभारंभ रामगढ़ कॉलेज मल्टीपरपज हॉल में अतिथियों का स्वागत और मां भारती, मां शारदा एवं सरदार पटेल की तस्वीर पर माल्यार्पण एवं पूजन के साथ किया गया. वंदे मातरम् व दीपस्तुति रामप्रसाद चंद्रभान सरस्वती विद्या मंदिर के विद्यार्थियों द्वारा प्रस्तुत की गई. मुख्य अतिथि सांसद मनीष जायसवाल ने कहा कि देश की एकता और अखंडता सरदार पटेल के दूरदर्शी नेतृत्व की देन है, वहीं विधायक रोशन लाल चौधरी ने युवाओं को राष्ट्रनिर्माण में सक्रिय भूमिका निभाने का आह्वान किया. स्वागत भाषण में युवा प्रतिनिधि नितेश कुमार मोदी ने राष्ट्रीय एकता, अनुशासन और युवा जिम्मेदारी पर जोर दिया. सभा के बाद जिला स्तरीय यूनिटी मार्च रामगढ़ कॉलेज से प्रारंभ होकर विभिन्न मार्गों से होकर वापस कॉलेज परिसर में संपन्न हुआ. मार्च में बीएड महाविद्यालयों, राधा गोविंद विश्वविद्यालय के विद्यार्थी, स्वयंसेवी युवा और नागरिकों ने भाग लिया. मार्ग में "एकता में शक्ति" और "सरदार पटेल अमर रहें" के नारे गूंजते रहे. कार्यक्रम में रंगोली, झांकियाँ और सेल्फी प्वॉइंट्स ने आकर्षण बढ़ाया. युवाओं और कार्यकर्ताओं की सक्रिय भागीदारी, सांसद एवं विधायक की उपस्थिति ने सरदार@150 यूनिटी मार्च को रामगढ़ में ऐतिहासिक और सफल आयोजन बना दिया.

सांसद ने किया संजय सिंह स्टेडियम का निरीक्षण

हजारीबाग । सोमवार सुबह रामगढ़ के लिए प्रस्थान से पूर्व हजारीबाग लोकसभा क्षेत्र के सांसद और हजारीबाग जिला क्रिकेट संघ के अध्यक्ष मनीष जायसवाल ने संजय सिंह क्रिकेट स्टेडियम का औचक निरीक्षण किया. उन्होंने स्टेडियम की आधारभूत संरचना, ग्राउंड व्यवस्था और सुविधाओं का जायजा लिया और राष्ट्रीय स्तर के आयोजनों के लिए सुधार पर विस्तृत चर्चा की. निरीक्षण के दौरान सांसद ने अभ्यास कर रही झारखंड अंडर-23 वीमेंस टीम के कोच और खिलाड़ियों से मुलाकात की और उपलब्ध सुविधाओं तथा आतिथ्य सत्कार की सराहना की. उन्होंने टीम के सभी 18 खिलाड़ियों, कोच शुभलक्ष्मी शर्मा, सीमा सिंह, प्रकाश मुंडा, ट्रेनर प्रमोद कुमार और फिजियो स्वस्तिका कपाड़िया से व्यक्तिगत रूप से बातचीत कर उनका उत्साहवर्धन किया. सांसद ने जल्द होने वाले बीसीसीआई कूच बिहार ट्रॉफी टूर्नामेंट की तैयारियों का भी जायजा लिया.

कोडरमा — राजस्व मामलों पर एकदिवसीय कार्यशाला आयोजित

लंबित प्रकरणों के शीघ्र निष्पादन पर जोर

शुभम संदेश ।कोडरमा

उत्तरी छोटानागपुर प्रमंडल के अंतर्गत कोडरमा जिले के समाहरणालय सभागार में आज राजस्व मामलों पर एकदिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया. इस कार्यशाला की अध्यक्षता उत्तरी छोटानागपुर प्रमंडलीय आयुक्त पवन कुमार ने की. कार्यशाला में विभिन्न विभागों के पदाधिकारी उपस्थित थे और राजस्व मामलों से संबंधित महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तृत चर्चा हुई. कार्यशाला में द बिहार टीनेन्टस होलडिंग (मेंटेनेंस आफ रिकार्डस) एक्ट, 1973 की धारा 14, 15, 16 एवं 18, सीएनटी एक्ट, 1908 की धारा 46 एवं 49 तथा बीएलआर एक्ट, 1950 की धारा 4(एच) सहित विभिन्न प्रावधानों की समीक्षा की गई. इसके अलावा सीएनटी एक्ट,

1908 के सभी 13 संशोधनों, खास महल लैंड, जेबीसीए तथा लंबित केस हिस्ट्री पर भी विस्तृत जानकारी दी गई.

बैठक में भूमि हस्तांतरण, भूमि अधिग्रहण, बंदोबस्ती, लीज, दाखिल-खारिज, केवाला, खतियान जमाबंदी, एसी कोर्ट/डीसी कोर्ट मामलों, भूमि वापसी से जुड़े आदेश, उत्तराधिकार, वंशावली, पारिवारिक प्रमाण पत्र एवं अन्य राजस्व मामलों पर अधिकारियों को दिशा-निर्देश दिए गए. प्रमंडलीय आयुक्त पवन कुमार ने अंचलवार व विभागवार लंबित प्रकरणों की स्थिति की समीक्षा की और मामलों के समयबद्ध निष्पादन पर जोर दिया. उन्होंने कहा कि राजस्व मामलों का निष्पादन उच्च प्राथमिकता से किया जाए क्योंकि ये सीधे आम जनता से जुड़े होते हैं. आयुक्त ने अधिकारियों को पारदर्शिता एवं संवेदनशीलता बनाए रखते हुए प्रक्रियाओं का पालन करने की हिदायत दी. उन्होंने लंबित मामलों में आ रही चुनौतियों पर विस्तार से चर्चा की और विभिन्न नियमों एवं प्रक्रियाओं की जानकारी प्रदान की. कार्यशाला का समापन सभी अधिकारियों को आवश्यक दिशानिर्देश और समयबद्ध कार्रवाई के निर्देश के साथ किया गया, ताकि राजस्व मामलों के निपटान की गति और गुणवत्ता में सुधार सुनिश्चित हो सके. कार्यशाला में उपायुक्त ऋतुराज, उप विकास आयुक्त रवि जैन, अपर समाहर्ता पूनम कुजूर, अनुमंडल पदाधिकारी रिया सिंह, प्रभारी विधि शाखा प्रदीप कुमार शुक्ला, जिला भु-अर्जन पदाधिकारी ओम प्रकाश मंडल समेत अंचल अधिकारी एवं अन्य उपस्थित थे.

एक नजर

लावालौंग थाना क्षेत्र में पोस्ता-अफीम का खेत तैयार

चतरा । जिले के सुदूरवर्ती क्षेत्रों में लावालौंग थाना क्षेत्र सहित कुंदा, प्रतापुर और हंटरगंज प्रखंडों में पोस्ता की खेती पूरी कर अफीम उत्पादन के लिए खेत तैयार किए जा रहे हैं. अधिकांश खेती वन भूमि में टैक्टर और जेसीबी से की गई है. तस्करी के इस अवैध कारोबार में करोड़ों रुपये का लेन-देन होता है और अंतरराज्यीय तस्कर सक्रिय हैं. पोस्ता से निकली अफीम रिफाइन कर ब्राउन शुगर भी तैयार की जाती है, जिससे युवा वर्ग प्रभावित हो रहा है. पुलिस और वन विभाग की कार्रवाई सीमित रही है. विशेषकर टिकुलिया, जोभी, चेतमटांड़, धारधारिया ढोंढा, कुटसेल, पिपराटंड, मार्छीबैयर, होशिर, गैरवाडीह, गरहे, पासागण, कुम्हिया, चाडी, छगरी डहेर और मौसरी तेली-बिगुगड़ना में तस्कर सक्रिय हैं. एसपी सुमित कुमार अग्रवाल ने पोस्ता खेती रोकने और जागरूकता अभियान चलाने के निर्देश दिए हैं.

सदर अस्पताल परिसर में गंदा पानी, परेशानी

चतरा । सदर अस्पताल परिसर में गंदा पानी बहने से मरीजों और उनके परिजनों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है. मुख्य मार्ग पर बह रहे गंदे पानी के कारण परिसर की जगह कीचड़मय हो गई है और दुर्गंध से वातावरण असहनीय हो गया है. लोग फांग कर ही अस्पताल में प्रवेश करने को मजबूर हैं. कई बार प्रशासन और अस्पताल प्रबंधन को समस्या की जानकारी दी गई, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई. जिले के एकमात्र सदर अस्पताल में रोजाना बड़ी संख्या में मरीज इलाज के लिए आते हैं, जिससे स्थिति और भी गंभीर हो रही है. मरीजों और परिजनों ने उपायुक्त से जल निकासी की प्रभावी व्यवस्था कर गंदे पानी को रोकने की मांग की है.

झारखंड आंदोलनकारियों की सूची पर विवाद, जांच हो

चौपारण (हजारीबाग) । में झारखंड स्थापना दिवस के अवसर पर आयोजित आंदोलनकारियों के सम्मान समारोह के बाद सूची में शामिल 20 नए नामों को लेकर विवाद तेज हो गया है. बरही के पूर्व विधायक उमाशंकर अकेला ने इन नामों पर एतराज जताते हुए कहा कि अधिकांश व्यक्तियों की उम्र 50–55 वर्ष के आसपास है और यह सवाल उठता है कि क्या वे आंदोलन के निर्णायक दौर में सक्रिय थे. उन्होंने राज्य सरकार से दस्तावेज़, पुरालेख और गवाहों के आधार पर निष्पक्ष जांच की मांग की. कुछ नाम तो पिछले 35 वर्षों से मुंबई के निवासी हैं, जिससे कर्तव्यहीनता की आशंका जताई गई है. एसडीओ जोहन टुडू ने स्पष्ट किया कि सूची राज्य स्तर पर अधिकारियों और झारखंड आंदोलनकारी संघ के साथ तैयार की गई थी, स्थानीय प्रशासन केवल आयोजन कर रहा था. किसी लिखित शिकायत मिलने पर उसे राज्य सरकार को भेजा जाएगा.

चौपारण में सरकारी बंदोबस्ती भूमि पर अवैध कब्जा

चौपारण । चौपारण (हजारीबाग) के तेतेरिया पंचायत में सरकारी बंदोबस्ती भूमि पर अवैध कब्जे का विवाद तेज हो गया है. ग्राम तेतरिया के भूमिहीन परिवारों ने आरोप लगाया कि उनकी पुश्तैनी बंदोबस्ती भूमि पर कब्जा करने की कोशिश की जा रही है, जिससे उनके जीवनयापन पर संकट खड़ा हो गया है. केलु भुइंया ने बताया कि उनके पूर्वजों को वर्ष 1970 में खाता और प्लॉट नंबर 8 की बंदोबस्ती भूमि मिली थी. वर्ष 2003 में यह भूमि क्रशर संचालन के लिए किराये पर दी गई थी, लेकिन अब करमा निवासी रामदेव यादव अवैध कब्जे का प्रयास कर रहा है. पूर्व विधायक उमाशंकर अकेला से परिवार ने मदद मांगी, उन्होंने आश्वासन दिया कि किसी कमजोर परिवार के साथ अन्याय नहीं होने देंगे. पीड़ितों ने अंचल अधिकारी और उपायुक्त हजारीबाग से जमीन का कब्जा वापस दिलाने और अवैध कब्जा हटाने की मांग की है. मामला ग्रामीणों के लिए चिंता का बड़ा मुद्दा बन गया है.

बालू का अवैध कारोबार बढ़ा, प्रशासन मौन

चौपारण (हजारीबाग) । प्रखंड में बालू के अवैध खनन और ढुलाई का मामला गंभीर चिंता का विषय बन गया है. स्थानीय लोग बताते हैं कि दिन के उजाले में ट्रैक्टरों के माध्यम से बालू खुलेआम ढोया जा रहा है, जबकि प्रशासन की ओर से कोई ठोस रोकथाम दिखाई नहीं दे रही. न रात्रि गश्ती प्रभावी है और न ही बालू घाटों पर कड़ी निगरानी. इससे ग्रामीणों में यह धारणा बनी है कि अवैध कारोबारियों पर प्रशासन का कोई भय नहीं रह गया है. स्थानीय लोगों का कहना है कि इतने बड़े पैमाने पर अवैध खनन केवल "ऊपर से नीचे तक" सहमति के बिना संभव नहीं. ट्रैक्टर कभी पकड़े नहीं जाते, जबकि आम वाहनों की नियमित जांच होती है. थाना प्रभारी सरोज सिंह चौधरी ने कहा कि अंचल प्रशासन सहयोग मांगे तो मदद करेंगे, लेकिन ग्रामीणों का मानना है कि केवल संयुक्त प्रयास से ही प्रभावी रोकथाम हो सकती है. जनाक्रोश बढ़ रहा है और लोग उच्च अधिकारियों से तत्काल कार्रवाई की उम्मीद कर रहे हैं.

बेयोंड बुक्स मॉडल लाइब्रेरी का भव्य उद्घाटन

रामगढ़ । सीसीएल रजरप्पा क्षेत्र द्वारा कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व (सीएसआर) के तहत शिक्षा को सशक्त बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल करते हुए सरस्वती विद्या मंदिर रजरप्पा में 'बेयोंड बुक्स' मॉडल लाइब्रेरी का उद्घाटन किया गया. कार्यक्रम में हजारीबाग लोकसभा क्षेत्र के सांसद मनीष जायसवाल एवं रजरप्पा क्षेत्र के महाप्रबंधक राजीव सिंह ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर और पुष्प अर्पित कर पुस्तकालय का शुभारंभ किया. सांसद मनीष जायसवाल ने विद्यार्थियों से अपील की कि वे आधुनिक सुविधाओं से युक्त इस लाइब्रेरी का अधिकतम उपयोग कर अपने ज्ञान और कौशल को विकसित करें. राजीव सिंह ने कहा कि सीसीएल रजरप्पा का सीएसआर प्रयास शिक्षा, स्वास्थ्य और सामुदायिक विकास के लिए लगातार जारी है. प्राचार्य उमेश प्रसाद ने विद्यार्थियों के लिए पुस्तकालय के महत्व को रेखांकित करते हुए इसे ज्ञान और कल्पना का केन्द्र बताया.

हंटरगंज प्रखंड में प्रखंड स्तरीय कार्यक्रम आयोजित

चतरा । हंटरगंज प्रखंड के राम नारायण टेन प्लस टू उच्च विद्यालय परिसर में सोमवार को झारखंड की रजत जयंती के अवसर पर प्रखंड स्तरीय कार्यक्रम का आयोजन किया गया. कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रधानाचार्य अनूप कुमार ने की. मुख्य अतिथि के रूप में चतरा विधायक जनार्दन पासवान और जिला परिषद अध्यक्ष ममता कुमारी उपस्थित थे. विधायक जनार्दन पासवान ने अपने संबोधन में छात्रों से अधिक ध्यान देकर शिक्षा प्राप्त करने की अपील की और कहा कि शिक्षित होने से ही पूरा परिवार शिक्षित और समृद्ध बन सकता है. उन्होंने छात्राओं को विशेष रूप से पढ़ाई से संबंधित मोबाइल उपयोग तक सीमित रहने की सलाह दी. उन्होंने कहा कि शिक्षा ही हर मंजिल पाने का मार्ग है. जिला परिषद अध्यक्ष ममता कुमारी ने छात्रों को शिक्षा में उत्कृष्टता प्राप्त करने की प्रेरणा दी और कहा कि शिक्षा से ही परिवार और समाज का नाम रोशन किया जा सकता है. कार्यक्रम में प्रथम, द्वितीय और तृतीय स्थान प्राप्त छात्रों को प्रशस्ति पत्र एवं पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया. इस अवसर पर प्रखंड विकास पदाधिकारी निखिल गौरव कुमार कच्छप, जिला परिषद प्रतिनिधि बेचन पासवान, विधायक प्रतिनिधि रोशन सिंह, विनय गुप्ता, वकील खान सहित कई लोग उपस्थित थे.

जिला कल्याण विभाग की योजनाओं की समीक्षा

चतरा । एसडीएम सह जिला कल्याण पदाधिकारी जहूर आलम ने जिला कल्याण विभाग की लंबित योजनाओं की गहन समीक्षा की. बैठक में सहायक अभियंता, कनीय अभियंता, कार्यालय कर्मचारी एवं लाभुक समिति के अध्यक्ष एवं सचिव उपस्थित थे. समीक्षा में कब्रिस्तान परिक्षेत्र संरक्षण विकास योजना, सरना मसना परिक्षेत्र संरक्षण विकास योजना, धुमकुड़िया भवन निर्माण संरक्षण विकास योजना आदि पर विशेष ध्यान दिया गया. एसडीएम जहूर आलम ने स्पष्ट निर्देश दिए कि निर्माण कार्य केवल प्रशासनिक स्वीकृति प्राप्त भूखंड एवं मौजा में ही किया जाए. निर्माण की पहली किस्त के भुगतान के समय राजस्व कर्मचारी की रिपोर्ट एमबी के साथ अनिवार्य रूप से प्रस्तुत करनी होगी. बैठक में लंबित कार्यों, भुगतान और विवादों पर लाभार्थी समिति एवं कर्मचारियों से विस्तार से पूछताछ की गई. यह जिला कल्याण विभाग द्वारा इस प्रकार की पहली बैठक थी, जिसका उद्देश्य योजनाओं को पारदर्शी और विवाद मुक्त बनाना है.

भुगतान की मांग को लेकर धरना प्रदर्शन आज

गुमला। धान की खरीददारी पर किसानों को न्यूनतम समर्थन मूल्य हाथों-हाथ भुगतान करने की मांग को लेकर प्रगतिशील मजदूर किसान यूनियन मंगलवार को गुमला कचहरी परिसर में सांकेतिक धरना प्रदर्शन किया जाएगा. यह जानकारी प्रगतिशील मजदूर किसान यूनियन के जिला प्रभारी आदित्य सिंह ने दी. प्रगतिशील मजदूर किसान यूनियन के मातृ संगठन झारखंड नवनिर्माण दल के संयोजक विजय कुमार सिंह ने बताया कि किसानों से धान खरीदी पर हाथों-हाथ भुगतान की मांग को लेकर मुख्यमंत्री और कृषि मंत्री को पत्राचार किया गया है. पत्र में कहा गया है कि भुगतान में विलंब होने के कारण किसान सरकार द्वारा धान खरीदी पर घोषित न्यूनतम समर्थन मूल्य 24.50 पैसे का लाभ नहीं उठा पाते हैं.

तुरीयाडीह गांव में शहीद संतोष उरांव स्मृति जतरा का आयोजन

शुभम संदेश। घाघरा (गुमला)

घाघरा प्रखंड के तुरीयाडीह गांव में शहीद संतोष उरांव स्मृति जतरा का आयोजन बड़े हर्षोल्लास के साथ किया गया. यह आयोजन पढ़ा पचोरा जतरा के अवसर पर आयोजित किया गया था. कार्यक्रम में सीआरपीएफ डीआईजी रविंद्र भगत, डीसीजी उरांव, ह्यूमन प्राइड ग्लोबल फाउंडेशन की झारखंड प्रभारी नीरू भगत, एसआई मृत्युंजय मिश्रा, शहीद संतोष की पत्नी और माता समेत अन्य गणमान्य अतिथियों ने शहीद संतोष उरांव के चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी.

जतरा के दौरान चार दिवसीय फुटबाल टूर्नामेंट का फाइनल मुकाबला बेती पतरा टोली और सीएम घाघरा टीम के बीच खेला गया. रोमांचक मुकाबले में बेती पतरा टोली ने एक गोल की बढ़त के साथ जीत हासिल की. विजेता और उपविजेता टीमों को अतिथियों द्वारा ट्रॉफी और पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया.

जतरा कार्यक्रम में गांव से आए खोड़हा दल ने पारंपरिक वेशभूषा में गीत, संगीत और नृत्य प्रस्तुत कर अपनी कला, संस्कृति और प्रतिभा का शानदार प्रदर्शन किया. इस प्रस्तुति के माध्यम से उन्होंने परंपरा और संस्कृति को अक्षुण रखने का संदेश दिया. सीआरपीएफ डीआईजी रविंद्र भगत ने जतरा और फुटबाल टूर्नामेंट के सफल आयोजन के लिए आयोजकों और टीम को बधाई दी. कहा कि युवाओं को शहीद संतोष उरांव के जीवन से प्रेरणा लेने की आवश्यकता है और नशा-पान से दूर रहकर समाज में अपना बहुमूल्य योगदान देना चाहिए. सीआरपीएफ डीसी ने शहीद संतोष के बलिदान को याद करते हुए कहा कि युवा उनके पदचिह्नों पर चलते हुए देश सेवा में अपनी भूमिका निभाएं.

कार्यक्रम में उपस्थित पंचायत समिति सदस्य रामवृत उरांव, रवि पहान, बिशु उरांव, संतराम उरांव, जितेंद्र उरांव, संजीव उरांव, परमेश्वर उरांव, देवानंद उरांव, बल्कु उरांव, महादेव उरांव, फुलसुंदरी उरांव समेत दर्जनों ग्रामीण महिला और पुरुष शामिल हुए. इस आयोजन ने न केवल शहीद संतोष उरांव की याद को जीवंत रखा, बल्कि युवाओं में देशभक्ति और समाज सेवा के प्रति जागरूकता भी बढ़ाई.

रामरेखा महोत्सव के आयोजन की डीसी ने की समीक्षा

सिमडेगा। उपायुक्त सिमडेगा कंचन सिंह की अध्यक्षता में प्रथम राजकीय रामरेखा महोत्सव-सह-मेला के सफल आयोजन के बाद रामरेखा धाम समिति के सदस्यों के साथ समीक्षा बैठक आयोजित की गई. बैठक में रामरेखा धाम को पर्यटन की दृष्टि से विकसित करने की संभावनाओं पर विस्तार से चर्चा हुई. उपायुक्त ने कहा कि इस वर्ष पहली बार बड़े पैमाने पर आयोजित महोत्सव में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ पहुंची, जिससे कुछ व्यवस्थागत चुनौतियां सामने आईं. इन चुनौतियों को ध्यान में रखते हुए अगले वर्ष आयोजन को और व्यवस्थित एवं सुगम बनाने के लिए ठोस कार्ययोजना तैयार की जा रही है. बैठक में पार्किंग व्यवस्था बढ़ाने, श्रद्धालुओं की आवाजाही के लिए वैकल्पिक मार्ग तैयार करने, विद्युत, नेटवर्क, संचार और पेयजल व्यवस्था को सुदृढ़ करने पर विशेष बल दिया गया. समिति ने कैरबेड़ा चौक से भूम्भू, बानाबिरा से कोण्डरा और शहीद स्थल से रामरेखा मंदिर के नीचे बेस गांव तक तीन नए मार्ग विकसित करने का प्रस्ताव रखा. इन मार्गों से जाम की समस्या दूर होगी. घाटी क्षेत्र की चौड़ीकरण हेतु फॉरेस्ट क्लीयरेंस के लिए पथ निर्माण विभाग को प्रस्ताव भेजने का निर्णय भी लिया गया. मेला क्षेत्र को आकर्षक और सुव्यवस्थित बनाने के लिए दुकानों को श्रेणीवार अलग-अलग लगाने, मेला परिसर के विस्तार और साफ-सफाई पर ध्यान देने की सहमति बनी. उपायुक्त ने अगले वर्ष थर्माकोल और प्लास्टिक पर पूर्ण प्रतिबंध लगाने का निर्देश दिया. अंत में समिति ने सफल आयोजन में प्रशासनिक सहयोग के लिए जिला प्रशासन के प्रति आभार व्यक्त किया. बैठक में उप विकास आयुक्त, अपर समाहर्ता, अनुमंडल पदाधिकारी, जिला खेल पदाधिकारी, नजारा उप समाहर्ता-सह-प्रखंड विकास पदाधिकारी, प्रखंड विकास पदाधिकारी पाकरटांड़ सहित अन्य पदाधिकारी एवं समिति सदस्य उपस्थित थे.

अविराम स्कूल में साइंस एग्जीबिशन का आयोजन

लोहरदगा। अविराम स्कूल ऑफ़ एक्सीलेंस में हाल ही में विज्ञान एग्जीबिशन और अविराम हाट का भव्य आयोजन किया गया. कार्यक्रम का उद्घाटन सचिव इंद्रजीत भारती ने किया. उन्होंने सभी प्रतिभागियों को बधाई देते हुए कहा कि "मैं आशा करता हूँ कि बच्चे विज्ञान की नई राह खोजते रहें. आज की प्रदर्शनी बच्चों की रचनात्मकता और वैज्ञानिक सोच का सुंदर परिणाम है." साइंस एग्जीबिशन में विभिन्न कक्षाओं के छात्रों ने अपने नवाचार और प्रयोग प्रस्तुत किए. कक्षा चौथ के छात्रों ने वाटर प्यूरीफायर का मॉडल तैयार किया, कक्षा नवम के छात्रों ने चंद्रयान-3 का प्रदर्शन किया, जबकि कक्षा दसवीं के छात्रों ने टोल गेट का मॉडल प्रदर्शित किया. इस तरह बच्चों ने विज्ञान के क्षेत्र में अपनी समझ और रचनात्मकता का परिचय दिया. इसी अवसर पर आयोजित अविराम हाट में विभिन्न कक्षाओं के छात्रों ने स्वादिष्ट और आकर्षक स्टाल लगाए. कक्षा सप्तम ने गुलाब जामुन स्टाल लगाया, कक्षा अष्टम ने मोमो स्टाल प्रस्तुत किया, नवम ने दही बड़ा स्टाल और किमी कॉस्मेटिक एंड आर्ट्स स्टाल लगाया. इस हाट ने बच्चों की व्यावसायिक सोच और कलात्मक क्षमता को भी प्रदर्शित किया. कार्यक्रम में विद्यालय की प्रधानाचार्य प्यारी, शशि, चीनीवास, सुनीता, रौशन, शबनम, काजल, संगीता, पूजा, प्राची, अफसाना, तारामणि, बबीता, खुशबू, अनुषा, खालदा, शुभम सर एवं प्रीति सहित भारी संख्या में अभिभावक उपस्थित रहे. इस आयोजन ने बच्चों और अभिभावकों में उत्साह और सहयोग की भावना को बढ़ाया. संपूर्ण कार्यक्रम ने यह दिखा दिया कि अविराम स्कूल ऑफ़ एक्सीलेंस न केवल शिक्षा बल्कि रचनात्मक और वैज्ञानिक गतिविधियों में भी छात्रों को प्रोत्साहित करता है.

भू-माफियाओं पर ग्रामीणों ने लगाया गंभीर आरोप

लोहरदगा। जिले के किस्को प्रखंड क्षेत्र अंतर्गत ग्राम पंचायत नवाडीह के नारी साहू मुहल्ला के ग्रामीणों ने भू-माफियाओं पर गंभीर आरोप लगाते हुए प्रशासन से तत्काल हस्तक्षेप की मांग की है. ग्रामीणों ने अंचलाधिकारी अजय कुमार को लिखित आवेदन देकर बताया कि कुछ स्थानीय लोग वर्षों पुराने गैर-मजरूआ जमीन पर अवैध कब्जा कर उसे बेचने का प्रयास कर रहे हैं. ग्रामीणों का कहना है कि यह जमीन उनके पुरखों के समय से धार्मिक कार्यों के लिए उपयोग में रही है. पूर्व में स्थानीय प्रशासन ने इस जमीन को गैर-मजरूआ घोषित कर उसे किसी भी प्रकार के निर्माण और बिक्री से रोक रखा था. आवेदन में ग्रामीणों ने कहा कि भू-माफिया खुलेआम जमीन की मापी करवा रहे हैं, जिससे क्षेत्र में विवाद की स्थिति उत्पन्न होने का खतरा है. ग्रामीणों ने अंचलाधिकारी से अवैध कब्जा रोकने, जमीन की पुनः जांच कराने और दोषियों के खिलाफ कठोर कार्रवाई करने की मांग की है.

फटे पाइप लाइन से पानी की हो रही है बर्बादी

गुमला। लोहरदगा रोड स्थित महेश्वरी धर्मशाला के समीप पानी सप्लाई का पाइप फट गया है. जिस कारण पिछले चार दिनों से पानी खुले सड़क पर बह रहा है और बर्बाद हो रहा है. जल संरक्षण को लेकर प्रशासनिक, राजनीतिक, सामाजिक एवं स्वयं सेवी संगठन समय-समय पर कार्यशाला कर चिंता व्यक्त करते रहे हैं लोगों को जागरूक भी करते रहे हैं लेकिन धरातल पर यह जागरूकता कार्यक्रम का कोई असर नहीं देखने को मिलता है इसका प्रत्यक्ष प्रमाण है महेश्वर धर्मशाला के समीप बहता और बर्बाद होता जल प्रवाह. पिछले चार दिनों से लगातार पानी बह रहा है. परोपर देख रेख के अभाव में पानी बर्बाद हो रहा है. बहते हुए पानी को रोकने के दिशा में न तो विभागीय पदाधिकारी गंभीर है और नहीं ही कर्मचारी. स्थानीय लोगों की माने तो तीन से चार दिनों में लाखों लीटर पानी बर्बाद हो चुका है. स्थानीय लोगों ने तत्काल पाइप लाइन को मरम्मत किए जाने की विभाग से मांग की है.

राष्ट्रीय प्रेस दिवस पर संगोष्ठी का आयोजन, बोले डीपीआरओ

पत्रकारों के सुझावों को उपायुक्त तक पहुंचाएंगे

शुभम संदेश। गुमला

जिला सूचना एवं जन संपर्क विभाग द्वारा गुमला के सूचना भवन में सोमवार को राष्ट्रीय प्रेस दिवस के अवसर पर बढ़ती भ्रामक सूचनाओं के बीच प्रेस की विश्वसनीयता का संरक्षण विषय पर संगोष्ठी का आयोजन किया गया. जिला सूचना एवं जन संपर्क पदाधिकारी ललन कुमार रजक की अध्यक्षता में आयोजित संगोष्ठी में पत्रकारों ने राष्ट्रीय प्रेस दिवस और देश समाज व क्षेत्र के विकास में प्रेस के योगदान पर अपने-अपने विचार व्यक्त किए. जिला प्रशासन के कार्यक्रमों की समय पर सूचना नहीं मिलने और कार्यक्रम स्थल से सूचना संकलन की सुविधा में प्रशासन और पत्रकारों के बीच बढ़ी दूरियां पर भी चर्चा की गई. कहा गया कि पत्रकार आईपीआरडी के न्यूज पर सिमट कर रह गया है, जिस कारण प्रशासनिक अधिकारियों और पत्रकारों के बीच की दूरियां बढ़ी है. निजी कार्य के लिए भी पत्रकारों को महीनों अधिकारियों के कार्यालय का चक्कर काटना पड़ता है ऐसे में आम जनता के कार्य का निष्पादन का अंदाजा सहज ही लगाया जा सकता है. गुमला के गौरवशाली इतिहास पर चर्चा की गई. तत्कालीन उपायुक्त सुशांत गौरव के कार्य, पत्रकारों के साथ मासिक प्रेस वार्ता, पत्रकारों को हर संभव मदद दिलाने की पहल की प्रशंसा की गई. कहा कि गुमला में हुए बेहतर विकास कार्य के लिए तत्कालीन उपायुक्त को राष्ट्रपति सम्मान से सम्मानित मिला है वहीं गुमला के दो पत्रकारों को भी राष्ट्रपति सम्मान मिला है. इससे साबित होता है कि गुमला में निश्चित रूप से प्रशासनिक एवं पत्रकारिता का कार्य बेहतर हो रहा है.

कार्यपालिका और पत्रकारिता के बीच बेहतर समन्वय बनाए जाने की आवश्यकता पर बल दिया गया और गुमला में पत्रकार कालोनी, प्रेस क्लब भवन, समाहरणालय में पत्रकारों की बैठने की सुविधा, बड़े कार्यक्रमों में प्रेस दीर्घा, मासिक प्रेस कांफ्रेंस आदि के सुझाव दिए गए. जिला सूचना जन संपर्क पदाधिकारी ललन रजक ने कहा कि कार्यक्रम में उपायुक्त किसी व्यस्त कार्य के लिए नहीं आई हैं, लेकिन आप लोगों की सभी बातें उन तक पहुंचेगी. उनका प्रयास होगा कि अधिकारियों और पत्रकारों के बीच की दूरियां घटेगी और बेहतर समन्वय बनाकर गुमला जिले को विकास की राह पर ले जाएंगे. कार्यक्रम में एलीना दास, बलदेव शर्मा, अमरनाथ, दुर्जय पासवान, संतोष कुमार, अनिल सागर सिंह, दीपक राम, नरेश कुमार, सुशील सिंह, गणपत चौरसिया, आरिफ अख्तर हुसैन, मुकेश कुमार सोनी, सुधाकर कुमार, गुडडू चौरसिया, हरिओम सुधांशु, राम लखन, दीवाकर अनंत राम, किशोर जायसवाल, मो. रागीव, रुपेश कुमार, बसंत गुप्ता, रणधीर निधि रवि रंजन, अंशु निधि मौजूद थे.

जलडेगा में मनाई गई बिरसा मुंडा की जयंती

सिमडेगा। जलडेगा प्रखंड अंतर्गत ओड़गा उत्क्रमित उच्च विद्यालय के मैदान में सोमवार को 25वां झारखंड स्थापना दिवस और भगवान बिरसा मुंडा की 150वीं जयंती रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रमों के साथ मनाया गया. कार्यक्रम की शुरुआत आदिवासी परंपरा अनुसार ओड़गा पहान पावन जोजो द्वारा पूजा अर्चना एवं भगवान बिरसा मुंडा की प्रतिमा पर माल्यार्पण और श्रद्धा सुमन अर्पित कर हुई. कार्यक्रम में जदुरा नृत्य सहित विभिन्न सांस्कृतिक प्रस्तुतियां प्रस्तुत की गई. मुख्य अतिथि के रूप में जलडेगा कांग्रेस प्रखंड अध्यक्ष सुशील जड़िया और विशिष्ट अतिथि के रूप में ओड़गा मुखिया मुकुट समद, पंचायत समिति सदस्य एवं मिशन बदलाव जिला अध्यक्ष दीपक कुमार महतो, एसआई प्रमोद कुमार उपस्थित थे. कुल 9 टीमों ने भाग लिया, जिसमें प्रथम स्थान ओड़गा कदमटोली, द्वितीय स्थान ओड़गा स्टेशन टोली और तृतीय स्थान ओड़गा पहाड़ टोली को मिला. प्रथम पुरस्कार कांग्रेस प्रखंड अध्यक्ष सुशील जड़िया को मिला.

भंडरा में कड़ाके की ठंड से जनजीवन प्रभावित घना कोहरा छाया, सड़कों पर पसरा सन्नाटा

शुभम संदेश। लोहरदगा

भंडरा और लोहरदगा क्षेत्रों में कड़ाके की ठंड ने जनजीवन को अस्त-व्यस्त कर दिया है. लोग घरों में दुबकने को मजबूर हैं और ठंड से राहत पाने के लिए अलाव जलाने को मजबूर हैं. विगत पांच दिनों से लगातार मौसम की सर्दी से जनजीवन प्रभावित है. सोमवार सुबह घना कोहरा छाए रहने के कारण ठंड अपने चरम पर रही और सड़कों पर सन्नाटा पसरा रहा. लोग दिन के समय भी ठंड के कारण जल्दी घर लौट जाते हैं. हालांकि दोपहर में हल्की धूप निकलने से कुछ देर के लिए राहत मिली, लेकिन मौसम फिर अपना तीव्र रूप दिखा रहा है. भीषण ठंड ने दिहाड़ी मजदूरों की रोजी-रोटी पर भी असर डाला है. भंडरा के मजदूर बीजू उरांव ने बताया कि ठंड में सुबह 6 बजे अकाशी से रांची के लिए ट्रेन पकड़ कर मजदूरी करने जाना पड़ता है, लेकिन इस मौसम में रोज काम नहीं मिलने से परेशानी बढ़ रही है. कई मजदूर कंपकंपाते हुए बाहर निकलते हैं और काम मिलने में कठिनाई का सामना कर रहे हैं. कृषि विशेषज्ञों का कहना है कि बढ़ी हुई ठंड गेहूं की फसल के लिए फायदेमंद साबित हो सकती है. ठंड से गेहूं की फुटाव अच्छी होगी और सीचाई की समस्या भी कम होगी. वहीं, सब्जियों और चारे की फसल पर ठंड और पाले का नकारात्मक प्रभाव पड़ रहा है, जिससे किसानों को नुकसान का सामना करना पड़ रहा है. स्वास्थ्य विभाग ने सर्दी से बचाव को लेकर सतर्क रहने की सलाह दी है.

एक नजर

मुखिया प्रताप मुंडा को सुदेश महतो ने दी श्रद्धांजलि

सोनाहातू। प्रखंड के हेसाडीह पंचायत के मुखिया प्रताप सिंह मुंडा के निधन के बाद सोमवार को आजसू पार्टी के केंद्रीय अध्यक्ष सुदेश महतो उनके निवास पहुंचे और उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की. सुदेश महतो ने मुखिया प्रताप सिंह मुंडा की तस्वीर पर पुष्प अर्पित कर उन्हें याद किया और उनके परिजनों से भेंट कर सांत्वना दी. मुखिया प्रताप सिंह मुंडा का निधन 7 नवंबर को हुआ था. इस दौरान मौके पर पार्टी के अन्य पदाधिकारी और स्थानीय नेता भी मौजूद रहे. इसमें आजसू पार्टी के जयपाल सिंह, सिल्ली प्रमुख जितेंद्र बड़ाइक, चितरंजन महतो, श्याम महतो, रमेश सिंह मुंडा, रमेश महतो और क्षेत्रीय नेता मोहन सिंह मुंडा शामिल थे. सुदेश महतो ने अपने संदेश में कहा कि प्रताप सिंह मुंडा ने समाज और पंचायत के विकास में महत्वपूर्ण योगदान दिया और उनका निधन सभी के लिए अपूरणीय क्षति है. उन्होंने परिजनों के प्रति संवेदना व्यक्त की और उनके परिवार को इस कठिन समय में साहस बनाए रखने की अपील की. मुखिया प्रताप सिंह मुंडा का व्यक्तित्व सरल, समर्पित और समाजसेवी था, जिससे उनका निधन क्षेत्रवासियों के लिए गहरी क्षति का कारण बना. श्रद्धांजलि देने के दौरान स्थानीय लोग भी उपस्थित रहे और उन्होंने अपने नेताओं को याद कर उनका सम्मान किया.

लचरागढ़ से क्रिकेट लीग के लिए अंडर-16 टीम रवाना

सिमडेगा। कोलेबिरा प्रखंड क्षेत्र के लचरागढ़ क्रिकेट क्लब अंडर-16 टीम आज जिला क्रिकेट लीग प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए रवाना हुई.प्रस्थान से पूर्व दीप विकास समिति,झारखंड की ओर से सभी खिलाड़ियों को नई जर्सी प्रदान की गई. जर्सी का वितरण संस्था के सक्रिय सदस्य रितिक साहू द्वारा किया गया. कुल 26 खिलाड़ी इस प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए सिमडेगा रवाना हुए. टीम के उत्साह और मनोबल को बढ़ाने के लिए कार्यक्रम स्थल पर कई प्रमुख लोग उपस्थित रहे.इस दौरान लाचरागढ़ क्रिकेट टीम के संस्थापक सुमित पांडा, रूजन नायक और अमित पांडा, सूरज साहू समेत कई अन्य वरिष्ठ सदस्य मौजूद थे. सभी खिलाड़ियों ने बेहतर प्रदर्शन की सलाह दी. टीम प्रबंधन और संस्थापकों को उम्मीद है कि इस जिला डिवीजन लीग में उनका प्रदर्शन क्लब के भविष्य के लिए एक महत्वपूर्ण कदम होगा.

वरिष्ठ नागरिक भरण-पोषण अधिनियम पर कार्यक्रम

लोहरदगा। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण लोहरदगा के द्वारा सदर प्रखण्ड स्थित सभा कक्ष में माता-पिता एवं वरिष्ठ नागरिक भरण-पोषण एवं कल्याण अधिनियम 2007 के तहत जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया. कार्यक्रम का संचालन डालसा सचिव राजेश कुमार ने किया. उन्होंने बताया कि यह कानून वरिष्ठ नागरिकों के भरण-पोषण, स्वास्थ्य सेवाओं और संपत्ति की सुरक्षा सुनिश्चित करता है. डालसा सचिव ने कहा कि बच्चों का दायित्व है कि वे अपने माता-पिता की देखभाल ईमानदारी से करें. बीडीओ ठाकुर गौरी शंकर शर्मा ने कहा कि माता-पिता को सम्मान के साथ जीवन जीने का अधिकार है और सरकार ने इसके लिए कानून और योजनाएं बनाई हैं.

विधिक जागरूकता शिविर में वृद्धों को मिला कंबल

गुमला। सिलम स्थित वृद्धा आश्रम में सोमवार को जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के तत्वावधान में एक विशेष विधिक जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया. इस कार्यक्रम का उद्देश्य वृद्धजन के अधिकारों, उनके भरण-पोषण और समाज में उनके महत्व के बारे में जागरूकता फैलाना था. कार्यक्रम में माननीय प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश ध्रुव चंद्र मिश्रा ने वृद्धजनों का मनोबल बढ़ाया और उन्हें याद दिलाया कि वे भी बड़े परिवार का अहम हिस्सा हैं. उन्होंने कहा कि यदि वृद्धजन या उनके अभिभावक भरण-पोषण में किसी प्रकार की कठिनाई का सामना कर रहे हैं, तो वे संबंधित अधिकारियों या संगठनों से सहायता प्राप्त कर सकते हैं.

वरिष्ठ नागरिक भरण-पोषण अधिनियम पर कार्यशाला

सिमडेगा। सिमडेगा कॉलेज में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के द्वारा माता-पिता एवं वरिष्ठ नागरिक भरण-पोषण एवं कल्याण अधिनियम, 2007 पर एक दिवसीय जागरूकता कार्यशाला का आयोजन किया गया. कार्यक्रम का शुभारंभ पदाधिकारी न्यायाधीश-सह-अध्यक्ष पीडीजे श्री राजीव कुमार सिन्हा, उपायुक्त श्रीमती कंचन सिंह, एसडीओ श्री प्रभात रंजन ज्ञानी, बार एसोसिएशन के अध्यक्ष श्री रामप्रीत प्रसाद, सचिव प्रद्युम्न सिंह एवं कॉलेज प्राचार्य प्रो. देवराज प्रसाद द्वारा संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलन कर किया गया. कार्यक्रम में मुख्य अतिथि पीडीजे श्री राजीव कुमार सिन्हा ने कहा कि समाज में अनेक वरिष्ठ नागरिक अकेलापन, असहायता और उपेक्षा का सामना कर रहे हैं. उन्होंने कॉलेज से अपील की कि विद्यार्थियों को वृद्धाश्रम का भ्रमण कराया जाए, जिससे उनमें संवेदनशीलता और सामाजिक उत्तरदायित्व की भावना विकसित हो. उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि भरण-पोषण ट्रिब्यूनल के आदेश की अवहेलना पर कड़ी दंडात्मक कार्रवाई की जा सकती है. उपायुक्त ने कहा कि बदलते सामाजिक ढांचे में माता-पिता की उपेक्षा बढ़ रही है.

दो नाबालिग सगी बहनों से सामूहिक दुष्कर्म

गुमला। दो सगी नाबालिग बहनों के साथ गैंगरेप मामले में भरनो थाना की पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर सोमवार को जेल भेज दिया है. दुष्कर्म की घटना शुक्रवार रात की बताई जा रही है. जानकारी के अनुसार सिसई थाना क्षेत्र के एक गांव की दो सगी बहन शुक्रवार को थाना क्षेत्र के ही एक गांव जतरा देखने गए थे. शाम होने पर दोनों अपने भरनो थाना क्षेत्र में अपने रिश्तेदार के घर जा रहे थे. रास्ते में एक स्कूटी चालक युवक ने उन्हें गांव तक पहुंचाने की बात कह कर अपने स्कूटी में बिठा लिया और गांव पहुंचने से पहले अपने मित्रों को फोन कर बुलाया और दोनों सगी बहनों से जबरन पांच से छह युवकों ने बारी-बारी से दुष्कर्म किया. दोनों बहनें अपने रिश्तेदारों की मदद से घर पहुंची और घटना की जानकारी दी. पीड़िता की मां शनिवार को भरनो थाना में पांच से छह युवकों के खिलापु सामूहिक दुष्कर्म की प्राथमिकी दर्ज करायी.

एबीवीपी धरती आबा भगवान बिरसा मुंडा की 150वीं जयंती पर एबीवीपी ने निकाली संदेश यात्रा

बिरसा मुंडा के विचारों को विद्यार्थियों तक पहुंचाना उद्देश्य

शुभम संदेश। गुमला

धरती आबा भगवान बिरसा मुंडा की 150वीं जयंती के अवसर पर अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद ने निकाली गई बिरसा संदेश यात्रा का सोमवार को गुमला में स्वागत किया गया. भगवान बिरसा मुंडा के जीवन, संघर्ष और विचारों को विद्यार्थियों तक पहुंचाने और उन्हें श्रद्धा सम्मान देने के उद्देश्य से खूंटी के उलिहातू से आरंभ बिरसा संदेश यात्रा सोमवार को गुमला पहुंचा. यात्रा के गुमला पहुंचने पर गुमला के अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के कार्यकर्ताओं ने हवाई अड्डा के समीप से बाइक यात्रा निकाल कर संदेश यात्रा का स्वागत किया. गुमला शहर के प्रमुख मार्ग सिसई रोड, थाना चौक, पटेल चौक, टावर चौक होते हुए संदेश यात्रा कार्तिक उरांव कालेज पहुंचा. इस बीच शहर में जगह-जगह पुष्प वर्षा कर बिरसा संदेश यात्रा रथ व यात्रियों का स्वागत किया गया. बाइक रैली स्वागत में गुरुकुल एकेडमी, कंप्यूटर सेंटर हबनेट, सबरी आश्रम की छात्राएं तथा केओ कॉलेज के छात्र शामिल थे. कार्तिक उरांव महाविद्यालय गुमला में छात्रों ने गर्मजोशी के साथ बिरसा संदेश यात्रा और यात्रा का नेतृत्व कर रहे प्रदेश संगठन मंत्री नीलेश कटारे का स्वागत किया गया.

कालेज मैदान में दीप प्रज्वलन कर मंचीय कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया. महाविद्यालय के प्राचार्य ने भगवान बिरसा मुंडा के जीवन, त्याग एवं संघर्ष पर प्रकाश डालते हुए यात्रा का अभिनंदन किया. सामाजिक कार्यकर्ता देवेंद्र लाल उरांव व अभाविप की पूर्व राष्ट्रीय मंत्री विनीता इंदवार ने झारखंड के गौरवशाली इतिहास का उल्लेख करते हुए छात्रों से भगवान बिरसा मुंडा के योगदान को सदैव स्मरण रखने का आह्वान किया. प्रदेश संगठन मंत्री नीलेश कटारे ने कहा कि भगवान बिरसा मुंडा एक ऐसे क्रांतिकारी योद्धा थे जिन्होंने अंग्रेजी शासन के विरुद्ध अदम्य साहस के साथ संघर्ष किया और उनकी प्रेरणा राष्ट्र की युवा शक्ति को दिशा देती है. यात्रा जनमानस एवं छात्र-शक्ति में बिरसा मुंडा के गौरवशाली इतिहास को पुनर्जीवित करने का कार्य करेगी. कार्यक्रम में गुमला नगर अध्यक्ष मनोज कुमार, नगर मंत्री ज्योतिष राम, आलोक प्रजापति, सपना तोपो, नवीन कुमार, सनी कुमार, मृणाल केसरी, केशव बड़ाईक, रोमा कुमारी, सोनू खड़िया, विष्णु सिंह आदि शामिल थे.

हॉकी: कुरडेग झारखंड ने फाइनल में 2-1 से जाऊकुदर ओडिशा को हराकर जीता खिताब

शुभम संदेश। सिमडेगा

बिरसा जयंती एवं झारखंड स्थापना दिवस के अवसर पर जामपानी स्थित पारिश पल्ली मैदान में फा. रेने देबक मेमोरियल पुरुष हॉकी टूर्नामेंट एवं सांस्कृतिक नृत्य प्रतियोगिता का भव्य समापन हुआ. फाइनल मुकाबले में कुरडेग झारखंड की टीम ने जाऊकुदर ओड़िशा को 2-1 से हराकर खिताब अपने नाम किया. विजेता टीम को 50,000 और उपविजेता टीम को 25,000 नगद पुरस्कार प्रदान किया गया. समारोह के मुख्य अतिथि, तोरपा विधायक सुदीप गुड़िया ने खिलाड़ियों को अनुशासन और खेल भावना के महत्व पर जोर दिया और कहा, ₹अनुशासन का अर्थ है नियमों की सीमाओं में काम करना, और यह जीवन में सबसे महत्वपूर्ण है.₹ उन्होंने सिमडेगा को हॉकी की नर्सरी के रूप में विश्व प्रसिद्ध बताते हुए जिले की प्रतिभाओं की सराहना की. विशिष्ट अतिथि झामुमो जिलाध्यक्ष अनिल कंडुलना ने आयोजन समिति और ग्रामीणों को धन्यवाद देते हुए कहा कि ऐसे कार्यक्रम खिलाड़ियों की प्रतिभा को सामने लाते हैं और सांस्कृतिक विरासत को मजबूत करते हैं. डीन फादर थॉमस सोरेंग ने भी सभी टीमों को खेल भावना, समर्पण और अनुशासन के साथ आगे बढ़ने की प्रेरणा दी. कार्यक्रम में मांडर, नगाड़ा और आधुनिक नृत्य सहित सांस्कृतिक नृत्य प्रतियोगिता भी आयोजित हुई, जिसमें श्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले प्रतिभागियों को पुरस्कृत किया गया. स्वागत भाषण फादर गब्रिएल डूंग डूंग ने दिया.

मंथन

बिहार में सीएम का चेहरा फिर नीतीश कुमार ही होंगे

बिहार विधानसभा चुनाव में जिस तरीके से एनडीए को प्रचंड बहुत मिला है उससे तो यही लगता है कि आने वाले समय में बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ही होंगे.वैसे भी देखा जाए तो नीतीश कुमार बिहार के सबसे अनुभवी और लंबे समय तक मुख्यमंत्री रहने वाले नेता हैं. 2025 के चुनाव में उनका राजनीतिक ब्रांड बहुत मजबूत रहा है. ऐसे विश्लेषक इस जीत को उनके "विकास-उन्मुख शासन" और जातिगत सामाजिक आधार (जैसे ईबीसी, महादलित, महिलाएं) के साथ जोड़कर देख रहे एनडीए के गठबंधन में उनकी भूमिका निर्णायक रही है. अमित शाह ने स्पष्ट किया है कि चुनाव के बाद सभी गठबंधन और जदयू नेताओं के बीच बैठक कर यह तय किया जाएगा कि मुख्यमंत्री कौन होगा. इसके अलावा, विपक्षी महागठबंधन के नेता तेजस्वी यादव ने दावा किया है कि अगर एनडीए सत्ता में लौटेगी, तो नीतीश कुमार सीएम नहीं होंगे. लेकिन अभी तक गठबंधन की ओर से नीतीश के नेतृत्व को व्यापक समर्थन मिलता दिख रहा है. कुछ राजनीतिक घटनाक्रम भी इस दिशा में जाने का संकेत देते हैं. उदाहरण के लिए, जदयू ने एक समय नीतीश टू रिटर्न सीएम वाला पोस्ट सोशल मीडिया पर डाला था, जिसे बाद में डिलीट किया गया-इस कदम ने अटकलों को हवा दी कि उन्हें मुख्यमंत्री बनाए जाने पर अभी भी चर्चाएं हैं. फिर भी कुछ चुनौतियां हैं. विपक्षी दलों और विश्लेषकों में यह सवाल बना हुआ है कि क्या उम्र, स्वास्थ्य, और लगातार राजनीतिक उतार-चढ़ाव के बीच नीतीश लंबे समय तक यह पद संभाल पाएंगे.

नजरिया

पूर्व पीएम शेख हसीना पर फैसला राजनीतिक असर दूरगामी होंगे

बांग्लादेश की राजनीति में एक भूकंप जैसा फैसला आया है-पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना को मानवता के खिलाफ अपराधों के जुर्म में अंतरराष्ट्रीय अपराध ट्रिब्यूनल (आईसीटी) ने मृत्युदंड सुनाया है. उनकी अनुपस्थिति में ही यह फैसला सुनाया गया क्योंकि वह इस समय भारत में हैं. यह फैसला सिर्फ एक कानूनी घटना नहीं है - इसके राजनीतिक असर दूरगामी होंगे. सबसे पहले, हसीना के समर्थकों और अवामी लीग पार्टी के लिए यह बड़ा झटका है. उन्होंने पहले भी फैसला को "राजनीतिक रूप से प्रेरित" करार दिया है और इसे असंवैधानिक ट्रिब्यूनल का परिणाम बता रहे हैं. हसीना ने भी अपने ऑडियो सन्देश में समर्थकों से आंदोलन जारी रखने की अपील की है. दूसरी ओर, इस फैसले के बाद बांग्लादेश में राजनीतिक अस्थिरता की संभावना बढ़ गई है. उच्च सुरक्षा अलर्ट जारी कर दिया गया है, और पहले ही राजधानी ढाका में विस्फोट और हिंसा की खबरें आ रही थीं. इसके अतिरिक्त, यह कदम बांग्लादेश की लोकतांत्रिक संरचना और भविष्य के चुनावों को भी प्रभावित कर सकता है. हसीना की पार्टी पर पहले ही प्रतिबंध है, और यदि उनके खिलाफ कड़ी कार्रवाई जारी रही, तो विपक्षी और नए राजनीतिक खिलाड़ी (जिन्होंने हालिया विद्रोह में भाग लिया था) सत्ता में अपनी पैठ बना सकते हैं. वैश्विक स्तर पर भी इस फैसले की गूंज होगी. मानवाधिकार समूह इसे न्यायिक निष्पक्षता पर सवाल खड़े करने वाली कार्रवाई कह सकते हैं, जबकि अन्य इसे लंबे समय से चली आ रही शक्ति संरचनाओं में बदलाव की शुरुआत मान सकते हैं. अगर यह फैसला अंजाम तक पहुंचा-यानी हसीना की फांसी लागू हुई-तो यह न सिर्फ एक नेतृत्व परिवर्तन होगा, बल्कि बांग्लादेश की राजनीतिक दिशा में एक निर्णायक मोड़ भी साबित हो सकता है.

'भारत के पक्षी पुरुष' डॉ सलीम अली

अरविंद जयतिलक

डॉ सलीम अली को 'भारत के पक्षी पुरुष' के रुप में जाना जाता है. डॉ सलीम अली को भारत भर में पक्षियों का व्यवस्थित सर्वेक्षण के लिए जाना जाता है. उन्होंने पक्षियों पर कई महत्वपूर्ण पुस्तकें लिखी हैं, जिससे भारत में पक्षी विज्ञान को समझने और बढ़ावा देने में मदद मिली है. उनकी महत्वपूर्ण पुस्तक 'द बुक ऑफ इंडियन बर्डस' बेहद लोकप्रिय है. उनके उल्लेखनीय योगदानों में भरतपुर पक्षी अभ्यारण्य जिसे केवलादेव नेशनल पार्क कहा जाता है, की स्थापना है. उन्होंने साइलेंट वैली नेशनल पार्क को एक बांध परियोजना से बचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई. उनके योगदान को देखते हुए भारत सरकार ने 1958 में पद्म भूषण और 1976 में पद्म विभूषण से सम्मानित किया. लेकिन चिंता की बात यह है कि उनके सतत प्रयासों और जागरुकता के बावजूद भी भारत में पक्षियों की आबादी तेजी से घट रही है.

उनकी महत्वपूर्ण पुस्तक 'द बुक ऑफ इंडियन बर्डस' बेहद लोकप्रिय है.

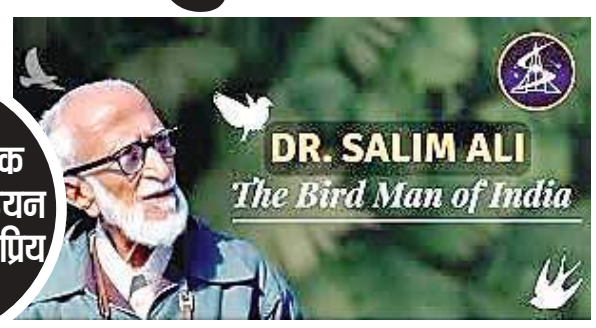

वर्ष 2020 में संयुक्त राष्ट्र की 'स्टेट ऑफ इंडियाज बर्ड्स की रिपोर्ट से भी उद्घाटित हुआ था कि भारत में 79 प्रतिशत पक्षियों की तादाद घट गयी है. यह रिपोर्ट इसलिए विश्वसनीय है कि 867 प्रकार के पक्षियों का अध्ययन कर उनके दीर्घावधि (25 साल) और लघु अवधि (5 साल) के आंकड़े जुटाए गए और निष्कर्ष पर पहुंचा गया. भारत के पक्षियों की स्थिति रिपोर्ट 2023 में कहा गया है कि 60 प्रतिशत प्रजातियों की गिरावट और निवास स्थान का नुकसान हुआ है. पर अच्छी बात यह है कि विगत वर्षों से गौरैया की संख्या स्थिर रही है. आंकड़ों के मुताबिक पिछले ढ़ाई दशकों में गौरैया की संख्या में कोई विशेष कमी नहीं आयी है. हालांकि दिल्ली, मुंबई समेत आधा दर्जन शहरों में इनकी संख्या घटी है. देश में प्रवासी पक्षियों का आना भी कम हो रहा है. देश की राजधानी दिल्ली में ओखला बर्ड सेंचुरी में प्रवासी पक्षियों का आगमन लगातार कम हो रहा है. पक्षी विज्ञानियों की मानें तो बर्ड सेंचुरी के आसपास बढ़ते वायु प्रदूषण और ध्वनि प्रदूषण की वजह से प्रवासी पक्षी यहां आना पसंद नहीं कर रहे हैं. इसके अलावा दलदली और जल वाली भूमि का लगातार घटते जाना भी एक प्रमुख कारण है. जैव विविधता के लिए प्रसिद्ध पश्चिमी घाटों पर वर्ष 2000 से अब तक पक्षियों की संख्या में 75 प्रतिशत तक कमी आयी है. याद होगा कि अंतर्राष्ट्रीय प्रकृति संरक्षण संघ ने वर्ष 2013 में भारत में देखे जाने वाले पक्षियों की दस प्रजातियों को बेहद गंभीर रुप से संकटग्रस्त प्रजातियों की सूची में शामिल किया था. इनमें ग्रेट साइबेरियन क्रेन, गोडावण,, सफेद पीठ वाला गिद्ध, लाल-सिर वाला गिद्ध, जंगली उल्लू, स्पून बिल्ड सैंडपाइपर और सफेद पेट वाला बगुला प्रमुख था. इन पक्षियों की आबादी में गिरावट की मुख्य वजहों में आवास का नुकसान, संशोधन, बिखंडन, पर्यावरण प्रदूषण को प्रमुख रुप से जिम्मेदार माना गया. ग्लोबल वार्मिंग ने पक्षियों के अस्तित्व को और भी अधिक संकट में डाल दिया है. गौरतलब है कि भारत में विभिन्न प्रकार के पक्षी पाए जाते हैं जिनमें गौरैया, कौआ, तोता, तीतर, चर्खी, शामा, भुजंगा, बया, मुनिया, लाल तूती, गिद्ध, कठफोड़वा, नीलकंठ, बसंता, महोखा, पतरिंगा, हरियल, हुदहुद और बटेर जैसे पक्षी आमजन के बेहद करीब माने जाते हैं. लेकिन इन लोकप्रिय पक्षियों की संख्या में तेजी से गिरावट आ रही है. पक्षियों के संरक्षणकर्ताओं ने चेतावनी दी है कि दुनिया की सबसे वजनदार पक्षियों में से एक सोन चिरैया की प्रजाति लुप्त होने के कगार पर है. सोन चिरैया लगभग एक मीटर ऊंची होती हैं और इनका वजन 15 किलो होता है. सोन चिरैया को कभी भारत और पाकिस्तान की घास भूमियों पर देखा जाता था लेकिन अब ये एकांत भरे क्षेत्रों में ही देखने को मिलते हैं. पक्षी विज्ञानियों की मानें तो पृथ्वी पर मानव की गतिविधियों और जंगलों के विनाश के कारण पक्षियों की सैकड़ों प्रजातियां पूरी तरह विलुप्त हो चुकी हैं. पक्षी विज्ञानियों का कहना है कि वर्ष 1500 से अब तक तकरीबन पक्षियों की 190 प्रजातियां पूरी तरह विलुप्त हो चुकी हैं. बिडंबना है कि विलुप्त होने की दर लगातार बढ़ती जा रही है. पक्षी विज्ञानियों के मुताबिक विश्व भर में तकरीबन 10000 प्रकार के पक्षी पाए जाते हैं. इनमें से कुल 1200 प्रजातियां ऐसी हैं जो कि विलुप्त होने के कगार पर हैं. भारत से इतर बात करें तो हवाई द्वीप के लगभग 30 प्रतिशत पक्षियों की प्रजातियां नष्ट हो चुकी हैं. इसी तरह गुआम द्वीप पर पक्षियों की 60 प्रतिशत प्रजातियां पिछले तीन दशक के दौरान विलुप्त हुई हैं. पक्षी विज्ञानियों का कहना है कि पक्षियों की विलुप्ती के कई कारण हैं. उनमें उनके आवास का नष्ट होना, पक्षियों के भोजन के स्रोत का खत्म होना, प्राकृतिक आपदाएं, मौसम में बदलाव मुख्य कारण हैं. पक्षियों के शिकार और उनके अंडों के इस्तेमाल का कुप्रभाव भी उनकी तादाद पर पड़ता है. कभी-कभार तो किसी परभक्षी प्रजाति के आने के कारण भी पक्षियों की तादाद पर संकट मंडराने लगता है. अमूमन देखा जा रहा है कि मानव जाति कृषि कार्य से अधिक उत्पादन हासिल करने के लिए जमकर कीटनाशकों का इस्तेमाल कर रहा है. ये कीटनाशक पक्षियों के लिए जहरीले साबित होते हैं और इसकी वजह से पक्षियों के अंडे नहीं बन पाते हैं. लिहाजा धीरे-धीरे उनकी प्रजातियां विलुप्त हो जाती है.

पक्षी विज्ञानियों का कहना है कि पक्षियों की कई प्रजातियां बेहद संवेदनशील होती हैं और इन्हें अनुकूल वातावरण में रहने की आदत होती है. किंतु वातावरण में थोड़ा भी बदलाव होता है तो उनके जीवन पर संकट मंडराने लगता है. भारत प्रवासी पक्षियों मसलन साइबेरियन क्रेन, ग्रेटर फ्लेमिंगो और डेमॉस्सेल क्रेन जैसे पक्षियों के लिए घर जैसा है. अति सुंदर व मनमोहन प्रवासी पक्षी हर वर्ष सर्दियों और गर्मी के मौसम में भोजन, प्रजनन और घोंसले के शिकार के लिए भारत आते हैं. गौर करें तो सर्दियों के मौसम में तो भारतीय उपमहाद्वीप के विशेष क्षेत्र मसलन झील, आर्द्रभूमि या बैकवाटर प्रवासी पक्षियों का बसेरा बन जाता है. आज की तारीख में जो पक्षी पूरी तरह विलुप्त हो चुके हैं उनमें डोडो, तस्मानियन इमु, कैरोलिना परेकीट, अरबी शुतुर्गमुर्ग, संदेश वाहक कबूतर विशेष रुप से उल्लेखनीय हैं. उचित होगा कि इन विलुप्त हो रहे पक्षियों को बचाने की दिशा में प्रयास तेज हो ताकि पक्षियों का कलरव तेज हो सके.

आज का इतिहास

1727 : महाराजा जय सिंह द्वितीय ने जयपुर शहर की स्थापना की. शहर के वास्तुकार बंगाल के विद्याधर चक्रवर्ती थे.
1738 : फ्रांस और आस्ट्रिया के बीच शांति समझौते पर हस्ताक्षर.
1833 : हॉलैंड और बेल्जियम के बीच जोनहोवेन संधि पर हस्ताक्षर.
1772 : पेशवा माधवराव प्रथम के छोटे भाई नारायणराव ने गद्दी संभाली.
1909 : अमेरिका ने निकारागुआ पर हमला किया.
1918 : उत्तरपूर्वी यूरोपीय देश लातविया ने रूस से स्वतंत्रता की घोषणा की.
1948 : पटना के निकट स्टीमर 'नारायणी' दुर्घटनाग्रस्त होने से पांच सौ लोग डूबे.
1951 : ब्रिटिश सेना ने मिस्र के इस्मालिया क्षेत्र पर क़ब्ज़ा किया.
1956 : मोरक्को ने स्वतंत्रता हासिल की.
1959 : आईएनएस विराट को ब्रिटिश रॉयल नेवी में कमीशंड किया गया था.

भगवान की पुकार को अनदेखा न करें

चिंतन

शकुंतला स्वर्ग की अप्सरा मेनका और ऋषि विश्वामित्र की पुत्री थी. ऋषि विश्वामित्र की तपस्या भंग करने देवराज इंद्र ने अप्सरा मेनका को भेजा था. मेनका ने अपने रूप और यौवन से ऋषि विश्वामित्र की तपस्या भंग कर दी और दोनों के संसर्ग से 'शकुंतला' का जन्म हुआ. जन्म उपरांत ही मेनका ने शकुंतला का त्याग कर उसे वन में छोड़ दिया. शकुंत नामक पक्षी से नवजात शकुंतला की रक्षा कर कण्व ऋषि अपने आश्रम ले आये और पक्षी के नाम पर उसका नाम शकुंतला रख दिया. आश्रम में ही शकुंतला का पालन-पोषण हुआ. युवा होने पर शकुंतला अपनी माँ मेनका की तरह ही रूपसी हुई. एक दिन आखेट खेलते हुए हस्तिनापुर नरेश दुष्यंत वन में आये और कण्व ऋषि के दर्शन की अभिलाषा में उनके आश्रम पधारे. द्वार से ही उन्होंने ऋषि को पुकारा. पुकार सुनकर शकुंतला बाहर आई. शकुंतला के रूप को देखकर राजा दुष्यंत मुग्ध हो गये. शकुंतला ने उन्हें बताया कि कण्व ऋषि तीर्थ यात्रा पर गए हैं. जब राजा दुष्यंत ने शकुंतला का परिचय मांगा, तो शकुंतला ने बताया कि वह कण्व ऋषि की पुत्री है. कण्व ऋषि आजन्म ब्रह्मचारी थे. अतः शकुंतला का परिचय सुन राजा दुष्यंत आश्चर्य में पड़ गए. तब शकुंतला ने अपने जन्म और त्याग की कथा का वर्णन करते हुए बताया कि वह कण्व ऋषि की दत्तक पुत्री है. शकुंतला को देखते ही राजा दुष्यंत उस पर मोहित हो गए और उसके प्रेम में पड़ गए. इधर शकुंतला ने भी उन्हें अपना हृदय अर्पित कर दिया. इसलिए जब राजा ने उसके समक्ष विवाह प्रस्ताव रखा, तो उसने स्वीकार कर लिया. वन में ही दोनों का गंधर्व विवाह हुआ. वाह के उपरांत कुछ समय तक राजा दुष्यंत शकुंतला के साथ आश्रम में ही रहे. किंतु राज-पाट के दायित्व के कारण उन्हें राजमहल लौटना था. उन्होंने शकुंतला को वचन दिया कि कण्व ऋषि के लौटने पर वह उसे विदा कर महल ले जायेंगे. प्रेम के प्रतीक स्वरुप उन्होंने शकुंतला को स्वर्ण मुद्रिका प्रदान की और हस्तिनापुर लौट गए. इस बीच एक दिन कण्व ऋषि के आश्रम में दुर्वासा ऋषि पधारे और पुकार लगाई. राजा दुष्यंत के विचारों में खोई शकुंतला उनकी पुकार सुन नहीं पाई, जिसे दुर्वासा ऋषि ने अपना अपमान समझ लिया और शकुंतला को श्राप दे दिया कि जिस किसी के ध्यान में लीन होकर तूने मेरा अपमान किया है, वह तुझे भूल जायेगा.

इंडिया पर ट्रेंडिंग

1. #SaudiArabia
2. #SheikhHasina
3. सऊदी अरब
4. #Bangladesh
5. शेख हसीना
6. #Umrah
7. Ruskin Bond
8. #MeNoPauseMePlayTrailer
9. Medina 18K
10. Death Sentence

बहुरंग

बॉक्स ऑफिस पर 'दे दे प्यार दे-2' की तेज उड़ान से 'कांथा' हुई धीमी

बॉलीवुड स्टार अजय देवगन और रकुल प्रीत सिंह की फिल्म 'दे दे प्यार दे-2' ने रिलीज के तीन दिनों में बॉक्स ऑफिस पर शानदार प्रदर्शन किया है. शुरुआती दिन धीमी शुरुआत के बावजूद फिल्म ने वीकेंड पर अपनी

रफ्तार पकड़ ली और कमाई में जबरदस्त उछाल देखा गया. वहीं, साउथ सुपरस्टार दुलकर सलमान की फिल्म ''कांथा' वीकेंड का खास लाभ उठाने में नाकाम रही. सैकनिल्क के आंकड़ों के अनुसार 14 फरवरी को रिलीज हुई इस रोमांटिक कॉमेडी-ड्रामा ने पहले दिन 8.75 करोड़ रुपये की ओपनिंग दर्ज की. दूसरे दिन कमाई बढ़कर 12.25 करोड़ रुपये हो गई और तीसरे दिन फिल्म ने 13.75 करोड़ रुपये का कारोबार किया. तीन दिनों में फिल्म का कुल कलेक्शन 34.75 करोड़ रुपये तक पहुंच चुका है.

अजय देवगन और रकुल प्रीत के साथ फिल्म में आर माधवन भी महत्वपूर्ण भूमिका में नजर आ रहे हैं. इसके मुकाबले दुलकर सलमान की 'कांथा' तीसरे दिन तक स्थिर तो रही, लेकिन वीकेंड के बावजूद कमाई में कोई बड़ा उछाल नहीं दिखा. पहले दिन फिल्म ने 4.35 करोड़ रुपये, दूसरे दिन 5 करोड़ रुपये और तीसरे दिन फिर 4.35 करोड़ रुपये का बिज़नेस किया. तीन दिनों में 'कांथा' की कुल कमाई लगभग 13.22 करोड़ रुपये रही. एक तरफ 'दे दे प्यार दे-2' ने वीकेंड पर बॉक्स ऑफिस गर्माया, वहीं 'कांथा' अपनी गति बनाए रखने के बावजूद बड़ी बढ़त हासिल नहीं कर सकी.

पुलकित सम्राट की नई फिल्म 'राहु केतु' का ऐलान

कॉमेडी से है भरपूर, 16 जनवरी को होगी रिलीज

अभिनेता पुलकित सम्राट अपनी नई फिल्म 'राहु केतु' के साथ एक दमदार वापसी के लिए तैयार हैं. यह फिल्म अगले साल 16 जनवरी 2026 को रिलीज़ होगी. पुलकित की इस घोषणा ने उनके प्रशंसकों, खासकर फुकरे फ्रैंचाइज़ी के दर्शकों में नया उत्साह भर दिया है, जो उन्हें एक नए, पावर-पैक्ड अवतार में देखने के लिए लंबे समय से इंतजार कर रहे थे. 'राहु केतु' पुलकित सम्राट के करियर में एक नया अध्याय जोड़ने वाली फिल्म मानी जा रही है. अपनी शानदार एक्टिंग और चार्मिंग स्क्रीन प्रेज़ेंस से दर्शकों को प्रभावित करने वाले पुलकित इस फिल्म में एक मास-अपीलिंग और एक्शन-पैक्ड किरदार निभाते दिखेंगे. विपुल विग द्वारा निर्देशित 'राहु केतु' में कॉमेडी, फैंटेसी, ड्रामा और रोमांच को मिलाकर एक अनोखी कहानी पेश की गई है. फिल्म का निर्माण ज़ी स्टूडियोज़ और बीलाइव प्रोडक्शंस कर रहे हैं. पुलकित और वरुण के साथ प्रमुख भूमिका में शालिनी पांडे भी नजर आएंगी, जो अपनी पिछली फिल्मों में अपने प्रभावशाली अभिनय के लिए जानी जाती हैं. 16 जनवरी 2026 की रिलीज डेट तय होने के साथ ही उम्मीद बढ़ गई है कि 'राहु केतु' न सिर्फ पुलकित सम्राट की धमाकेदार वापसी साबित होगी, बल्कि नए साल की सिनेमैटिक शुरुआत को भी यादगार बना देगी. यह फिल्म सिनेमा प्रेमियों के लिए एक मनोरंजक ट्रीट बनकर सामने आने वाली है.

मेष : सुबह-सुबह की महत्वपूर्ण सिद्धि के बाद दिन-भर उत्साह रहेगा. किसी लाभदायक कार्य के लिए व्ययकारक स्थितियां पैदा होगी. अल्प-परिश्रम से ही लाभ होगा. कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा. घरेलू बहुमूल्य वस्तुओं के क्रय का योग है. शुभांक-3-5-7

वृष : परामर्श व परिस्थिति सभी का सहयोग मिलेगा. अधिकारी वर्ग से आपकी निकटता बढ़ेगी. व्यावसायिक उपक्रम में उलटफेर की शुरूआत हो सकती है. स्थाई सम्पति के निर्माण, मरम्मत व पुर्नस्थापना पर व्ययभार बढ़ेगा. किसी की टीका-टिप्पणी से आपको परेशानी हो सकती हैं. शुभांक-2-4-5

मिथुन : विश्वस्त लोगों के कहे अनुसार चलें. राजकीय कार्यों में सतर्कता बरतें. मान-सम्मान को ठेस लग सकती है. जोश से कम व होश में रहकर कार्य करें. नये आगंतुकों से लाभ होगा. कार्यक्षेत्र में संतोषजनक सफलता मिलेगी. परिवार के साथ मनोरांजनिक स्थल की यात्रा होगी. शुभांक-2-4-6

कर्क : पुरानी पारिवारिक समस्याओं का समाधान होगा. परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी. व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी. बुरी संगति से बचें. नौकरी में सावधानीपूर्वक कार्य करें. अपनों का सहयोग प्राप्त होगा. परिवार पक्ष से थोड़ी चिंता रहेगी. शुभांक-1-3-5

सिंह : दाम्पत्य जीवन में तनाव का वातावरण बन सकता हैं. शारीरिक सुख के लिए व्यसनों का त्याग करें. आत्मङ्क्षचतन करें. पुराने मित्र से मिलन होगा. पठन-पाठन में स्थिति कमजोर रहेगी. खान-पान में सावधानी रखें. अपने अधीनस्थ लोगों से कम सहयोग मिलेगा. भ्रातृपक्ष में विरोध होने की संभावना है. शुभांक-4-6-8

कन्या : अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे. रुका हुआ पैसा वसूलने में मदद मिल जाएगी. व्यर्थ प्रपंच में समय नहीं गंवाकर अपने काम पर ध्यान दीजिए. अपने हित के काम सुबह-सबेरे निपटा लें. नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे. परिवार में कोई मांगलिक कार्य पर वार्ता होगी. शुभांक-2-3-5

तुला : कुछ आर्थिक संकोच पैदा हो सकते हैं. समय को देखकर कार्य करना ज्यादा हितकर रहेगा. परिश्रम अधिक करना पड़ेगा तभी आप लाभ की आशा कर सकते हैं. कार्य क्षेत्र में पदोन्नति के योग बनेंगे. दुर्लभ स्वप्न साकार होंगे. पुरुषार्थ का सहारा लें. व्यवसायिक अभ्युदय भी होगा और प्रसन्नताएं भी बढ़ेगी. शुभांक-2-5-6

वृश्चिक : कर्म बल पर आपको सफलता मिलेगी. व्यवसायिक क्षेत्र में वर्तमान क्षमता को बढ़ाएंगे. उपक्रम का विस्तार करने का प्रयास सफल होगा. आप अच्छी सफलताएं प्राप्त करेंगे. बुद्धि कौशल से चुनौतीपूर्ण कार्यों में सफलता मिलेगी. आर्थिक दृष्टि से समय उपलब्धिकारक रहेगा. भाई-बहनों का प्रेम बढ़ेगा. शुभांक-1-4-6

धनु : संतान की ओर से हर्ष के प्रसंग बनेंगे. मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी. कामकाज सीमित तौर पर ही बन पाएंगे. स्वास्थ्य कमजोर बना रहेगा. महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा. श्रम अधिक करना पड़ सकता है. वरिष्ठजनों से मतभेद उभर सकते हैं. शुभांक-3-5-6

मकर : शनैः-शनैः स्थिति पक्ष की बनने लगेगी. मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी. यात्रा परिणाम शुभ रहेगा. आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी. सुखद समय की अनुभूतियां प्रबल होगी. लाभदायक कार्यों की चेष्टाएं प्रबल होंगी. अभिभावकों के प्रति उत्तरदायित्व निभाने होंगे. शुभांक-2-4-6

कुंभ : विकास के लिए बनाई योजना सफल होगी. अच्छा हो कि आप अपने उद्देश्य को लेकर सचेत रहें. प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा. कार्यक्षेत्र में महत्वपूर्ण कार्य सौंपे जा सकते हैं, जो कि अतिविश्वसनीय व्यक्तियों को ही दिये जाते हैं. कार्य साधक दिन है व्यर्थ न गंवाऐ. मनोरथ सिद्धि का योग है. शुभांक-3-5-7

मीन : व्यापार में स्थिति उत्तम रहेगी. उत्तरदायित्व की अधिकता निजी जीवन में अपने ही ढंग की परेशानियां पैदा करेगी. कारोबार की उन्नति के लिये एक से अधिक सीढ़ी चढ़कर लोगों को आश्चर्य में डाल देंगे. चल-अचल सम्पति में वृद्धि होगी. बौद्धिक क्षेत्र में प्रतियोगिता जीतने का मौका मिलेगा. शुभांक-2-5-6

'120 बहादुर' का ऐतिहासिक प्रदर्शन, पूरे देश के रक्षा थिएटर्स में होगी स्क्रीनिंग

बॉलीवुड अभिनेता फरहान अख्तर अपनी आगामी युद्ध-नाटक फिल्म '120 बहादुर' को लेकर सुर्खियों में हैं. यह फिल्म भारत के डिफेंस थिएटर नेटवर्क में रिलीज होने वाली पहली फिल्म बनकर एक ऐतिहासिक कदम साबित होने जा रही है. एक्सेल एंटरटेनमेंट और ट्रिगर हैप्पी स्टूडियो के बैनर तले बनी इस फिल्म को देशभर के 800 से अधिक रक्षा सिनेमाघरों में प्रदर्शित किया जाएगा. फिल्म का निर्देशन रजनीश घई ने किया है, जबकि फरहान के साथ अभिनेत्री राशि खन्ना मुख्य भूमिका में नजर आएंगी. '120 बहादुर' को विशेष रूप से सेना के जवानों और उनके परिवारों तक पहुंचाने के लिए

व्यापक पैमाने पर रिलीज किया जा रहा है. यह पहल दूर-दराज की चौकियों पर तैनात सैनिकों तक सिनेमा पहुंचाने की अनोखी कोशिश है. पिक्चरटाइम के संस्थापक और सीईओ सुशील चौधरी ने बताया कि इस अभियान का उद्देश्य सेवारत जवानों, पूर्व सैनिकों और उनके परिवारों के मनोरंजन की पहुंच बढ़ाना है. वर्तमान में भारत में केवल लगभग 30% सैनिकों को ही रक्षा सिनेमाघरों तक पहुंच मिल पाती है, जिसे बढ़ाने की दिशा में यह फिल्म महत्वपूर्ण साबित होगी. फिल्म रेजांग ला की ऐतिहासिक लड़ाई पर आधारित है, जिसमें भारतीय सेना के 120 वीर जवानों ने अदम्य साहस का प्रदर्शन किया था. फरहान अख्तर और राशि खन्ना के अलावा फिल्म में एजाज खान, दिग्विजय प्रताप, विवान भटेना, धनवीर सिंह, अंकित सिवाच, स्पर्श वालिया, आशुतोष शुक्ला सहित कई कलाकार नजर आएंगे. रितेश सिधवानी, फरहान अख्तर आदि शामिल हैं.

रुबीना दिलैक और अभिनव शुक्ला ने जीती 'पति पत्नी और पंगा' की ट्रॉफी

टीवी रियलिटी शो 'पति पत्नी और पंगा' का रोमांचक ग्रैंड फिनाले 15 और 16 नवंबर को कलर्स टीवी और जियो हॉटस्टार पर प्रसारित हुआ, जिसमें दर्शकों को लंबे समय से प्रतीक्षित नतीजे मिल गए. इस सीजन की विजेता ट्रॉफी रुबीना दिलैक और अभिनव शुक्ला ने अपने नाम कर ली है., जिन्होंने शानदार प्रदर्शन करते हुए फिनाले की सबसे मजबूत जोड़ी गुरमीत चौधरी और देबिना बनर्जी को पीछे छोड़ दिया. जैसे ही होस्ट सोनाली बेंद्रे ने विजेता जोड़ी का नाम घोषित किया, रुबीना और अभिनव खुशी से झूम उठे और स्टेज पर डांस करने लगे. पूरे सीजन में दोनों ने बेहतरीन तालमेल, समझदारी और

मजबूत बॉन्डिंग का प्रदर्शन किया, जिसके चलते उन्हें 'सर्वगुण संपन्न जोड़ी' का खिताब भी दिया गया. इस सीजन में मुकाबला बेहद कड़ा रहा. फिनाले में रुबीना-अभिनव और गुरमीत-देबिना की टक्कर चर्चा का विषय बनी रही. दोनों जोड़ियों ने दमदार परफॉर्मेंस दिया, लेकिन अंत में दर्शकों के प्यार और लगातार बेहतर टीमवर्क के चलते रुबीना और अभिनव ने बाजी मार ली. शो के दौरान सभी सेलिब्रिटी जोड़ियों ने मजेदार टास्क और चुनौतियों का सामना किया ताकि यह साबित हो सके कि किस जोड़ी की समझदारी और साझेदारी सबसे बेहतर है. रुबीना-अभिनव की कैमिस्ट्री ने हर एपिसोड में दर्शकों का दिल जीता, और सोशल मीडिया पर भी उन्हें भारी समर्थन मिला. इस सीजन में हिना खान, स्वरा भास्कर, गीता फोगाट, सुदेश लहरी, देबिना बनर्जी, ईशा मालवीय, अभिषेक कुमार और अविका गौर अपने पार्टनर्स के साथ शो में नजर आए थे.

घर पर आसानी से उगाया जा सकता है हरा धनिया

भारतीय घरों में खाने का जायका बढ़ाने के लिए हरा धनिया का इस्तेमाल किया जाता है। इसलिए हर रसोई में खाने में स्वाद और फ्लेवर के लिए फ्रेश धनिया गार्निश के लिए डाला जाता है। हालांकि, हर वक्त फ्रेश धनिया लाना थोड़ा मुश्किल हो जाता है। लेकिन अगर हम आपसे कहें कि आप घर में ही फ्रेश धनिया उगा सकती हैं और वो भी 3 तरीकों से।

सीड्स से उगाएं हरा धनिया

आप अपने गार्डन में हरा धनिया बीज की सहायता से लगा सकती हैं। (सेहत के लिए वरदान है हरा धनिया, डाइट में जरूर करें शामिल। आपको किसी भी प्लांट की शॉप से बीज आसानी से मिल जाएंगे, जिसे आप किसी गमले, कंटेनर या फिर प्लास्टिक की बोतल में मिट्टी की मदद से पौधा लगा सकती हैं। हालांकि, पौधे की ग्रोथ तभी होगी जब आप इसका नियमित रूप से ध्यान रखेंगी जैसे- आप मिट्टी की नमी पर ध्यान दें, पौधे में नियमित रूप से पानी डालें।

कटिंग से उगाएं हरा धनिया

आप अपने किचन में भी हरा धनिया का पौधा लगा सकती हैं। इसके लिए, आपको बस धनिये के पत्ते की जरूरत होगी। हालांकि, इसके पौधे को सही तरीके से लगाने के लिए आपको मिट्टी सही तरीके से तैयार करनी होगी। साथ ही, आपको बाजार से गमला खरीदकर लाना होगा और इसमें मिट्टी और खाद की मदद से कटिंग लगानी होगी।

हरा धनिया की जड़ का करें इस्तेमाल

बहुत-सी महिलाएं हरा धनिये की जड़ को बेकार समझकर फेंक देती हैं। लेकिन क्या आपको पता है कि आप इसकी जड़ की सहायता से फ्रेश हरा धनिया भी उगा सकती हैं। कहा जाता है कि जड़ से उगाया गया पौधा बीज से ज्यादा अच्छा होता है। साथ ही, इसकी ग्रोथ भी अच्छी होती है। इसके लिए बस आपको मिट्टी में जड़ को बोना है और नियमित तौर पर पानी डालना है।

धनिया उगाने का आसान तरीका

आवश्यक सामग्री- कंटेनर/गमला/प्लास्टिक की बोतल, मिट्टी और खाद, कटिंग/बीज, पानी

विधि - पौधा लगाने के लिए सबसे पहले आपको गमले का चुनाव करना होगा। आप छोटा गमला सेलेक्ट कर सकती हैं। गमले का चुनाव करने के बाद आप इसमें मिट्टी डालें और अच्छी तरह से मिला लें। आप पौधे की मिट्टी तैयार करते समय 50% कोको-पीट और 50% वर्मीकम्पोस्ट का इस्तेमाल कर सकती हैं। मिट्टी तैयार करने के बाद आप इसमें पौधे की कटिंग, बीज को अच्छी तरह से लगा दें। कटिंग या बीज को लगाने के बाद आप पौधे में पानी डालें। बस आपका पौधा पूरी तरह से तैयार है। आप इसका नियमित रूप से ध्यान रखें और फ्रेश हरा धनिया आने का इंतजार करें।

अपने बच्चे को क्रिएटिव थिंकिंग के लिए करें प्रोत्साहित

हमारी शिक्षा, लाइफ और करियर में क्रिएटिविटी एक बहुत महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। लेकिन यह बात छोटे बच्चे को आप कैसे समझाएं? ऐसे में पैरेंट्स यही सोचते हैं कि बच्चों के लिए कैसे प्रोडक्टिव बनाएं।

क्रिएटिविटी एक ऐसी चीज है, जो आपको जीवन में और बेहतर बनाता है। हालांकि यह एक गलत धारणा है कि रचनात्मकता एक जन्मजात प्रतिभा है। इसमें आप खूब सारे आइडियाज और इमेजिनेशन का यूज करते हैं और कुछ शानदार आर्ट के साथ आते हैं। हमारी शिक्षा, लाइफ और करियर में क्रिएटिविटी एक बहुत महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। लेकिन यह बात छोटे बच्चे को आप कैसे समझाएं? ऐसे में पैरेंट्स यही सोचते हैं कि अपने बच्चों को क्रिएटिव थिंकिंग के लिए कैसे प्रोत्साहित करें यह हर मां-बाप सोचता है।

सीनियर क्लीनिकल साइकोलॉजिस्ट कहती हैं, 'बच्चों को नई चीजों को आजमाने के लिए प्रोत्साहित करना चाहिए। उन्हें उन चीजों के बारे में बताएं और वो चीजें करने के लिए प्रेरित करें, जो उनकी स्कूल करिकुलम का हिस्सा न हों। उनके साथ डॉक्यूमेंट्री देखें और उनसे डॉक्यूमेंट्री के बारे में पूछें।' आइए एक्सपर्ट से जानें कि बच्चों को और किन तरीकों से प्रेरित किया जा सकता है।

बच्चों को सवाल पूछना सिखाएं

बच्चों में रचनात्मक सोच विकसित करने का एक मेन तरीका यह है कि उन्हें हमेशा सवाल करते रहने के लिए प्रेरित करें जब भी आप उनके साथ समय बिता रहे हों तो उनसे सवाल पूछें। जैसे आप उनसे छोटे-छोटे सवाल कर सकते हैं। ऐसे में उनके मन में जिज्ञासा बनेगी और वह नई चीजों के बारे में समझने की कोशिश करेंगे। इससे उनके कल्पनाशील कौशल में वृद्धि होगी और समस्या को सुलझाने की क्षमता विकसित होगी।

अच्छी डॉक्यूमेंट्रीज दिखाएं

एक शॉर्ट डॉक्यूमेंट्री स्टोरी स्टूडेंट्स की लिटरेसी को सोर्स, स्वयं से और दुनिया से जुड़ाव के साथ बढ़ाने में मदद करती है। यह न केवल दुनिया को समझने और उससे जुड़ने का अवसर प्रदान करती हैं, बल्कि हमारे आसपास कई चीजों को समझने का भी एक अच्छा तरीका है। अपने बच्चों के साथ कोई भी डॉक्यूमेंट्रीज देखें तो उसकी चर्चा करें। उन्होंने इससे क्या सीखा और क्या समझा जानने की कोशिश करें।

सामाजिक और भावनात्मक कौशल सिखाएं

अपने बच्चों सामाजिक और भावनात्मक कौशल सिखाना भी बहुत जरूरी है। उन्हें पशु आश्रयों और वृद्धाश्रमों जैसी जगहों पर ले जाएं और स्वयं सेवा का महत्व सिखाएं। जब बच्चे ऐसा करेंगे तो वह औरों के प्रति भी सेंसेटिव अप्रोच रखने में सक्षम होंगे। ऐसी जगहों पर वे महत्वपूर्ण सामाजिक और भावनात्मक कौशल सीख सकेंगे और साथ ही समाज में भी योगदान दे सकेंगे।

नींद में न करें लापरवाही

इन सबके बाद सबसे महत्वपूर्ण चीज है कि आपका बच्चा पूरी और अच्छी नींद ले। अच्छी नींद का मतलब है कि उसके दिमाग को बेहतर आइडियाज उत्पन्न करने के लिए और नई चीजों पर काम करने के लिए समय मिलेगा। इनोवेटिव आइडियाज तभी आएंगे जब उसके दिमाग को शांति मिलेगी। बाकी एक्टिविटी के साथ उसकी नींद का भी पूरा ध्यान दें।

उनके साथ क्विज और पजल खेलें

क्विज और पजल जैसे गेम बच्चों के दिमागी विकास के लिए महत्वपूर्ण हैं। पजल आपके बच्चे की समस्या-समाधान और क्रिटिकल थिंकिंग स्किल को विकसित करती हैं, जो बाद में जीवन में अन्य स्किल की महारत के लिए महत्वपूर्ण होती हैं। पजल्स बच्चों को पैटर्न रिकग्निशन, मेमोरी और ग्रॉस और फाइन मोटर स्किल दोनों में मदद कर सकती हैं। इसलिए उनके साथ पजल खेलें।

आउटडोर गेम खिलाएं

अपने बच्चों को घर में रहने के लिए ही न कहें। उन्हें बाहर निकालें और कई फन एक्टिविटीज में उन्हें शामिल होने के लिए कहें। बच्चों के साथ आउटडोर गेम्स खेलें। ऐसे में उनकी एक्सरसाइज भी होगी और वे कुछ नया भी सीखेंगे। आप उन्हें तैराकी करने के लिए प्रेरित कर सकते हैं। किसी गेम में जैसे क्रिकेट, फुटबॉल, बैडमिंटन आदि जैसे खेलों में शामिल होने के लिए कह सकते हैं।

घर में लगाएं ये फूल तनाव होगा दूर

आजकल के भागदौड़ भरे जीवन में सुकून के दो पल चुराना बेहद मुश्किल हो गया है। बिजी लाइफ स्टाइल की वजह से लोग अक्सर तनाव में रहते हैं। ऐसे में इस तनाव को दूर करने के लिए अधिकतर लोग शहर से दूर बाहर किसी हिल स्टेशन पर जाना पसंद करते हैं। लेकिन हर कोई टेंशन कम करने के लिए हिल स्टेशन नहीं जा सकते हैं। लेकिन इसका ये मतलब नहीं है कि आप तनाव में रहें।

आप जीवन की टेंशन को घर में ही कम कर सकते हैं। आपके दिमाग में भी यही सवाल आया होगा कि कैसे टेंशन कम होगी? घबराइए मत हम आपकी सारी उलझन को दूर कर देंगे। इस लेख में हम आपको कुछ फूल के बारे में बताएंगे, जो आपके घर में खुशियां लेकर आएंगे। साथ ही यह फूल घर के साथ-साथ जीवन को भी महका देंगे।

चमेली

फूल न केवल घर की सुंदरता को बढ़ाते हैं बल्कि घर का वातावरण भी शुद्ध होता है। ऐसे में आप अपने घर में चमेली के फूल का पौधा लगा सकते हैं। चमेली का फूल अक्सर हर घर में मिल जाता है। इस फूल से पॉजिटिव एनर्जी मिलती है। फूल की भीनी-भीनी खुशबू आपके घर को खुशनुमा माहौल देगी। कहा जाता है कि चमेली का पौधा लगाने से घर में खुशियां आती हैं।

कमल

हिंदू धर्म में कमल का फूल बेहद खास माना जाता है। यह फूल मां लक्ष्मी को बेहद प्रिय है। कहा जाता है कि इस फूल को लगाने से घर में लक्ष्मी और सुख-समृद्धि आती है। घर में इस पौधे को लगाना बेहद शुभ माना जाता है।

मोगरा का फूल

ऐसा कहा जाता है कि घर में मोगरा पौधा लगाने से नकारात्मक ऊर्जा कम हो जाती है। मोगरे के फूल गर्मियों के मौसम में खिलता है। इस फूल की भीनी-भीनी खुशबू आपके तनाव को कम कर देंगे। मोगरा के फूल की खुशबू से घर आपके मन को तरोताजा कर देगी।

गुलाब

गुलाब का फूल न केवल दिखने में खूबसूरत है बल्कि यह फूल औषधीय गुण से भरपूर है। गुलाब की खुशबू तनाव को दूर करने में मदद करती है, साथ ही इससे रिश्ते की मिठास बनी रहती हैं।

चम्पा

चम्पा फूल को लगाने से घर का वातावरण शुद्ध होता है। हल्के पीले और सफेद रंग के ये चम्पा के फूल बहुत ही खूबसूरत होते हैं। इस फूल को लगाने से घर में सौभाग्य आता है।

गुड़हल का फूल

गुड़हल के फूल का उपयोग पूजा-पाठ में किया जाता है। भगवान गणेश को लाल गुड़हल के फूल बेहद पसंद है। ऐसा माना जाता है कि इस फूल को घर में लगाने से सकारात्मक ऊर्जा आती है। लाल गुड़हल के फूल को आप भगवान बजरंगबली को भी अर्पित कर सकते हैं।

पारिजात

ऐसा माना जाता है कि पारिजात का फूल लगाने से घर में सुख-शांति बनी रहती है। यह फूल रात के समय में खिलते हैं सुबह पेड़ से टूटकर गिर जाते है। इस फूल की खुशबू से पुरा घर महक जाता है। सुबह-सुबह घर में भीनी-भीनी खुशबू से घर में सकारात्मक ऊर्जा बनी रहती हैं। पारिजात के फूल को हरसिंगार के नाम से भी जाना जाता है। इस फूल की खुशबू से तनाव कम हो जाता है।

घर में प्लास्टिक फर्नीचर रखते समय रखें ध्यान

फर्नीचर हर घर की जरूरत है। आमतौर पर, लोग अपने घर के लिए ऐसे फर्नीचर खरीदना पसंद करते हैं, जो देखने में आकर्षक भी हों और बेहद अफोर्ड बल भी हों। इस लिहाज से प्लास्टिक के फर्नीचर का चयन करना एक अच्छा ऑप्शन माना जाता है। इनमें आपको डिजाइन से लेकर साइज व कलर आदि में एक बिग वैरायटी देखने को मिलेगी।

यूं तो प्लास्टिक के फर्नीचर का इस्तेमाल करने में कोई समस्या नहीं है। लेकिन अगर आप प्लास्टिक के फर्नीचर को घर में जगह दे रही हैं, तो आपको वास्तु के कुछ नियमों का ध्यान रखना चाहिए। दरअसल, प्लास्टिक के फर्नीचर को अगर घर में सही तरह से ना रखा जाए तो यह कभी-कभी नकारात्मकता भी पैदा कर सकते हैं। तो चलिए आज इस लेख में आपको वास्तुशास्त्री डॉ.आनंद भारद्वाज बता रहे हैं कि घर में प्लास्टिक के फर्नीचर रखते समय किन वास्तु टिप्स का ख्याल रखा जाना चाहिए

कलर का रखें ख्याल

जब आप प्लास्टिक के फर्नीचर का इस्तेमाल कर रही हैं, तो आपको इस बात का विशेष रूप से ध्यान रखना चाहिए कि उस फर्नीचर का कलर कैसा है। आमतौर पर, प्लास्टिक के फर्नीचर के लिए क्रीम, व्हाइट, येलो और लाइट कलर का इस्तेमाल करना काफी अच्छा माना जाता है। कभी भी ब्लैक कलर के प्लास्टिक फर्नीचर को घर में नहीं रखना चाहिए। वहीं, आजकल ऐसे प्लास्टिक फर्नीचर भी अवेलेबल हैं, जिसमें एक साथ कई कलर मिक्स होते हैं, बेहतर होगा कि आप उसे भी अवॉयड करें।

जब करें पूजा

ऐसे कई लोग होते हैं, जिन्हें घुटनों की समस्या होती है तो वह कुर्सी पर बैठकर पूजा करते हैं। कोशिश करें कि आप जिस कुर्सी का इस्तेमाल पूजा स्थान में कर रहे हैं, वह प्लास्टिक की ना हो। लेकिन फिर भी अगर आप ऐसा कर रहे हैं, तो कुर्सी पर कोई कपड़ा अवश्य बिछाएं। आपको यह विशेष रूप से ध्यान रखना है कि पूजा करते समय आप प्लास्टिक के डायरेक्ट संपर्क में ना रहें।

लॉन में करें इस्तेमाल

यूं तो प्लास्टिक के फर्नीचर को लोग घर के किसी भी हिस्से में इस्तेमाल करते हैं। लेकिन आमतौर पर इस तरह के फर्नीचर को ऐसी जगह रखने की सलाह दी जाती है, जहां पर आप फुर्सत के पल बिताते हों और कोई बहुत आवश्यक या सेंसेटिव काम ना करते हों। इस लिहाज से प्लास्टिक फर्नीचर को घर के पीछे लॉन या फिर सामने खुले आंगन, व छत आदि पर रखना अधिक अच्छा माना जाता है।

प्लास्टिक का ना हो बेड

कुछ समय पहले तक बेड बनाते समय केवल लकड़ी का ही इस्तेमाल किया जाता था, लेकिन अब मार्केट में प्लास्टिक के बेड भी मिलने लगे हैं। हालांकि, कभी भी घर में प्लास्टिक के बेड का इस्तेमाल नहीं करना चाहिए। बेड एक ऐसा फर्नीचर है, जिस पर आप एक लंबा समय बिताते हैं। ऐसे में प्लास्टिक की एनर्जी आपकी बॉडी की एनर्जी में नकारात्मक परिवर्तन ला सकती है। बेड के लिए हमेशा लकड़ी के इस्तेमाल को ही प्राथमिकता दें।

जब करें स्टडी

आजकल बच्चों की स्टडी टेबल और चेयर प्लास्टिक की मिलती हैं, जिन्हें लोग खरीदना काफी पसंद करते हैं। लेकिन वास्तु के अनुसार बच्चों की स्टडी टेबल और चेयर प्लास्टिक की नहीं होनी चाहिए। इससे बच्चे को पढ़ाई में ध्यान लगाने में समस्या पैदा हो सकती है। बेहतर होगा कि आप उनके लिए लकड़ी से बने फर्नीचर को प्राथमिकता दें। हालांकि, आप किसी कारणवश प्लास्टिक फर्नीचर का इस्तेमाल कर रहे हैं तो उस पर कोई कपड़ा बिछा दें।

फीफा विश्व कप 2026 : पुर्तगाल ने लगातार सातवीं बार किया क्वालीफाई

अंतिम मुकाबले में टीम ने आर्मेनिया को 9-1 से हराया

एजेंसियां । नई दिल्ली

पुर्तगाल ने फीफा विश्व कप 2026 के लिए अपनी जगह पक्की कर ली है, और यह उसका लगातार सातवां विश्व कप होगा. रविवार को पोर्टो के एस्टादियो डो द्रागाओ में खेले गए अंतिम क्वालिफायर मुकाबले में टीम ने आर्मेनिया को 9-1 से करारी शिकस्त दी. यह जीत न केवल क्वालीफिकेशन सुनिश्चित करने वाली साबित हुई, बल्कि टीम की शानदार फॉर्म और गहराई को भी दर्शाती है. रोबर्टो मार्टिनेज़ की टीम ने यह प्रभावशाली प्रदर्शन क्रिस्टियानो रोनाल्डो की गैरमौजूदगी में किया, जो निलंबन के कारण मैदान में नहीं थे. टीम को विश्व कप में प्रवेश पक्का करने के लिए विजय की आवश्यकता थी, जिसे खिलाड़ियों ने दो हैट्रिक की बदौलत बेहतरीन अंदाज में हासिल किया. एक हैट्रिक ब्रूनो फर्नांडीस ने लगाई, जबकि दूसरी हैट्रिक युवा स्टार जोआओ नेवेस के खाते में रही. दोनों खिलाड़ियों के प्रदर्शन ने टीम की आक्रामक क्षमता को मजबूती प्रदान की.

फीफा विश्व कप में पुर्तगाल का अब तक का सफर: विश्व कप इतिहास में पुर्तगाल का सफर उतार-चढ़ाव भरा रहा है. टीम ने पहली बार 1966 में विश्व कप में

हिस्सा लिया था. इस ऐतिहासिक अभियान में पुर्तगाल ने सभी को चौंकाते हुए तीसरा स्थान हासिल किया. टीम ने कुल छह मैचों में पाँच जीत दर्ज कीं और केवल एक मुकाबला हारा. यह अब तक पुर्तगाल का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन रहा है. इसके बाद टीम ने 1986 और 2002 में विश्व कप खेला, लेकिन दोनों मौकों पर उसका सफर ग्रुप स्टेज तक ही सीमित रहा. इन अभियानों में पुर्तगाल ने तीन मैचों में एक-एक जीत हासिल की और दो मैच हारे. 2006 विश्व कप पुर्तगाल के इतिहास का दूसरा सबसे सफल अभियान रहा, जिसमें टीम चौथे स्थान पर रही. इस दौरान टीम ने सात मैच खेले, जिनमें चार मैच जीते, एक ड्रॉ रहा और दो मुकाबलों में हार मिली. इसके बाद 2010 में टीम प्री-क्वार्टर फाइनल तक पहुंची और चार मैचों में एक जीत, दो ड्रॉ तथा एक हार दर्ज की. 2014 विश्व कप में पुर्तगाल ग्रुप स्टेज में ही बाहर हो गया. इस बार टीम ने एक जीत, एक ड्रॉ और एक हार दर्ज की. 2018 में दोबारा टीम प्री-क्वार्टर फाइनल तक पहुंची और चार मैचों में एक जीत, दो ड्रॉ और एक हार हासिल की.

सबसे हाल में 2022 विश्व कप में पुर्तगाल ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए क्वार्टरफाइनल तक का सफर तय किया और पाँच में से तीन मुकाबले जीते. अब जब पुर्तगाल ने 2026 विश्व कप के लिए अपनी जगह पक्की कर ली है, प्रशंसकों को उम्मीद है कि टीम एक बार फिर दमदार और सफल अभियान पेश करेगी.

1998 के बाद पहली विश्व कप एंट्री

नॉर्वे ने इटली को 4-1 से हराया

एजेंसियां। मिलान (इटली)

नॉर्वे ने रविवार रात इटली को उसके घर में 4-1 से हराते हुए फीफा विश्व कप 2026 के लिए क्वालीफाई कर लिया. यह नॉर्वे की 1998 के बाद पहली विश्व कप एंट्री है, जबकि इटली लगातार तीसरी बार प्लेऑफ खेलने पर मजबूर हुआ. नॉर्वे ने क्वालीफाइंग अभियान में सभी आठ मैच जीतकर शीर्ष स्थान हासिल किया. इटली को अगले दौर में जाने के लिए नौ गोल के अंतर से जीत की आवश्यकता थी, इसलिए उसने आक्रामक शुरुआत की. 10वें मिनट में फ्रांसेस्को पियो एस्पोसिटो ने गोल कर इटली को बढ़त भी दिलाई. दूसरे हाफ में नॉर्वे ने शानदार पलटवार किया. 63वें मिनट में एंटोनियो नुसा ने लेफ्ट-फुट शॉट के साथ बराबरी बनाई. इसके बाद मैच पूरी तरह नॉर्वे के नाम रहा. एर्लिंग हालांड ने 78वें और 79वें मिनट में दो गोल्स दागकर बढ़त को निर्णायक बनाया. इंजरी टाइम में जॉर्गन स्ट्रैंड लार्सन के गोल ने स्कोर 4-1 कर दिया. इस जीत ने साबित कर दिया कि नॉर्वे आगामी विश्व कप में किसी भी टीम के लिए आसान प्रतिद्वंद्वी नहीं होगा.

राजस्थान रॉयल्स ने संगकारा को सौंपी मुख्य कोच की जिम्मेदारी

एजेंसियां । नई दिल्ली

इंडियन प्रीमियर लीग 2026 से पहले राजस्थान रॉयल्स ने अपने कोचिंग सेटअप में बड़ा बदलाव करते हुए कुमार संगकारा को दोबारा टीम का मुख्य कोच नियुक्त किया है. संगकारा इससे पहले 2021 से 2024 तक टीम के हेड कोच रह चुके हैं. आईपीएल 2025 में उन्हें डायरेक्टर ऑफ क्रिकेट की भूमिका में पदोन्नत किया गया था, जबकि उस सीज़न में राहुल द्रविड़ टीम के मुख्य कोच थे. संगकारा की वापसी के साथ ही फ्रेंचाइजी ने कोचिंग स्टाफ में अन्य बदलाव भी किए हैं. विक्रम राठौर को टीम का लीड असिस्टेंट कोच नियुक्त किया गया है. वहीं ट्रेवर पेनी और सिड लाहिड़ी क्रमशः असिस्टेंट कोच और परफॉर्मेंस कोच के रूप में टीम के साथ अपनी भूमिकाएं जारी रखेंगे. अनुभवी पूर्व तेज गेंदबाज शेन बॉन्ड भी फास्ट बॉलिंग कोच की जिम्मेदारी निभाते रहेंगे.

खिलाड़ियों के मोर्चे पर राजस्थान रॉयल्स ने सीज़न से पहले एक बड़ा फैसला लेते हुए अपने लंबे समय से कप्तान रहे संजू सैमसन का ट्रेड कर दिया है. उनकी जगह टीम ने रवींद्र जडेजा और सैम करन को चेन्नई सुपर किंग्स से शामिल किया है. यह ट्रेड ऑफ-सीजन का सबसे चर्चित बदलाव माना जा रहा है और माना जा रहा है कि इससे राजस्थान का संतुलन और मजबूती काफी बढ़ेगी.

गौतम गंभीर की कोचिंग बनी आलोचना का केंद्र

नई टीम इंडिया की स्पिन कमजोरी पर उठे सवाल

एजेंसियां । कोलकाता

कोलकाता टेस्ट में भारत को साउथ अफ्रीका के खिलाफ 30 रनों से हार का सामना करना पड़ा, जिससे टीम दो मैचों की सीरीज में 0-1 से पीछे हो गई. इस हार ने भारतीय बल्लेबाजों की स्पिन के खिलाफ कमजोरी को उजागर किया. भारतीय टीम ने 124 रनों के आसान लक्ष्य का पीछा करते हुए केवल 93 रन ही जोड़े. ध्रुव जुरेल, अक्षर पटेल और ऋषभ पंत जैसे बल्लेबाज गैर-जिम्मेदाराना शॉट खेलकर आउट हुए. इससे पहले न्यूजीलैंड ने भी भारत को उसके घर में टेस्ट सीरीज में 0-3 से हराया था. तब एजाज पटेल, मिचेल सेंटनर और ईश सोढ़ी की फिरकी में भारतीय बल्लेबाज पूरी तरह फंस गए थे. अब साउथ अफ्रीका के स्पिनरों—साइमन हार्मर और केशव महाराज—के सामने भी भारत संघर्ष करता दिखा. भारतीय बल्लेबाज न तो सही ढंग से शॉट खेल सके, न ही स्ट्राइक रोटेट कर पाए.

गौतम गंभीर की कोचिंग भी इस हार के बाद सवालों के घेरे में आ गई. उन्होंने चार स्पिनरों के साथ टीम उतारी, जबकि साई सुदर्शन को प्लेइंग-11 से ड्रॉप कर दिया. वहीं, अक्षर पटेल और रवींद्र जडेजा जैसे समान भूमिका वाले ऑलराउंडरों को एक साथ खिलाना रणनीतिक रूप से समझ से परे माना गया. गंभीर ने हार के बाद बल्लेबाजों को जिम्मेदार ठहराया और कहा कि स्पिन खेलना टीम के लिए बुनियादी होना चाहिए. गौतम गंभीर के टी20 और वनडे प्रयोग सफल रहे हैं, लेकिन टेस्ट क्रिकेट में उनकी रणनीति पर गंभीर सवाल उठ रहे हैं. भारत ने अपने पिछले छह घरेलू टेस्ट में चार हारे हैं, जबकि 2015-22 में केवल दो हारे थे. इस गिरावट का मुख्य कारण मिडिल ऑर्डर का लगातार फ्लॉप होना और स्पिन के खिलाफ संघर्ष है.

साउथ अफ्रीका के कप्तान टेम्बा बावुमा की नाबाद 55 रनों की पारी ने उदाहरण पेश किया कि मुश्किल परिस्थितियों में बल्लेबाजी कैसे की जाती है. भारतीय टीम को कम से कम उनसे सीख लेनी चाहिए थी. अब सवाल यह उठ रहा है कि क्या

नई टीम इंडिया अपनी पुरानी स्पिन खेलने की ताकत भूल गई है और घरेलू मैदान पर भी मजबूत विरोधियों के खिलाफ अपनी पकड़ खो रही है. इस हार ने भारत की तैयारी, मानसिकता और तकनीकी कमजोरी पर गंभीर संदेह पैदा किया है, और गौतम गंभीर की कोचिंग अप्रोच पर बड़ी चुनौती खड़ी की है.

उम्मीद है, मेरी बात गंभीर सुन रहे होंगे: सौरव गांगुली

कोलकाता । दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ ईडन गार्डन्स में खेले गए मैच में भारत की 30 रन से हुई शर्मनाक हार के बाद पूर्व भारतीय कप्तान सौरव गांगुली ने टीम मैनेजमेंट और हेड कोच गौतम गंभीर को महत्वपूर्ण संदेश दिया है. 124 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए भारतीय टीम मात्र 93 रन पर ढेर हो गई, जिसके बाद पिच को लेकर सवाल उठने लगे. गांगुली ने साफ कहा कि ईडन की पिच बिल्कुल वैसी ही थी जैसी टीम चाहती थी, लेकिन भारतीय मैनेजमेंट को घरेलू जमीन पर पिचों से छेड़छाड़ बंद करनी चाहिए. उन्होंने कहा, "अच्छे विकेटों पर खेलो. बल्लेबाजों को 350 से अधिक रन बनाने का मौका दो और गेंदबाजों को उन्हीं पिचों पर विकेट लेने की चुनौती दो." 'दादा' ने आगे कहा कि भारतीय टीम को अपनी गेंदबाजी पर भरोसा करना चाहिए. उन्होंने बुमराह, सिराज और शमी की तारीफ करते हुए कहा कि ये गेंदबाज किसी भी परिस्थिति में टीम को जीत दिलाने में सक्षम हैं.

बीपीएल 2026: खिताब जिताने वाले कप्तान ने नाम लिया वापस

एजेंसियां । ढाका

बांग्लादेश के पूर्व कप्तान तमीम इकबाल ने बांग्लादेश प्रीमियर लीग (बीपीएल) 2026 से अपना नाम वापस लेने का निर्णय लिया है. 2012 में लीग की शुरुआत के बाद यह पहली बार होगा कि तमीम इस टूर्नामेंट का हिस्सा नहीं होंगे. उन्होंने 'क्रिकबज' से बातचीत में बताया कि उन्होंने आधिकारिक तौर पर बीसीबी से खिलाड़ियों के ड्राफ्ट से नाम हटाने का अनुरोध किया है और इस फैसले की जानकारी क्रिकेट संचालन प्रबंधक शहरयार नफीस को दे दी है. तमीम बीपीएल इतिहास के सबसे भरोसेमंद और सफल बल्लेबाजों में गिने जाते हैं. फॉर्च्यून बरिशल के कप्तान के रूप में उन्होंने टीम को बीपीएल 2024-25 का खिताब दिलाया था. फाइनल में चटगांव किंग्स के खिलाफ उन्होंने 29 गेंदों में 54 रन की महत्वपूर्ण पारी खेली थी और प्लेयर ऑफ द मैच भी चुने गए थे.

हालांकि एक ओर उनकी टीम फॉर्च्यून बरिशल ने तैयारी के अभाव का हवाला देते हुए इस बार टूर्नामेंट में भाग नहीं लेने का फैसला किया है, वहीं तमीम खुद भी गंभीर स्वास्थ्य समस्याओं से जूझ रहे हैं. मार्च 2025 में घरेलू मैच के दौरान उन्हें दिल का दौरा पड़ा था, जिसके बाद से वे प्रतिस्पर्धी क्रिकेट से दूर हैं.

स्वास्थ्य और फ्रेंचाइजी संबंधी कारणों के साथ ही तमीम ने हाल के दिनों में क्रिकेट प्रशासन में रुचि भी दिखाई. उन्होंने बीसीबी चुनाव लड़ने की योजना बनाई थी, लेकिन सरकार की कथित अनुचित दखलअंदाजी का आरोप लगाकर पीछे हट गए.

बीपीएल में तमीम ने 118 मैचों में 3,835 रन बनाए हैं, औसत 37.59, जिसमें 2 शतक और 32 अर्धशतक शामिल हैं. उनका नाम वापस लेना बीपीएल के लिए बड़ी कमी माना जा रहा है.

दूसरे वनडे से बाहर हुए डेरिल मिचेल, हेनरी टीम में शामिल

एजेंसियां । वेलिंगटन

न्यूज़ीलैंड को वेस्टइंडीज के खिलाफ वनडे सीरीज से पहले बड़ा झटका लगा है. टीम के भरोसेमंद ऑलराउंडर डेरिल मिचेल दूसरे वनडे के लिए नेपियर नहीं जाएंगे. पहले वनडे के दौरान उन्हें बाएँ ग्रोइन (जांघ के ऊपरी हिस्से) में तकलीफ महसूस हुई थी. इसके बाद न्यूज़ीलैंड क्रिकेट ने पुष्टि की कि मिचेल क्राइस्टचर्च में स्कैन कराएंगे, जिसके बाद ही उनकी आगे की उपलब्धता को लेकर फैसला किया जाएगा. पहले वनडे में मिचेल ने हैगले ओवल में शानदार प्रदर्शन करते हुए अपना सातवां वनडे शतक जमाया और टीम की 7 रन की जीत में अहम भूमिका निभाई. हालांकि बल्लेबाजी के दौरान ही उन्हें दर्द महसूस हुआ, जिसके कारण वे दूसरी पारी में फील्डिंग करने मैदान पर नहीं उतर सके.

ऑस्ट्रेलियन ओपन सुपर 500: सात्विक व चिराग पर भारत की सबसे बड़ी उम्मीदें

एजेंसियां । नई दिल्ली

सिडनी में मंगलवार से शुरू हो रहे ऑस्ट्रेलियन ओपन सुपर 500 बैडमिंटन टूर्नामेंट में भारतीय दल एक बार फिर सबसे ज्यादा भरोसा सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की पुरुष युगल जोड़ी पर करेगा. शीर्ष वरीयता प्राप्त सात्विक–चिराग इस सीजन का अपना पहला बड़ा खिताब जीतने के इरादे से उतरेंगे. एशियाई खेलों के स्वर्ण विजेता यह भारतीय जोड़ी कठिन दौर से गुजर रहे भारतीय बैडमिंटन में लगातार उम्मीदों की किरण बनी रही है. उन्होंने इस वर्ष विश्व चैंपियनशिप में कांस्य, हांगकांग सुपर 500 और चाइना मास्टर्स सुपर 750 दोनों में उपविजेता स्थान हासिल किया. मई में विश्व नंबर 1 से गिरकर 27वें स्थान तक पहुंचने के बाद उन्होंने जोरदार वापसी की और अब फिर से विश्व नंबर 3 पर पहुंच चुके हैं. वे अपना अभियान चीनी ताइपे की चांग को-ची और पो ली-वेई की जोड़ी के खिलाफ शुरू करेंगे.

लक्ष्य सेन और प्रणय–लय और निरंतरता की तलाश: भारत के शीर्ष एकल खिलाड़ी लक्ष्य सेन और एच.एस. प्रणय के लिए यह टूर्नामेंट अपनी वापसी को स्थिर करने का महत्वपूर्ण अवसर है. लक्ष्य सेन ने लंबे खराब दौर के बाद हांगकांग ओपन में फाइनल तक पहुंचकर जबरदस्त कमबैक किया था. पिछले सप्ताह जापान में भी उन्होंने सेमीफाइनल तक का सफर तय किया. सातवीं वरीय लक्ष्य पहले दौर में चीनी ताइपे के सू ली यांग से भिड़ेंगे. एच.एस. प्रणय, जो 2023 विश्व चैंपियनशिप के कांस्य पदक विजेता और पिछले साल इस टूर्नामेंट के उपविजेता रहे थे, चोट से उबरकर अच्छी फॉर्म में लौटे हैं. कुमामोटो (जापान) में उन्होंने मजबूत प्रदर्शन किया था. उनका पहला मुकाबला कनाडा के ब्रायन यांग से होगा. किदांबी श्रीकांत, जो इस साल मलेशिया मास्टर्स के फाइनल तक पहुंचे थे, पहले दौर में पांचवीं वरीयता प्राप्त लिन चुन-यी के सामने खेलेंगे. आयुष शेट्टी, अमेरिका ओपन चैंपियन, का मुकाबला मलेशिया के जस्टिन होह से होगा. किरण जॉर्ज को छठी वरीयता प्राप्त केंटा निशिमोतो से चुनौती मिलेगी. थरुण मननेपल्ली की शुरुआती भिड़ंत डेनमार्क के मैग्नस जोहानसन से होगी.

महिला एकल, महिला युगल और मिक्स्ड डबल्स: महिला एकल में भारत की अकेली प्रतिनिधि आकर्षी कश्यप को बेहद कठिन चुनौती का सामना करना है. उनका मुकाबला शीर्ष वरीयता प्राप्त और ओलंपिक चैंपियन आन से यंग से होगा. महिला युगल में वापसी कर रहीं गैत्री गोपीचंद और ट्रीसा जॉली की जोड़ी चौथी वरीयता प्राप्त चीनी ताइपे की यान फेई चेन और लिआंग चिंग सन से भिड़ेगी. मिक्स्ड डबल्स में मोहित जगलान और लक्षिता जगलान की भारतीय जोड़ी का सामना कनाडा के निल याकुरा और क्रिस्टल लाई से होगा.

इंग्लैंड ने अल्बानिया को हराकर क्वॉलिफायर अभियान किया पूरा

एजेंसियां । तिराना

इंग्लैंड ने अपने कप्तान हैरी केन के शानदार दो गोलों की बदौलत अल्बानिया को 2-0 से हराकर फीफा वर्ल्ड कप क्वॉलिफायर्स अभियान को ऐतिहासिक परफेक्ट रिकॉर्ड के साथ समाप्त किया. मुकाबला लंबे समय तक गोलरहित रहा और ऐसा लग रहा था कि इंग्लैंड पहली बार अंक गंवा सकता है. लेकिन 74वें मिनट में अल्बानियाई डिफेंस की चूक का फायदा उठाते हुए केन ने कॉर्नर पर नजदीकी शॉट से गोल कर टीम को बढ़त दिलाई. इसके सिर्फ आठ मिनट बाद केन ने मार्कस रैशफोर्ड के शानदार क्रॉस पर हेडर लगाकर बढ़त को 2-0 कर दिया. इस जीत के साथ इंग्लैंड यूरोप की पहली टीम बन गई जिसने छह या उससे अधिक मैचों वाले वर्ल्ड कप क्वॉलिफाइंग ग्रुप में सभी मैच जीतकर और एक भी गोल खाए बिना क्वॉलिफाई किया हो. टीम ने ग्रुप-के के सभी 8 मैच जीतकर 24 अंक हासिल किए.

मैच के बाद हैरी केन ने कहा, "यह मुश्किल मुकाबला था, शायद ग्रुप का सबसे कठिन. हमें धैर्य और मजबूत डिफेंस दोनों की जरूरत थी. 2-0 की जीत और एक और क्लीन शीट—हम बेहद खुश हैं. हम अभियान को जीत के साथ खत्म करना चाहते थे."

हेड कोच थॉमस ट्यूशेल ने पहले से क्वॉलिफिकेशन सुनिश्चित होने के कारण टीम में कई बदलाव किए थे. अल्बानिया ने कड़ा मुकाबला दिया, लेकिन अंत में केन के दो निर्णायक गोल इंग्लैंड को जीत दिलाने के लिए काफी रहे. केन अब अपने देश के लिए 112 मैचों में 78 अंतरराष्ट्रीय गोल कर चुके हैं. अल्बानिया अब प्लेऑफ के ज़रिए वर्ल्ड कप में जगह बनाने की कोशिश करेगा.

एटीपी फाइनल्स 2025: सिनर ने अल्कारेज़ को हराकर लगातार दूसरी बार जीता खिताब

एजेंसियां । ट्यूरिन

साल 2025 की सबसे चर्चित 'सिनकाराज़' प्रतिद्वंद्विता के अंतिम मुकाबले में बाज़ी एक बार फिर जैनिक सिनर के नाम रही. विश्व नंबर 2 सिनर ने शीर्ष वरीय कार्लोस अल्कारेज़ को सीधे सेटों में 7-6(4), 7-5 से हराकर लगातार दूसरा एटीपी फाइनल्स खिताब अपने नाम किया. यह इस सीजन में दोनों के बीच छठा मुकाबला था. अपने घरेलू समर्थकों के सामने खेलते हुए सिनर पूरे मैच में दमदार लय में नजर आए. यह इस वर्ष अल्कारेज़ के खिलाफ उनकी सिर्फ दूसरी जीत है—पहली जीत उन्होंने विंबलडन फाइनल में दर्ज की थी. मैच के बाद सिनर ने कहा, "यह एक अविश्वसनीय सीजन रहा. इटालियन दर्शकों के सामने इसे खत्म करना मेरे लिए बेहद खास है." अल्कारेज़ पहले ही वर्ष के अंत का नंबर 1 रैंकिंग सुनिश्चित कर चुके थे और अपने करियर में पहली बार एटीपी फाइनल्स के चैंपियनशिप मैच में उतरे थे. कुल करियर भिड़ंत में वे अभी भी सिनर से 10-6 से आगे हैं.

2025 का ग्रैंड स्लैम मुकाबला एक रोमांचक अध्याय : दोनों खिलाड़ी इस वर्ष के तीनों ग्रैंड स्लैम फाइनल में आमने-सामने आए.

फ्रेंच ओपन: अल्कारेज़ ने पांचवें सेट के टाईब्रेक में जीत हासिल की.

विंबलडन: सिनर ने जीतकर बराबरी की.

यूएस ओपन: अल्कारेज़ ने एक बार फिर खिताब जीता.

इटालियन ओपन और सिनसिनाटी ओपन के फाइनल में भी भिड़ंत हुई, जिसमें दोनों बार अल्कारेज़ विजेता रहे (सिनसिनाटी में सिनर बीमारी के कारण रिटायर हुए). सिनर ने इस साल ऑस्ट्रेलियन ओपन भी जीता, जहां उन्होंने फाइनल में एलेक्जेंडर ज्वेरेव को पराजित किया. इस तरह 2025 में दोनों ने दो-दो ग्रैंड स्लैम जीते.

फाइनल मैच रोमांच, दबाव और दर्शकों का जुनून: पहले सेट में 5-6 पर सिनर ने सेट प्वॉइंट बचाया और टाईब्रेक में शानदार लॉब लगाते हुए बढ़त बनाई. अल्कारेज़ को दाहिनी जांघ में मेडिकल ट्रीटमेंट भी लेना पड़ा. दूसरे सेट में अल्कारेज़ ने शुरुआती ब्रेक लिया, लेकिन सिनर ने 3-3 पर वापसी की और निर्णायक पलों में दबदबा बनाया. अंततः अल्कारेज़ की बैकहैंड वाइड जाते ही सिनर ने जीत दर्ज की और कोर्ट पर लेटकर जश्न मनाया. यह एटीपी फाइनल्स में सिनर की लगातार 10वीं जीत है और उन्होंने इनमें एक भी सेट नहीं गंवाया. इनडोर हार्ड कोर्ट पर उनकी जीत की लय अब 31 मैचों की हो चुकी है.

डबल्स फाइनल: हैरी हेलियोवारा और हेनरी पैटेन ने जो सालिसबरी और नील स्कप्स्की को 7-5, 6-3 से हराकर डबल्स खिताब जीता.

क्रिकेट एक अविश्वसनीय रिकॉर्ड जिसे आज तक कोई टीम नहीं तोड़ सकी

एशेज सीरीज : एक ही पारी में बने 900 से ज्यादा रन

एजेंसियां । नई दिल्ली

एशेज सीरीज, जिसकी शुरुआत 1882-83 में ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड के बीच हुई थी, क्रिकेट इतिहास के सबसे रोमांचक मुकाबलों का साक्षी रही है. इस प्रतिष्ठित सीरीज में कई अविश्वसनीय रिकॉर्ड बने, जिनमें से एक ऐसा भी है जिसे आज तक कोई टीम तोड़ नहीं सकी. यह रिकॉर्ड है एक ही पारी में 900 से अधिक रन बनाने का. यह ऐतिहासिक उपलब्धि अगस्त 1938 में ओवल के मैदान पर खेले गए मुकाबले में इंग्लैंड ने हासिल की थी. इस मैच में इंग्लैंड के बल्लेबाजों ने ऐसा शानदार प्रदर्शन किया कि ऑस्ट्रेलियाई गेंदबाजों के पास कोई जवाब नहीं बचा. टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी इंग्लैंड की टीम ने 335.2 ओवर खेलते हुए 903/7 पर अपनी पारी घोषित कर दी. यह टेस्ट क्रिकेट इतिहास का अब तक का सबसे बड़ा टीम स्कोर है और एशेज का भी सर्वाधिक स्कोर.

हटन की तिहरी सेंचुरी और शानदार साझेदारियाँ: इंग्लैंड ने 29 के स्कोर पर अपना पहला विकेट बिल एडरिच (12) के रूप में गंवा दिया, लेकिन इसके बाद लियोनार्ड हटन और मौरिस लेलैंड ने पारी को संभाल लिया. दोनों ने मिलकर दूसरे विकेट के लिए 382 रन की रिकॉर्ड साझेदारी की. लेलैंड ने 17 चौकों की मदद से शानदार 187 रन बनाए. इसके बाद हटन ने कप्तान वैली हामंड के साथ तीसरे विकेट के लिए शतकीय साझेदारी निभाई. हामंड ने 59 रन बनाए और टीम को 500 के पार पहुंचाने में मदद की. हालांकि इंग्लैंड

ने जल्द ही एडी (0) और डेनिस कॉम्पटन (1) के विकेट गंवा दिए, लेकिन हटन अडिग रहे.

लियोनार्ड हटन ने 847 गेंदों में 364 रन की ऐतिहासिक पारी खेली, जिसमें 35 चौके शामिल थे. यह उस समय टेस्ट क्रिकेट की सबसे बड़ी व्यक्तिगत पारी थी. हटन का साथ देते हुए जो हार्डस्टाफ ने नाबाद 169 रन की पारी खेली और टीम को विशाल स्कोर तक ले गए. ऑस्ट्रेलिया की ओर से बिल ओ'रेली ने सर्वाधिक 3 विकेट लिए. ऑस्ट्रेलिया की दोनों पारियों का पतन इंग्लैंड के विशाल स्कोर के जवाब में ऑस्ट्रेलिया पहली पारी में केवल 201 रन ही बना सकी. टीम की ओर से बिल ब्राउन ने 69 रन बनाए, जबकि इंग्लैंड के तेज गेंदबाज बिल बोवेस ने 5 विकेट झटके.

पहली पारी में 702 रन से पिछड़ने के कारण ऑस्ट्रेलिया को फॉलोऑन खेलने के लिए मजबूर होना पड़ा. दूसरी पारी में भी टीम बड़ी चुनौती पेश नहीं कर सकी और सिर्फ 123 रन पर सिमट गई. इंग्लैंड की ओर से केन फार्नेस ने 4 विकेट, जबकि बोवेस और हेडली वेरिटी ने 2-2 विकेट लिए. इंग्लैंड ने यह मुकाबला पारी और 579 रन से जीता—जो क्रिकेट इतिहास की सबसे बड़ी जीतों में से एक है. यह मैच आज भी एशेज इतिहास में एक लाजवाब, अविस्मरणीय और रिकॉर्डों से भरा अध्याय बना हुआ है.

भारतीय पुरुष हॉकी टीम सुल्तान अजलान शाह कप 2025 के लिए मलेशिया रवाना

एजेंसियां । नई दिल्ली

भारतीय पुरुष हॉकी टीम सोमवार तड़के बेंगलुरु के केम्पेगौड़ा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे से मलेशिया के इपोह के लिए रवाना हुई. टीम 23 से 30 नवंबर तक होने वाले 31वें सुल्तान अजलान शाह कप 2025 में हिस्सा लेगी. यह टूर्नामेंट विश्व हॉकी में लंबे समय से सबसे प्रतिष्ठित आमंत्रण प्रतियोगिताओं में से एक माना जाता है और टीमों को उच्च-स्तरीय प्रतिद्वंदियों के खिलाफ प्रतिस्पर्धा करने का अवसर देता है. भारतीय टीम अपने पहले मैच में 23 नवंबर को कोरिया से भिड़ेगी. उसके बाद राउंड-रॉबिन चरण में टीम बेल्जियम, मेजबान मलेशिया, न्यूजीलैंड और कनाडा के खिलाफ मुकाबले खेलेगी. लीग चरण के अंत में शीर्ष दो टीमें 30 नवंबर को फाइनल में जगह बनाने में सफल होंगी.

टीम पिछले कुछ हफ्तों से बेंगलुरु में अभ्यास कर रही थी. इसमें डिफेंडर संजय की कप्तानी में सामरिक फिटनेस, सुव्यवस्थित खेल और बेहतरीन संयोजनों पर विशेष ध्यान दिया गया. संजय टूर्नामेंट में टीम की कप्तानी करेंगे और उन्होंने टीम की तैयारी पर आत्मविश्वास जताया. कप्तान संजय ने कहा, हम सुल्तान अजलान शाह कप का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं. टीम ने पिछले कुछ हफ्तों में कड़ी मेहनत की है. सामरिक अनुशासन और फिटनेस दोनों पर ध्यान केंद्रित किया है. हम हर मैच में अपना सर्वश्रेष्ठ देने के लिए तैयार हैं और हमारा लक्ष्य निरंतरता बनाए रखना और खिताब के लिए चुनौती पेश करना है.टीम की मानसिकता के बारे में उन्होंने आगे कहा, समूह में जबरदस्त ऊर्जा है. हर खिलाड़ी अपनी भूमिका समझता है और इस महत्वपूर्ण मंच पर भारत का प्रतिनिधित्व करने के लिए उत्साहित है.

न्यूज अपडेट

पुलिस ने 122 लीटर विदेशी शराब के साथ तीन तस्कर को किया गिरफ्तार

कटिहार। कोढ़ा थाना पुलिस ने अवैध शराब के विरुद्ध एक बड़ी कार्रवाई को अंजाम दिया है. पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर एक जुगाड़ गाड़ी से कुल 122.857 लीटर विदेशी शराब बरामद की है और तीन तस्करों को गिरफ्तार किया है. कोढ़ा थानाध्यक्ष ने बताया कि पुलिस को गुप्त सूचना प्राप्त हुई थी कि महीनाथपुर पेट्रोल पम्प के पास तीन व्यक्ति एक जुगाड़ गाड़ी से अवैध शराब की खेप लेकर आ रहा है. उक्त सूचना के सत्यापन एवं आवश्यक कार्रवाई को लेकर पुलिस बल के साथ पर वाहन जाँच अभियान चलाया गया. जांच के क्रम में महीनाथपुर पेट्रोल पम्प के पास एक जुगाड़ गाड़ी को रोककर तलाशी ली गई, जिसमें कुल 122.857 लीटर विदेशी बरामद किया गया तथा तीन तस्कर को गिरफ्तार किया गया. थाना अध्यक्ष ने बताया कि गिरफ्तार आरोपियों के खिलाफ कांड दर्ज कर अग्रतर कार्रवाई की जा रही है.

मसियाडीह गांव में छापेमारी करने गयी पुलिस पर जानलेवा हमला

नालंदा। बिंद थाना क्षेत्र के मसियाडीह गांव में सोमवार को छापेमारी करने गई उत्पाद विभाग की रेडिंग टीम पर शराब धंधेबाजों ने गोलीबारी करते हुए जानलेवा हमला कर दिया. मोर्चा संभालते हुए टीम ने जवाबी फायरिंग कर स्थिति को नियंत्रण में किया. चुलाई शराब जब्त करने के बाद धंधेबाजों ने हमला किया था. धंधेबाजों ने करीब 6 चक्र फायरिंग की थी. रेडिंग टीम ने 20 लीटर चुलाई शराब जब्त करते हुए कई भट्ठियों को नष्ट किया. सैकड़ों लीटर छोवा भी बहाया गया. इसके बाद थाना पुलिस, खनन विभाग और विद्युत विभाग भी छापेमारी करने पहुंच गई. खनन विभाग ने मौके से एक अवैध बालू लोड ट्रैक्टर भी जब्त किया है. वहीं, विद्युत विभाग की टीम ने बिजली चोरी पकड़कर जुर्माना लगाया है. उत्पाद थानाध्यक्ष मुन्ना कुमार ने बताया कि विभाग की 10 सदस्यीय टीम गुप्त सूचना पर मसियांडीह गांव में शराब धंधेबाजों पर कार्रवाई करने पहुंची थी. जहां चुलाई शराब जब्त करने पर धंधेबाजों ने हमला कर दिया. बदमाश टीम पर फायरिंग करने लगें. आत्मरक्षार्थ टीम भी जवाबी फायरिंग की.

गोपालपुर गांव में युवक की गोली मारकर हत्या, पुलिस जांच में जुटी

रोहतास। दिनारा थाना क्षेत्र के कुड गोपालपुर गांव में एक युवक की गोली मारकर हत्या कर दी गई. मृतक की पहचान सुधीर कुमार यादव के रूप में हुई, जो दिनारा का रहने वाला था और क्लक्टर यादव के पुत्र थे. सूचना के अनुसार, सुधीर कल अपने दोस्तों से मिलने गया था, लेकिन घर नहीं लौटा. परिजनों की खोजबीन के बाद आज उसका शव चौसा नहर के पास पाया गया. मौके पर पुलिस ने तीन कारतूस के खोखे और शराब की खाली बोतलें बरामद की हैं. सूचना मिलने पर दिनारा थाना पुलिस और बिक्रमगंज के अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी संकेत कुमार दलबल के साथ घटनास्थल पर पहुंचे और जांच शुरू की. शव को पोस्टमार्टम के लिए सासाराम के सदर अस्पताल भेजा गया है. प्रारंभिक जांच में यह संकेत मिले हैं कि हत्या स्थानीय लोगों द्वारा नहीं, बल्कि किसी बाहरी व्यक्ति ने की है. फिलहाल हत्या के कारण स्पष्ट नहीं हो पाए हैं. पुलिस तमाम बिंदुओं पर जांच कर रही है और आसपास के लोगों से पूछताछ की जा रही है.

सोनपुर मेले में दिखा 'गज-ग्राह' की लड़ाई का अद्भुत सैंड आर्ट

सारण। विश्व प्रसिद्ध हरिहर क्षेत्र सोनपुर मेला अपनी सांस्कृतिक और पारंपरिक विरासत के लिए जाना जाता है, और इस बार यहाँ एक स्थानीय कलाकार अशोक कुमार के द्वारा बनाया गया एक शानदार सैंड आर्ट दर्शकों के बीच आकर्षण का केंद्र बन गया है. यह कलाकृति अंग्रेजी बाजार स्थित जिलाधिकारी आवास के पास प्रदर्शित की गई है. यह बालू कलाकृति पौराणिक कथा गज और ग्राह की लड़ाई और उद्धार पर आधारित है. कलाकार ने बड़ी कुशलता से उस क्षण को दर्शाया है जब भगवान विष्णु, सुदर्शन चक्र से मगरमच्छ का वध कर हाथी को मुक्ति दिलाते हैं. यह दृश्य कला और भक्ति का एक सुंदर संगम प्रस्तुत करता है. इस अद्भुत सैंड आर्ट में सिर्फ पौराणिक कथा ही नहीं बल्कि सोनपुर मेला और बिहार की पहचान से जुड़े तत्वों को भी खूबसूरती से उकेरा गया है. इस बालू कलाकृति में एक तरफ घोड़ा और बैल जैसे पशुओं को दर्शाया गया है, जो इस ऐतिहासिक पशु मेले के महत्व को चित्रित कर रहा है. इसके अलावा, बिहार का मानचित्र भी शामिल किया गया है, जिस पर सोनपुर का स्थान चिह्नित है .मेले के प्रचार-प्रसार को बढ़ावा देने के लिए कलाकृति में जिला प्रशासन और पर्यटन विभाग, बिहार सरकार का सोनपुर मेला प्रतीक चिन्ह भी बहुत ही आकर्षक तरीके से प्रदर्शित किया गया है. इस कलाकृति को बनाने वाले कलाकार अशोक कुमार ने बताया कि इस सैंड आर्ट को बनाने में स्थानीय कलाकार सोनू कुमार ने सहयोग प्रदान किया है. उनकी यह कलाकृति न केवल मेले की सुंदरता बढ़ा रही है, बल्कि स्थानीय कला और कलाकारों को भी एक महत्वपूर्ण मंच प्रदान कर रही है. यह सैंड आर्ट मेले में आने वाले दर्शकों को अपनी ओर आकर्षित कर रहा है और लोग रुककर इसकी प्रशंसा कर रहे हैं.

राजद के वरिष्ठ नेता शिवानंद तिवारी का लालू यादव व तेजस्वी पर बड़ा हमला, कहा

इस चुनाव ने उन्हें धरती सूंघा दी है

शुभम संदेश। पटना

बिहार विधानसभा चुनाव में राजद की करारी हार के बाद पार्टी के वरिष्ठ नेता शिवानंद तिवारी लगातार लालू प्रसाद यादव और तेजस्वी यादव पर हमलावर हैं. चुनाव नतीजों के बाद से तिवारी सोशल मीडिया पर खुलकर अपनी बात रख रहे हैं. बीते दिन उन्होंने लालू यादव को 'पुत्र मोह में अंधा धृतराष्ट्र' बताया था. अब एक बार फिर शिवानंद तिवारी ने ट्वीट कर कई बड़े राजनीतिक खुलासे किए हैं, जिनमें उन्होंने लालू-नीतीश की पुरानी राजनीतिक अंदरूनी कवायद का भी उल्लेख किया है. शिवानंद तिवारी ने अपनी पोस्ट में लिखा कि यह चुनाव कई मायनों में अहम है क्योंकि पहली बार भाजपा अपने सहयोगियों के साथ स्पष्ट बहुमत के करीब दिखाई दे रही है. उन्होंने कहा कि भाजपा अब भी कुछ समय तक नीतीश कुमार को मुख्यमंत्री बनाए रखेगी, लेकिन बिहार में अपनी सरकार बनाना हमेशा से भाजपा का सपना रहा है. उन्होंने यह भी कहा कि बिहार बुद्ध, चंपारण और जेपी-लोहिया की धरती रही है, जहां हिंदुत्व की विचारधारा अब तक स्वतंत्र रूप से नहीं पनप सकी. इसके बावजूद भाजपा अपने लक्ष्य के करीब पहुंच चुकी है. तिवारी ने लालू यादव पर सीधा हमला करते हुए कहा कि इस चुनाव ने उन्हें "धरती सूंघा दी है." उन्होंने तेजस्वी यादव को भी निशाने पर लेते हुए कहा कि तेजस्वी का अभी अपना कोई व्यक्तित्व नहीं है, बल्कि वे लालू यादव की आधुनिक प्रतिकृति मात्र हैं.

तिवारी ने लिखा कि लालू राजनीति का अवसान 2010 में ही शुरू हो गया था, जब राजद को केवल 22 सीटें मिली थीं और वह मुख्य विपक्षी दल का दर्जा भी हासिल नहीं कर पाई थी. अपने लंबे राजनीतिक अनुभव का हवाला देते हुए शिवानंद तिवारी ने लालू यादव के पहली बार मुख्यमंत्री बनने की कहानी भी सामने रखी. उन्होंने लिखा कि 1990 के चुनाव के बाद कांग्रेस सत्ता से बाहर हो गई थी और गैर-कांग्रेसी गठबंधन बन रहा था. जनता दल के नेता होने के नाते लालू यादव स्वाभाविक दावेदार थे, लेकिन पार्टी का केंद्रीय नेतृत्व, खासकर वी.पी. सिंह, लालू को मुख्यमंत्री नहीं बनाना चाहते थे और रामसुंदर दास को आगे बढ़ा रहे थे. हालांकि शरद यादव और नीतीश कुमार के दबाव के बाद विधायक दल का चुनाव हुआ, जिसमें लालू यादव आराम से जीत गए. तिवारी ने यह भी जोड़ा कि चंद्रशेखर ने रघुनाथ झा को उम्मीदवार बनाकर मुकाबला त्रिकोणीय कर दिया, जिससे लालू यादव को और फायदा मिला. अंततः लालू कांग्रेस, वाम दलों और भाजपा के समर्थन से पहली बार मुख्यमंत्री बने. शिवानंद तिवारी के इन खुलासों और बयानों ने बिहार की सियासत में नई हलचल पैदा कर दी है. उनकी पोस्ट एक बार फिर राजद नेतृत्व की अंदरूनी असंतुष्टि और राजनीतिक तनाव को उजागर करती है.

महिला की गला रेतकर हत्या, इलाके में दहशत

बांका। बाराहाट थाना क्षेत्र के तुरीडीह गांव में सोमवार की सुबह एक महिला का गला रेता हुआ शव खेत में बरामद होने से पूरे इलाके में दहशत फैल गई. ग्रामीणों ने सुबह शौच के लिए खेत जाते समय खून से लथपथ महिला को देखा और तुरंत पुलिस को सूचना दी. मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी. मृतका की पहचान बिजली देवी, पिता गुज्जर दास, निवासी तुरीडीह के रूप में हुई है. जानकारी के अनुसार उनकी शादी बौसी थाना क्षेत्र के मडुआ बरन गांव में हुई थी. यह अभी स्पष्ट नहीं हो सका है कि महिला किस परिस्थिति में खेत तक आई और उनकी हत्या कैसे हुई. घटना स्थल पर भारी संख्या में ग्रामीणों की भीड़ इकट्ठा हो गई.

उत्क्रमित मध्य विद्यालय ईटहरा में छात्रा से छेड़खानी के आरोप में प्रिंसिपल बंधक, ग्रामीणों ने की पिटाई

अररिया। आरएस थाना क्षेत्र के उत्क्रमित मध्य विद्यालय ईटहरा में सोमवार को प्रिंसिपल समशुल होदा पर छात्रा से छेड़खानी और अश्लील हरकत का आरोप लगने के बाद आक्रोशित ग्रामीणों ने उन्हें घंटों तक स्कूल में बंधक बनाकर रखा और बाद में पुलिस के सामने भी उनकी पिटाई कर दी. आरोप है कि प्रिंसिपल ने स्कूल की एक छात्रा को चॉकलेट का प्रलोभन देकर उसके साथ गलत नीयत से स्पर्श किया, जिसका छात्रा ने विरोध किया और घटना की जानकारी अपने अभिभावकों को दी. सूचना मिलते ही छात्रा के परिजन ग्रामीणों के साथ स्कूल पहुंचे और आरोपी प्रिंसिपल को उनके कक्ष में बंद कर दिया. मामले की जानकारी पर आरएस थाना पुलिस मौके पर पहुंची और ताला खुलवाकर प्रिंसिपल को थाने ले जाने लगी, लेकिन बाहर खड़ी भीड़ ने पुलिस के सामने ही उनकी पिटाई शुरू कर दी. पुलिस ने किसी तरह भीड़ से बचाकर प्रिंसिपल को थाने पहुँचाया. नगर पार्षद श्याम कुमार मंडल सहित ग्रामीणों का आरोप है कि प्रिंसिपल पहले भी छात्राओं के साथ अनुचित हरकतें करता रहा है, लेकिन शिक्षा विभाग की ओर से कभी कार्रवाई नहीं की गई. पुलिस पदाधिकारी अंकुर कुमार ने बताया कि प्रिंसिपल को बंधक बनाए जाने की सूचना के बाद उसे मुक्त कराया गया है. उन्होंने कहा कि लिखित शिकायत मिलने पर विधिसम्मत कार्रवाई की जाएगी. वहीं, थाना में प्रिंसिपल समशुल होदा ने सभी आरोपों को बेबुनियाद बताते हुए कहा कि वे बच्चियों को प्रोत्साहन के लिए चॉकलेट देते थे.

इसलामपुर में ट्रैक्टर से दबकर एक महिला की मौत, चार लोग जख्मी

नालंदा। नालंदा जिले के इसलामपुर थाना क्षेत्र में सोमवार को ट्रैक्टर व ई-रिक्शा की आमने-सामने भिड़ंत हो गई. घटना में एक महिला की मौत हो गई, जबकि चार लोग जख्मी हो गए. मृतक व जख्मी एक ही परिवार के हैं. सभी शादी समारोह में शामिल होने हरथु गांव जा रहे थे. उसी दौरान दुर्घटना हुई.मृतका सोहसराय थाना क्षेत्र के सोहदीह निवासी नजीमुद्दीन की 70 वर्षीया पत्नी सुखैदा खातून हैं. जख्मी सानिया खातून, लाडली खातून समेत चार लोग इसलामपुर अस्पताल में इलाजरत हैं. मृतक के परिवार ने बताया कि सभी लोग ई-रिक्शा पर सवार हो रिश्तेदार की शादी समारोह में शामिल होने हरथु गांव जा रहे थे. उसी दौरान हादसा हुआ. इस्लामपुर थाना के थानाध्यक्ष अनिल कुमार पांडेय ने बताया कि शव को पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल भेज दिया गया है. घटना के बाद ट्रैक्टर छोड़कर चालक फरार हो गया. वाहन जब्त कर पुलिस अग्रेतर कार्रवाई में जुट गई है.

एनएच पर अनियंत्रित कार ने बारातियों को रौंदा, तीन की मौत

पश्चिम चंपारण। लौरिया-बेतिया राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या - 227 के पास बीती देर रात एक सड़क हादसे में 03 लोगों की मौत हो गई, जबकि कई लोग घायल है. हादसा बिशुनपुरवा गांव के पास हुआ, जहां एक तेज रफ्तार कार ने सड़क किनारे खड़े बारातियों को रौंद दिया है. स्थानीय लोगों ने बताया कि "नरकटियागंज के धूमनगर से लौरिया के बिशुनपुरवा बारात आई थी. सभी बाराती सड़क किनारे खड़े थे और बारात लड़की के घर पर ले जाने की तैयारी कर रहें थे. इसी दौरान तेज रफ्तार कार ने अनियंत्रित हो गई और लोगों को कुचल दिया. हादसा इतना भयानक था कि मौके पर चीख-पुकार मच गई. आसपास के लोग घटनास्थल पर पहुंचे. लेकिन तब तक 03 लोगों की मौत हो चुकी थी, जबकि कई लोग घायल हैं. कार चालक भागने में सफल रहा. इसके बाद गुस्साएं लोगों ने गाड़ी को क्षतिग्रस्त कर दिया. घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस और डायल 112 की टीम मौके पर पहुंच राहत-बचाव कार्य में जुट गई. घायलों को नजदीकी सीएचसी भेजा गया.

सड़क दुर्घटना में एनटीपीसी इंजीनियर सुल्तानगंज निवासी संजय की मौत

भागलपुर। जिले के बाईपास थाना क्षेत्र के खुटाहा पुल के समीप सोमवार को अनियंत्रित हाईवा की चपेट में आने से सुल्तानगंज निवासी संजय कुमार की मौके पर ही मौत हो गई. मृतक कहलगांव एनटीपीसी में इंजीनियर के पद पर कार्यरत थे. घटना को लेकर संजय के पड़ोसी कपिल ने बताया कि संजय रोजाना की तरह अपनी बाइक से कहलगांव से अलीगंज स्थित अपने किराए के मकान लौट रहे थे. इसी दौरान नाथनगर की ओर से आ रही तेज रफ्तार हाईवा ने उनकी बाइक में जोरदार टक्कर मार दी जिससे उनकी मौके पर ही मौत हो गई.

कारोबार

आशीष कुमार चौहान ने भारतीय शेयर बाजार की तुलना सचिन तेंदुलकर से की

नयी दिल्ली। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) के सीईओ आशीष कुमार चौहान ने सीआईआई फाइनेंसिंग समिट में भारतीय शेयर बाजार की तुलना क्रिकेट के महान बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर से की. चौहान के अनुसार, भारतीय बाजार तेंदुलकर की तरह शांत और निरंतर प्रदर्शन कर रहा है, लेकिन अक्सर "छक्कों" यानी बड़ी उछाल की कमी के कारण इसे नजरअंदाज किया जाता है. उन्होंने कहा, "हम भले ही 100 शतक लगा लें, फिर भी लोग आश्चर्य करेंगे कि हम आखिरी ओवर की गेंद पर छक्का क्यों नहीं मार पा रहे." उन्होंने ओएफएस (ओपन ऑफर फॉर सेल) के जरिए निवेशकों के व्यवहार पर भी टिप्पणी की.

आरबीआई की सरकारी प्रतिभूतियों में हिस्सेदारी बढ़ी

नयी दिल्ली। स्टेट बैंक ऑफ इंडिया (एसबीआई) की ताजा रिपोर्ट के अनुसार, भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) की सरकारी प्रतिभूतियों में हिस्सेदारी जून 2025 में 14.2 प्रतिशत तक बढ़ गई, जो जून 2024 में 11.9 प्रतिशत थी. रिपोर्ट में कहा गया है कि आरबीआई की सरकारी बॉन्ड होल्डिंग लगातार बढ़ रही है, जबकि बैंकों की हिस्सेदारी घट रही है. बीमा कंपनियों की हिस्सेदारी लगभग स्थिर रही. केंद्र सरकार की ओर से फरवरी 2026 तक हर महीने लगभग एक लाख करोड़ रुपये उधार लेने की उम्मीद है, हालांकि मार्च के लिए केवल सीमित राशि तय की गई है. रिपोर्ट में कहा गया है कि अपेक्षाकृत बड़ी स्टेट डेवलपमेंट लोन (एसडीएल) केंद्र सरकार की अल्पकालिक उधारी से प्रतिस्पर्धा कर सकती हैं, जिससे बाजार में आपूर्ति बढ़ेगी. इसके बावजूद, बॉन्ड प्रतिफल सीमित दायरे में रह सकते हैं और आने वाले समय में उतार-चढ़ाव हो सकता है.

भारतीय शेयर बाजारों में लगातार छठे कारोबारी सत्र में रही तेजी

बीएसई सेंसेक्स 84,950 के पार

एजेंसी। नयी दिल्ली

सोमवार को भारतीय शेयर बाजारों में लगातार छठे कारोबारी सत्र में तेजी देखने को मिली. बीएसई का 30 शेयरों वाला सेंसेक्स 388.17 अंक यानी 0.46 प्रतिशत बढ़कर 84,950.95 पर बंद हुआ, जबकि एनएसई का निफ्टी 103.40 अंक या 0.40 प्रतिशत बढ़कर 26,013.45 के स्तर पर बंद हुआ. बाजार में यह मजबूती व्यापक स्तर पर सकारात्मक रुझान और कंपनियों के मजबूत तिमाही प्रदर्शन के चलते आई. विशेषज्ञों के अनुसार, घरेलू संस्थागत निवेशकों की मजबूत खरीदारी ने बाजार की तेजी को और बल दिया. जियोजित इन्वेस्टमेंट्स के शोध प्रमुख विनोद नायर ने कहा कि बाजार 26,000 के प्रमुख स्तर के आसपास अपनी सकारात्मक गति बनाए हुए है. उन्होंने यह भी जोड़ा कि संभावित व्यापार समझौते पर निवेशक बारीकी से नजर बनाए हुए हैं, और मिडकैप कंपनियों की दूसरी तिमाही की अपेक्षा से अधिक मजबूत आय ने जोखिम-लाभ अनुपात को अनुकूल बनाए रखा है. इससे बाजार में विकास और भविष्य में आय में संभावित वृद्धि के प्रति विश्वास मजबूत हुआ है. सेंसेक्स में शामिल कंपनियों में इटरनल, मारुति सुजुकी इंडिया, कोटक महिंद्रा बैंक, महिंद्रा एंड महिंद्रा, टेक महिंद्रा, टाइटन, एचडीएफसी बैंक, पावरग्रिड, बजाज फिनसर्व, एचसीएल टेक्नोलॉजीज, बजाज फाइनेंस और लार्सन एंड टुब्रो ने तेजी दिखाई. वहीं, टाटा मोटर्स पैसेंजर व्हीकल्स, एशियन पेंट्स, अल्ट्राटेक सीमेंट, भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड, टाटा स्टील, अडानी पोर्ट्स, हिंदुस्तान यूनिलीवर, आईटीसी, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज और रिलायंस इंडस्ट्रीज पिछड़ते शेयरों में रहे. स्थानीय बाजार में मजबूती और कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट के चलते रुपया अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 3 पैसे मजबूत होकर 88.63 पर बंद हुआ. वैश्विक स्तर पर, एशियाई बाजार मिश्रित रुख में बंद हुए. हांगकांग का हैंगसेंग, शंघाई का SSE कम्पोजिट और जापान का निक्केई 225 नकारात्मक क्षेत्र में बंद हुए, जबकि दक्षिण कोरिया का कोस्पी सकारात्मक क्षेत्र में बंद हुआ. यूरोपीय बाजार सोमवार को लाल निशान में कारोबार कर रहे थे. ब्रेंट क्रूड की कीमतें 0.70 प्रतिशत गिरकर 63.94 डॉलर प्रति बैरल पर आ गईं. विदेशी संस्थागत निवेशक लगातार पांचवें दिन शुद्ध बिकवाल रहे, और शुक्रवार को 4,968.22 करोड़ रुपये के शेयर बेचे. इसके विपरीत, घरेलू संस्थागत निवेशकों ने 8,461.47 करोड़ रुपये के शेयर खरीदे, जिससे बाजार में मजबूती बनी. पिछले शुक्रवार को बीएसई सेंसेक्स 84.11 अंक बढ़कर 84,562.78 पर और एनएसई निफ्टी 30.90 अंक बढ़कर 25,910.05 पर बंद हुआ. विशेषज्ञों का मानना है कि घरेलू निवेशकों की सक्रियता और कंपनियों के मजबूत वित्तीय प्रदर्शन से बाजार में आगे भी सकारात्मक रुख बने रहने की संभावना है.

आइडियाफोर्ज टेक्नोलोजी के शेयरों में सेना के बड़े ऑर्डर के चलते 11% की तेजी

नयी दिल्ली। ड्रोन निर्माता आइडियाफोर्ज टेक्नोलोजी (आईटी) के शेयरों में आज शुरुआती कारोबार में तेज उछाल देखा गया. बीएसई पर यह शेयर आज 519.90 रुपये तक पहुंच गया, जबकि पिछले सत्र में यह 465.55 रुपये पर बंद हुआ था. आज यह 492.50 रुपये पर खुला और सुबह 10.15 बजे यह 10.35% की तेजी के साथ 513.75 रुपये पर ट्रेड कर रहा था. कंपनी को हाल ही में भारतीय सेना से 100 करोड़ रुपये से अधिक का नया ऑर्डर मिला है. यह इस साल का सबसे बड़ा ऑर्डर माना जा रहा है. कंपनी ने बताया कि यह ऑर्डर टैक्टिकल अनमैन्ड व्हीकल, जोल्ट और ऑल-टेरेन वीटोल ड्रोन स्विच 2 के लिए मिला है.

जापान की अर्थव्यवस्था तिमाही में सिकुड़ गई

नयी दिल्ली। जापान की अर्थव्यवस्था जुलाई-सितंबर तिमाही में 0.4% की तिमाही गिरावट के साथ सिकुड़ गई, जो छह तिमाहियों में पहली बार आर्थिक संकुचन है. सालाना आधार पर जीडीपी 1.8% घटा. यह गिरावट अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा लगाए गए टैरिफ के असर को दर्शाती है, जिससे जापानी निर्यात पर दबाव पड़ा और आर्थिक रफ्तार धीमी हुई. हालांकि, बाजार की उम्मीदें 0.6% गिरावट की थीं, जबकि वास्तविक आंकड़े इससे थोड़े कम रहे. रिपोर्ट के अनुसार, सबसे अधिक असर निर्यात पर पड़ा, जो पिछली तिमाही की तुलना में 1.2% घट गया. कंपनियों ने टैरिफ लागू होने से पहले अधिक माल निर्यात कर पिछली तिमाही के आंकड़ों को ऊंचा बनाया था.

पाकिस्तान में डॉलर की बिक्री पर नए नियम लागू

नयी दिल्ली। पाकिस्तान ने डॉलर की कमी और रुपये की गिरावट को रोकने के लिए कड़े कदम उठाए हैं. स्टेट बैंक ऑफ पाकिस्तान ने नए नियम जारी किए हैं, जिसके तहत जिन ग्राहकों के पास विदेशी मुद्रा (एफसीवाई) खाता नहीं है, उन्हें बैंक नकद डॉलर नहीं देंगे. सरकार का मानना है कि इससे बाजार में डॉलर का अनियंत्रित बहाव रुकेगा और रुपये की कीमत स्थिर रहेगी.

सरकार ने कुछ प्रकार के 'प्लैटिनम' आभूषणों के आयात पर 30 अप्रैल 2026 तक लगाया प्रतिबंध

नई दिल्ली। सरकार ने कुछ प्रकार के 'प्लैटिनम' आभूषणों के आयात पर 17 नवंबर से 30 अप्रैल, 2026 तक प्रतिबंध लगा दिया है.विदेश व्यापार महानिदेशालय (डीजीएफटी) ने इस संबंध में सोमवार को एक अधिसूचना जारी की है. इससे पहले सरकार ने सितंबर में कुछ चांदी के आभूषणों के आयात पर अगले साल 31 मार्च तक प्रतिबंध लगाया था. अधिसूचना में कहा कि 'प्लैटिनम' आभूषणों की आयात नीति को ''तत्काल प्रभाव से 30 अप्रैल 2026 तक 'मुक्त' से 'प्रतिबंधित' में संशोधित किया गया है.'' आयातकों को अब इन वस्तुओं के आयात के लिए डीजीएफटी से लाइसेंस लेना होगा. अधिसूचना के मुताबिक इस नीति को 31 मार्च, 2026 तक ₹मुक्त₹ से ₹प्रतिबंधित₹ कर दिया है. इस बदलाव के तहत विशिष्ट प्लैटिनम आभूषणों को ₹मुक्त₹ से ₹प्रतिबंधित₹ दर्जा दिया गया है. इसके लिए आयातकों को विदेश व्यापार महानिदेशालय से लाइसेंस लेना होगा. अधिसूचना के मुताबिक उनकी आयात इस कदम का उद्देश्य थाईलैंड से बिना जड़ाऊ आभूषणों के नाम पर चांदी के आयात पर अंकुश लगाना था. डीजीएफटी के मुताबिक इस कदम के लिए आयातकों को लाइसेंस प्राप्त करना आवश्यक है. इसका उद्देश्य मुक्त व्यापार समझौतों (एफटीए) के दुरुपयोग से जुड़ी चिंताओं को दूर करना और घरेलू निर्माताओं की सुरक्षा करना है.

एयर इंडिया एक फरवरी से दिल्ली-शंघाई के लिए फिर से शुरू करेगी नॉन-स्टॉप उड़ानें

नई दिल्ली। टाटा की अगुवाई वाली एयर इंडिया एक फरवरी, 2026 से चीन के प्रमुख शहर शंघाई के लिए अपनी नॉन-स्टॉप उड़ानें फिर से शुरू करने जा रही है. विमानन कंपनी के इस कदम से भारत और चीन के बीच एयर कनेक्टिविटी में सुधार आएगा, जो लंबे समय से बाधित था. एयरलाइंस ने सोमवार को जारी एक बयान में बताया कि एयर इंडिया ने शंघाई को अपना 48वां अंतरराष्ट्रीय गंतव्य घोषित किया है, जिससे सबसे अधिक अंतरराष्ट्रीय यात्रियों को उड़ाने वाली भारतीय एयरलाइन के रूप में अपनी स्थिति की पुष्टि हुई है. विमानन कंपनी दिल्ली-शंघाई मार्ग पर बोइंग 787-8 विमानों का उपयोग करके चार साप्ताहिक उड़ानें संचालित करेगी, जिनमें बिजनेस क्लास में 18 फ्लैट बेड और इकोनॉमी क्लास में 238 सीटें हैं. एयर इंडिया के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) और प्रबंध निदेशक (एमडी) कैंपबेल विल्सन ने कहा कि हमारी दिल्ली-शंघाई सेवाओं की बहाली एक रूट लॉन्च से कहीं बढ़कर है. यह दो महान प्राचीन सभ्यताओं और आधुनिक आर्थिक महाशक्तियों के बीच एक सेतु का काम है. एयरलाइंस का यह फैसला भारत और चीन के बीच बढ़ते व्यापारिक और यात्रा संबंधी संबंधों को देखते हुए महत्वपूर्ण माना जा रहा है. इन नॉन-स्टॉप उड़ानों के शुरू होने से यात्रियों का समय बचेगा और दोनों देशों के बीच आना-जाना काफी आसान हो जाएगा.

भारत की तेल कंपनियों ने अमेरिका के साथ पहली बार एलपीजी आयात समझौता किया

नई दिल्ली। भारत और अमेरिका के बीच तरलीकृत पेट्रोलियम गैस (एलपीजी) को लेकर एक बड़ा समझौता हुआ है. इस समझौते के तहत भारत की सार्वजनिक क्षेत्र की तेल कंपनियां वर्ष 2026 में अमेरिकी से 22 लाख टन एलपीजी का आयात करेंगी, जो देश के वार्षिक एलपीजी आयात का लगभग 10 फीसदी होगा. केंद्रीय पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने सोमवार को 'एक्स' पोस्ट पर जारी एक बयान में बताया कि भारत अमेरिका से एलपीजी आयात करेगा, जो एक ऐतिहासिक कदम है. उन्होंने कहा कि भारत की सार्वजनिक क्षेत्र की तेल कंपनियों ने अमेरिकी खाड़ी तट से एलपीजी आयात करने के लिए एक साल का समझौता किया है. हरदीप सिंह पुरी ने कहा कि भारतीय सार्वजनिक क्षेत्र की तेल कंपनियों ने अनुबंध वर्ष 2026 के लिए अमेरिकी खाड़ी तट से लगभग 2.2 एमटीपीए एलपीजी आयात करने के लिए एक वर्षीय अनुबंध सफलतापूर्वक संपन्न किया है. यह भारत के वार्षिक एलपीजी आयात का लगभग दस फीसदी है और भारतीय बाजार के लिए इस तरह का पहला संरचित अमेरिकी एलपीजी अनुबंध है. मंत्री ने इस निर्णय को एक ऐतिहासिक घटनाक्रम बताया और कहा कि दुनिया के सबसे बड़े और सबसे तेज़ी से बढ़ते एलपीजी बाजारों में से एक अब अमेरिका के लिए खुल गया है. उन्होंने कहा, ₹यह खरीद एलपीजी खरीद के लिए माउंट बेलवियू को मानक के रूप में उपयोग करने पर आधारित है.

एनएसई टाटा मोटर्स व्हीकल्स का शेयर बाजार खुलते ही 7% तक गिरकर 363 रुपये पर आया

52 हफ्ते का न्यूनतम स्तर 335.30 रुपये रहा

एजेंसी। नयी दिल्ली

टाटा मोटर्स पैसेंजर व्हीकल्स का शेयर बाजार खुलते ही नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) पर 7% तक गिरकर 363 रुपये पर आ गया. इसी दौरान बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज (बीएसई) पर यह 363.15 रुपये तक पहुंच गया. इस गिरावट का मुख्य कारण कंपनी द्वारा 30 सितंबर को समाप्त तिमाही के लिए घोषित कमजोर वित्तीय नतीजे और अपनी लग्जरी कार यूनिट जगुआर लैंड रोवर (जेएलआर) के लिए भविष्य के अनुमानों में कटौती को बताया गया है. टाटा मोटर्स का 52 हफ्ते का उच्चतम स्तर 507.97 रुपये और न्यूनतम स्तर 335.30 रुपये रहा है. कंपनी ने सितंबर तिमाही के लिए 76,170 करोड़ रुपये का कंसोलिडेटेड नेट प्रॉफिट दर्ज किया. हालांकि, यह लाभ मुख्य रूप से हाल ही में हुए डीमर्जर के तहत अलग की गई संपत्तियों की बिक्री से 82,616 करोड़ रुपये के असाधारण लाभ के कारण आया. पिछले साल इसी तिमाही में कंपनी का लाभ 3,446 करोड़ रुपये था. यदि असाधारण लाभों को हटा दिया जाए तो टाटा मोटर्स पैसेंजर व्हीकल्स को सितंबर तिमाही में 6,370 करोड़ रुपये का घाटा हुआ है. इस दौरान कंपनी का कुल रेवेन्यू 71,714 करोड़ रुपये रहा, जो पिछले वित्तीय वर्ष की इसी तिमाही के 82,841 करोड़ रुपये से लगभग 13% कम है. पैसेंजर व्हीकल्स सेगमेंट ने 4,900 करोड़ रुपये का नकारात्मक ईबीआईटी (एर्निंग्स बेफोर इंटरेस्ट एंड टैक्स) दर्ज किया, जो पिछले साल की इसी अवधि के 8,800 करोड़ रुपये के नुकसान की तुलना में बेहतर है, लेकिन निवेशकों के लिए निराशाजनक रहा. कंपनी ने यह भी बताया कि जेएलआर में हुए हालिया साइबर हमले का इसके प्रदर्शन पर महत्वपूर्ण असर पड़ा. इसी वजह से टाटा मोटर्स ने जेएलआर के लिए ईबीआईटी मार्जिन के अनुमान को 5%-7% से घटाकर 0%-2% कर दिया है. कंपनी के अनुसार, लग्जरी कारों की मांग में नरमी, वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला की चुनौतियाँ और बढ़ती कच्चे माल की कीमतें भी इस प्रदर्शन पर असर डाल रही हैं. विशेषज्ञों का कहना है कि टाटा मोटर्स का मूल पैसेंजर व्हीकल्स व्यवसाय अभी भी घाटे में है और जेएलआर की कम ईबीआईटी मार्जिन की संभावना निवेशकों के लिए चिंता का विषय बनी हुई है. हालांकि, असाधारण लाभ के कारण कंपनी ने कुल लाभ दिखाया है, लेकिन इससे वास्तविक परिचालन प्रदर्शन का सही संकेत नहीं मिलता. विश्लेषकों ने निवेशकों को सतर्क रहने और कंपनी के दीर्घकालिक रणनीतिक बदलावों पर ध्यान देने की सलाह दी है. उन्होंने कहा कि जेएलआर और घरेलू पैसेंजर व्हीकल्स व्यवसाय के सुधार के लिए समय लगेगा, और अस्थायी बाजार उतार-चढ़ाव के बीच निवेशकों को निर्णय लेते समय वित्तीय विवरणों को गहराई से समझना चाहिए.

न्यूज अपडेट

कतर में लगातार गिर रहा विवाह दर युवा शादी से कर रहे हैं पूरा परहेज

दोहा। दुनिया में जहां कई देशों में शादी का सीजन अपने चरम पर होता है, वहीं खाड़ी देश कतर में विवाह दर लगातार गिरावट दर्ज कर रहा है. 2018 में कतर का मैरिज रेट दुनिया में सबसे कम था, जहां प्रति 1,000 आबादी पर सिर्फ 1.4 विवाह हुए. कतर ओपन डाटा के अनुसार, यह रुझान साल-दर-साल और नीचे जाता दिख रहा है. कतर की की रिपोर्ट के मुताबिक, 2022 में 15 वर्ष और उससे अधिक उम्र की कतरी आबादी में पुरुषों का विवाह दर 19.7 प्रति 1,000 और महिलाओं का 17.1 प्रति 1,000 रहा. यह दर 2006 से लगातार गिर रहा है, जबकि 2010 में पुरुषों के लिए 24.3 और महिलाओं के लिए 23.5 प्रति 1,000 का उच्च स्तर दर्ज हुआ था.

न्यूयॉर्क के मेयर जोहरान ममदानी से डोनाल्ड ट्रंप मुलाकात के लिए तैयार

वाशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने रविवार को संकेत दिया कि वे न्यूयॉर्क शहर के नवनिर्वाचित मेयर जोहरान ममदानी से मुलाकात करने के इच्छुक हैं. ट्रंप ने कहा कि वे "कुछ न कुछ रास्ता निकाल लेंगे." यह बयान उस समय आया है जब दोनों नेताओं के बीच महीनों से सियासी तनाव जारी है. ट्रंप लगातार ममदानी को "कम्युनिस्ट" बताते रहे और दावा करते रहे कि उनकी जीत से न्यूयॉर्क बर्बाद हो जाएगा. उन्होंने ममदानी को देश से निकालने और शहर से संघीय फंडिंग रोकने की धमकी भी दी थी. हालांकि चुनावी नतीजों ने अलग तस्वीर पेश की. 34 वर्षीय जोहरान ममदानी, जो कभी अपेक्षाकृत कम जाने जाते थे, सोशल मीडिया के सितारे बने और ट्रंप की प्रवासी-विरोधी नीतियों के मुखर आलोचक के रूप में उभरे.

अमेरिका में भारतीय छात्रों की संख्या में आयी ऐतिहासिक रिकॉर्ड गिरावट

वाशिंगटन। अमेरिका में भारतीय छात्रों की संख्या में आई ऐतिहासिक गिरावट ने संकेत दे दिया है कि दुनिया की सबसे बड़ी उच्च शिक्षा अर्थव्यवस्था अब अपने पारंपरिक भरोसे को तेजी से खो रही है. इंस्टीट्यूट फॉर इंटरनेशनल एजुकेशन की प्रारम्भिक ओपन डोर्स रिपोर्ट 2025 और अमेरिकी विश्वविद्यालयों के आंतरिक सर्वेक्षणों के अनुसार 2024–25 सत्र तक भारतीय छात्रों का नामांकन लगभग 70 प्रतिशत घट गया है. पिछले वर्ष जहां करीब 3,75,800 भारतीय छात्र अमेरिकी विश्वविद्यालयों में थे, वहीं इस वर्ष यह संख्या घटकर लगभग 1,12,000 रह गई है. यह पिछले 15 वर्षों की सबसे तेज गिरावट मानी जा रही है, जिसका प्रभाव सीधे अमेरिकी कैंपस की आर्थिक संरचना तक महसूस किया जा रहा है.

दोहा में भारत–कतर वार्ता तेज हुई बहरीन से भी हुई महत्वपूर्ण चर्चा

दोहा। विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने दोहा में कतर के प्रधानमंत्री और विदेश मंत्री मोहम्मद बिन अब्दुलरहमान बिन जसीम अल थानी से मुलाकात की. दोनों नेताओं ने ऊर्जा, व्यापार, निवेश और लोगों के बीच संपर्क जैसे द्विपक्षीय संबंधों के प्रमुख पहलुओं की विस्तृत समीक्षा की. बैठक के दौरान प एशिया की परिस्थितियों सहित वैश्विक मुद्दों पर भी गहन विचार-विमर्श हुआ. जयशंकर ने सोशल मीडिया पर कहा कि कतर के प्रधानमंत्री से मुलाकात बेहद उपयोगी रही और दोनों देशों की रणनीतिक साझेदारी को मजबूत करने पर सहमति बनी.

खनन दुर्घटना : कालांडो खान में पुल गिरने से 40 लोगों की मौत

कांगो। कांगो के दक्षिण-पूर्वी हिस्से में स्थित मुलोंडो इलाके की कालांडो खान में हुई एक भीषण दुर्घटना ने पूरे क्षेत्र को दहला दिया. खदान में बना पुल अचानक ध्वस्त हो गया, जिससे भगदड़ मच गई और कम से कम 40 लोगों की मौत हो गई, जबकि कई अन्य गंभीर रूप से घायल हुए हैं. स्थानीय प्रशासन ने इसे अवैध खनन गतिविधियों और खदान में अत्याधिक भीड़ के कारण हुआ हादसा बताया है. लुआलाबा प्रांत के आंतरिक मंत्री रॉय काउंबा मायोंडे के अनुसार, भारी बारिश और संभावित भूस्खलन को देखते हुए खदान में प्रवेश पर पहले ही रोक लगा दी गई थी. इसके बावजूद बड़ी संख्या में अवैध खनिक जबरन अंदर घुसने की कोशिश कर रहे थे. उन्होंने बताया कि मौके पर मौजूद सैनिकों ने खदान में अनधिकृत प्रवेश रोकने के लिए हवाई फायरिंग की, जिसके बाद खनिकों में अफरा-तफरी मच गई.

डीआरआई ने 30 हजार पटाखों के टुकड़े गुजरात के मुंद्रा बंदरगाह पर पकड़े

नई दिल्ली। राजस्व खुफिया निदेशालय ने ऑपरेशन फायरट्रेल के तहत बड़ी कार्रवाई करते हुए गुजरात के मुंद्रा बंदरगाह पर चीन से अवैध रूप से लाए गए 30 हजार पटाखों के टुकड़े पकड़े हैं. डीआरआई ने बताया कि बिना किसी वैध लाइसेंस के लाई गई यह अवैध खेप करीब पांच करोड़ रुपये की है. इसके मास्टर माइंड को गिरफ्तार कर लिया गया है. डीआरआई अधिकारियों के अनुसार, 40 फीट लंबे कंटेनर की जांच के दौरान सामने आया कि इसमें चीन से लाए गए पटाखों के टुकड़े छुपाकर रखे गए हैं. विदेश व्यापार नीति के तहत पटाखों का आयात प्रतिबंधित श्रेणी में आता है और इसके लिए डीजीएफटी तथा पेट्रोलियम और विस्फोटक सुरक्षा संगठन से लाइसेंस लेना अनिवार्य होता है.

भारतीय सेना ने वालोंग दिवस के 63वें समापन समारोह में बलिदानियों के पराक्रम को किया नमन

कोलकाता। वालोंग दिवस के 63वें समापन समारोह का आयोजन वालोंग में किया गया. इस अवसर पर 1962 के युद्ध के ऐतिहासिक वालोंग युद्ध में लड़े भारतीय सैनिकों के अदम्य साहस और बलिदान को श्रद्धांजलि दी गई. समारोह में पूर्वी सेना के सेनापति लेफ्टिनेंट जनरल आरसी तिवारी, क्वार्टर मास्टर जनरल लेफ्टिनेंट जनरल वीएमबी कृष्णन, स्पीयर कोर के जीओसी लेफ्टिनेंट जनरल अभिजीत एस पेंढारकर, अरुणाचल प्रदेश के उपमुख्यमंत्री चोना मेन सहित 1962 के युद्ध के दिग्गज सैनिक और उनके परिजन उपस्थित रहे. 15 नवंबर को वालोंग दिवस पूर्व संध्या कार्यक्रम में लाइट एंड साउंड शो, ड्रोन डिस्प्ले, सैंड आर्ट और सांस्कृतिक प्रस्तुतियों का भव्य आयोजन किया गया, जिसमें क्षेत्र की सांस्कृतिक पहचान के साथ उन वीर सैनिकों की गाथा को प्रमुखता से प्रस्तुत किया गया जिन्होंने 1962 में अद्वितीय साहस दिखाया. अगले दिन लोंग वार मेमोरियल पर श्रद्धासुमन अर्पित किए गए. इसके बाद वालोंग युद्ध के नायकों की प्रतिमाओं का अनावरण किया गया. स्थानीय कलाकारों और भारतीय सेना द्वारा प्रस्तुत सांस्कृतिक कार्यक्रमों ने आयोजन में पारंपरिक गरिमा जोड़ी. कार्यक्रम के दौरान युद्ध दिग्गजों तथा विभिन्न गतिविधियों में भाग लेने वालों को सम्मानित भी किया गया. समापन समारोह भारतीय सेना के अदम्य साहस, राष्ट्रभक्ति और निष्ठा को समर्पित रहा.

पश्तूनों पर सेना की कार्रवाई को लेकर केपी के सीएम सोहेल का हमला

पाकिस्तान सेना आम व निर्दोष लोगों को निशाना बना रही है

एजेंसी। इस्लामाबाद

पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वां (केपी) प्रांत के मुख्यमंत्री सोहेल अफरीदी ने एक बार फिर देश की सेना और आर्मी चीफ जनरल असीम मुनीर पर गंभीर आरोप लगाए हैं. उन्होंने कहा है कि पाकिस्तानी सेना आतंकवादियों के नाम पर पश्तून इलाकों में आम और निर्दोष लोगों को निशाना बना रही है. अफरीदी ने दावा किया कि सेना की हालिया कार्रवाइयों में मारे गए ज्यादातर लोग नागरिक थे, जिन्हें गलत तरीके से आतंकवादी करार दिया गया. खुरासान न्यूज के हवाले से मिली जानकारी के अनुसार, सोहेल अफरीदी ने सितंबर महीने में तिराह घाटी में हुए पाकिस्तानी सेना के हमले का जिक्र किया. उन्होंने कहा कि इस स्ट्राइक में कुल 21 लोग मारे गए, लेकिन उनमें से कोई भी हथियारबंद नहीं था. सभी लोग आम नागरिक थे जो अपने रोजमर्रा के कामों में व्यस्त थे. अफरीदी ने आरोप लगाया कि सेना ने इन लोगों को बिना किसी वजह के बेरहमी से मार गिराया और बाद में उन्हें आतंकवादी घोषित कर दिया. पीटीआई के वरिष्ठ नेता और इमरान खान के करीबी माने जाने वाले अफरीदी ने कहा कि असीम मुनीर के नेतृत्व में पाकिस्तानी सेना युद्ध अपराध कर रही है. उनके अनुसार, सेना पश्तून समुदाय को निशाना बना रही है और खैबर पख्तूनख्वां के लोगों का खून बहाने का सिलसिला लगातार जारी है. उन्होंने चेतावनी दी कि यदि सेना की ये कार्रवाइयां इसी तरह चलती रहीं तो प्रांत में हालात और ज्यादा बिगड़ सकते हैं. अफरीदी ने कहा कि पाकिस्तानी फौज को फौरन इन अभियानों को बंद करना चाहिए और निर्दोष नागरिकों पर कार्रवाई बंद करके उनके अधिकारों का सम्मान करना चाहिए. उन्होंने कहा कि पश्तून क्षेत्रों में उत्पीड़न की घटनाएं नई नहीं हैं, लेकिन हाल के महीनों में सेना की दमनात्मक कार्रवाइयों में काफी इजाफा हुआ है. मुख्यमंत्री ने यह भी आरोप लगाया कि सेना खैबर पख्तूनख्वां के लोगों, खासतौर से आदिवासी और कबायली इलाकों के निवासियों के साथ जानवरों से भी बदतर बर्ताव कर रही है.

अफरीदी का कहना है कि सेना के अधिकारी स्थानीय लोगों के सम्मान को ठेस पहुंचाने वाले कदम उठा रहे हैं, जिसकी वजह से क्षेत्र में गुस्सा और असंतोष बढ़ रहा है. 35 वर्षीय सोहेल अफरीदी हाल ही में खैबर पख्तूनख्वां के मुख्यमंत्री बने हैं. पीटीआई नेता अली अमीन गंडापुर के इस्तीफे के बाद इमरान खान ने उन्हें यह जिम्मेदारी सौंपी थी. अपनी युवा छवि और बेबाक राजनीतिक रुख के कारण अफरीदी तेजी से राष्ट्रीय राजनीति में एक मजबूत आवाज बनते जा रहे हैं. बारा तहसील, खैबर जिले के मूल निवासी अफरीदी आदिवासी पृष्ठभूमि से आते हैं—एक ऐसा क्षेत्र जो वर्षों से पाकिस्तानी सेना की विभिन्न अभियानों का केंद्र रहा है. यही कारण है कि अफरीदी अपने समुदाय के लोगों पर हो रहे अत्याचारों को लेकर विशेष रूप से मुखर हैं. उन्होंने बार-बार सेना पर गंभीर आरोप लगाए हैं, लेकिन अब तक आर्मी चीफ असीम मुनीर ने इन आरोपों पर कोई टिप्पणी नहीं की है.

जावा में भूस्खलन से कम से कम 18 की मौत, दर्जनों लापता

जकार्ता। इंडोनेशिया के मध्य जावा प्रांत के दो क्षेत्रों में पिछले सप्ताह भारी बारिश के कारण हुए भूस्खलन में कम से कम 18 लोगों की मौत हो गई जबकि कई अन्य घायल हो गए. क्षेत्रों में राहत एवं बचाव कार्य जारी है. देश की आपदा राहत एजेंसी के अधिकारियों ने बताया कि सिलाकाप शहर में पिछले सप्ताह एक भूस्खलन में सीब्यूनयिंग गांव में दर्जन भर घर दफन हो गये हैं. अधिकारियों ने बताया कि बचाव कार्यों में बाधा आ रही है क्योंकि लोग 3 से 8 मीटर (10 से 25 फुट) की गहराई में फंसे हुए हैं. इस बीच सिलाकाप क्षेत्र में हुए भूस्खलन में कम से कम 16 लोगों की मौत की खबर है जबकि सात लोग लापता बताए गए हैं. एजेंसी के मुताबिक एक अन्य घटनाक्रम में मध्य जावा के बनजर्नेगा क्षेत्र में शनिवार को हुए एक भूस्खलन के बाद दो लोगों की मौत हो गई और 27 इससे 30 घरों के साथ-साथ बुनियादी ढांचे को भारी नुकसान पहुंचने की खबर है.

लोकतंत्र में अब परिवारवाद के खत्म होने का समय आ गया : गिरिराज सिंह

डिंडौरी। भाजपा के कद्दावर नेता और केंद्रीय वस्त्र मंत्री गिरिराज सिंह ने कांग्रेस के चुनावी प्रदर्शन पर कटाक्ष किया है. उन्होंने कहा कि पिछले छह चुनावों में कांग्रेस के जितने विधायक जीते हैं, उतने तो अकेले बिहार चुनाव में भाजपा के निर्वाचित हुए हैं. उन्होंने कहा कि लोकतंत्र में अब परिवारवाद की राजनीति के अंत का समय आ गया है. प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने चुनाव के पहले ही कह दिया था कि चुनाव के बाद लालू यादव का परिवार बिखर जाएगा. अब कोई पार्टी परिवारवाद से नहीं चल सकती. उन्होंने यह भी जोड़ा कि इंदिरा गांधी के बाद राजीव और संजय का परिवार पहले ही बिखर गया था और अब 'एक ही परिवार बचा है'. केन्द्रीय मंत्री सिंह ने यह बातें डिंडौरी में मीडिया से बातचीत करते हुए कही. वे मध्य प्रदेश के चार दिवसीय प्रवास के तीसरे दिन सोमवार को अमरकंटक से लौटते वक्त अल्प प्रवास पर डिंडौरी पहुंचे थे. यहां उनका जोरदार स्वागत हुआ. वे शहपुरा से भाजपा विधायक ओमप्रकाश धुर्वे के आवास पर पहुंचे और उनसे मुलाकात की. इस दौरान उन्होंने मीडिया से बातचीत करते हुए विभिन्न राजनीतिक मुद्दों पर अपनी राय रखी.

भारतीय तटरक्षक बल ने 29 मछुआरों सहित बांग्लादेशी ट्रॉलर को पकड़ा

कोलकाता। भारतीय तटरक्षक बल ने बंगाल की खाड़ी में गश्त के दौरान संदिग्ध गतिविधि का पता चलने पर 29 मछुआरों के साथ एक बांग्लादेशी ट्रॉलर को पकड़ा है. बाद में सभी को दक्षिण 24 परगना जिले के फ्रेजरगंज कोस्ट थाने को सौंप दिया गया. इसके बाद उन्हें भारतीय जल सीमा में घुसपैठ के आरोप में गिरफ्तार कर लिया गया. कोस्ट गार्ड के आज सुबह जारी बयान में यह जानकारी दी गई. कोस्ट गार्ड के अनुसार, रविवार को तटरक्षक बल ने गश्त के दौरान एक संदिग्ध ट्रॉलर को देखा. जांच में पाया गया कि ट्रॉलर अंतरराष्ट्रीय समुद्री सीमा लांघकर बांग्लादेश से भारतीय जल क्षेत्र में प्रवेश कर गया है. ट्रॉलर तटरक्षक दल तट पर लेकर आया और मछुआरों को संबंधित थाने के हवाले कर दिया. सुंदरवन जिला पुलिस अधिकारी जांच कर रहे हैं कि ट्रॉलर किस तरह भारतीय जल सीमा में पहुंचा. आरोपितों को सोमवार को काकद्वीप उप–संभागीय अदालत में पेश किया जाएगा.

हीरा कारोबारी के पुत्र जश महेता 23 नवंबर को लेंगे जैन संन्यास की दीक्षा

एजेंसियां । गांधीनगर

गुजरात के हीरानगरी सूरत के जाने-माने हीरा उद्योगपति जतीन महेता के 18 वर्षीय पुत्र जश महेता ने दुनिया के सारे भौतिक सुखों को त्यागकर संयम के कठिन मार्ग पर चलने का फैसला किया है. इस तरह से यहां वैराग्य और त्याग की एक अनोखी कहानी सामने आई है. जश महेता की जैन संन्यास की दीक्षा का कार्यक्रम 23 नवंबर को सूरत के पाल क्षेत्र में भव्य रूप से आयोजित किया जाएगा. वे भक्तियोगाचार्य आचार्य भगवंत यशोविजयसूरी महाराज साहेब की निश्रा में दीक्षा ग्रहण कर संयम मार्ग पर अग्रसर होंगे. 18 वर्षीय जश महेता का जीवन बचपन से ही हर तरह की सुविधा से भरपूर रहा. पिता हीरा उद्योग के बड़े कारोबारी होने के कारण जश के हर शौक पूरे किए जाते थे. उसे—महंगे ब्रांडेड चश्मे,लैंडेस्ट आईफोन और क्रिकेट खेलने का बेहद शौक था. लेकिन उसका सबसे बड़ा लगाव था असली डायमंड ज्वेलरी और लक्जरी डायमंड वॉच पहनने का. जश के पास सवा दो लाख की डायमंड वॉच थी और वह डायमंड–गोल्ड की चेन व अन्य दागिने भी पहनता था. अपने निर्णय पर जश ने कहा, "हां, मुझे लक्सरी वॉच और ज्वेलरी बहुत पसंद थी. लेकिन एक दिन मन में विचार आया—ये सब मेरे साथ कब तक रहेगा? अंत में तो सब यहीं छोड़कर जाना है. जो चीज़ें हमेशा साथ नहीं आने वाली, उनके प्रति इतना मोह कैसा?" जश के इस विचार ने पूरे परिवार और समुदाय को आश्चर्य में डाल दिया है. एक ऐसे शहर से वैराग्य का मार्ग चुनना, जो पूरी दुनिया में हीरों की चमक के लिए जाना जाता है, अब लोगों के बीच चर्चा का विषय बना हुआ है.

शाह, गडकरी, योगी, खरगे ने दी लाला लाजपत राय की पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि

नई दिल्ली। महान स्वतंत्रता संग्राम सेनानी 'पंजाब केसरी' लाला लाजपत राय की पुण्यतिथि पर केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह, केंद्रीय सड़क परिवहन मंत्री नितिन गडकरी, कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे और उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ सहित कई नेताओं ने एक्स पर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की. केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने कहा कि भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन को क्रांतिकारी विचारों से गति देने वाले लाला लाजपत राय ने गरीबों, किसानों और युवाओं को संगठित कर अंग्रेजी शासन के विरुद्ध संघर्ष को धार दी. उन्होंने कहा कि अंग्रेजों के दमन का सामना करते हुए लाजपत राय ने अपने प्राणों की आहुति दी और उनका बलिदान स्वतंत्रता संग्राम की ज्वाला को और प्रखर बनाता है. केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने लाला लाजपत राय को महान स्वतंत्रता सेनानी बताते हुए उनकी पुण्यतिथि पर नमन किया. कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने लाला लाजपत राय के ऐतिहासिक शब्द, "मेरे शरीर पर पड़ने वाली हर लाठी, ब्रिटिश साम्राज्य के ताबूत में एक नई कील साबित होगी" का उल्लेख करते हुए कहा कि 'पंजाब केसरी' और 'शेर-ए-पंजाब' के रूप में सम्मानित लाजपत राय साहस और संघर्ष के अदम्य प्रतीक थे. उन्होंने उनकी पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि दी. उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि 'पंजाब केसरी' लाला लाजपत राय का जीवन देशभक्ति, साहस और त्याग का अमिट उदाहरण है. लाजपत राय ने युवाओं के हृदय में स्वतंत्रता की ज्वाला प्रज्वलित की, जिसने ब्रिटिश शासन की नींव हिला दी. केंद्रीय आवास एवं शहरी विकासमंत्री मनोहर लाल ने कहा कि स्वाधीनता के लिए सर्वस्व अर्पित करने वाले लाजपत राय का जीवन स्वावलंबन और स्वराज्य जैसे विचारों से परिपूर्ण था, जो आज भी प्रेरित करता है.

बिहार विधानसभा 2025 चुनाव के नतीजों पर बिजनेसमैन रॉबर्ट वाड्रा ने प्रतिक्रिया देते हुए कहा

राहुल-प्रियंका गांधी चुनावी प्रथाओं के खिलाफ लड़ाई जारी रखेंगे

एजेंसी। नयी दिल्ली

बिहार विधानसभा चुनाव 2025 के नतीजों पर प्रतिक्रिया देते हुए बिजनेसमैन रॉबर्ट वाड्रा ने कहा कि कांग्रेस नेता राहुल गांधी और प्रियंका गांधी चुनावी प्रथाओं के खिलाफ अपनी लड़ाई जारी रखेंगे. वाड्रा ने दावा किया कि बिहार में हुए घटनाक्रम से लोग परेशान हैं और यह देश तथा लोकतंत्र—दोनों के लिए चुनौतीपूर्ण समय है. उन्होंने कहा कि यह हालात बेहद चिंताजनक हैं और देश की जनता इसे बारीकी से देख रही है. वाड्रा ने अपनी धार्मिक यात्रा की जानकारी साझा करते हुए बताया कि वह उज्जैन और ओंकारेश्वर जाएंगे, जहां पूजा-अर्चना के बाद पांच हजार लोगों को भोजन कराएंगे. उन्होंने कहा कि धार्मिक यात्राओं से उन्हें देशभर के लोगों से मिलने, उनकी चिंताओं को सुनने और उनकी जरूरतों को समझने का अवसर मिलता है. साथ ही, वह अपनी चैरिटी के माध्यम से लोगों की समस्याओं के समाधान में योगदान देने का प्रयास भी करते हैं. वाड्रा ने आरोप लगाया कि यदि चुनाव बैलेट पेपर के माध्यम से कराए जाएं, तो नतीजे बिल्कुल अलग होंगे. उन्होंने दावा किया कि वर्तमान चुनावी प्रणाली में कई खामियां हैं, जिनका फायदा उठाकर अनुचित तरीकों से सरकारें बनाई जाती हैं.

वाड्रा ने कहा कि ऐसी सरकारें केवल बड़े उद्योगपतियों विशेष रूप से अडानी जैसे व्यवसायियों को लाभ पहुंचाती हैं, जबकि आम जनता की समस्याओं की अनदेखी की जाती है. उन्होंने कहा कि चुनाव खर्च और चुनावी आचरण को लेकर जवाबदेही अनिवार्य है. वाड्रा के अनुसार, चुनावी प्रक्रिया को बेहतर, पारदर्शी और जनहितकारी बनाना ही कांग्रेस पार्टी का मुख्य लक्ष्य है. उन्होंने स्पष्ट किया कि राहुल गांधी प्रधानमंत्री बनें या न बनें यह पार्टी का उद्देश्य नहीं है, बल्कि एक लोकतांत्रिक, धर्मनिरपेक्ष और एकजुट राष्ट्र का निर्माण ही कांग्रेस की प्राथमिकता है. वाड्रा ने कहा कि उन्हें पता है कि दोबारा चुनाव नहीं होंगे. उन्होंने दावा किया कि निर्वाचन आयोग, बीजेपी और उनकी टीमें अब अगले चुनाव की तैयारियों में जुट जाएंगी. उन्होंने आरोप लगाया कि मौजूदा व्यवस्था में आम नागरिकों से ज्यादा फायदा बड़े उद्योगपतियों को मिलता है, जबकि जनता की आवाज कमजोर पड़ जाती है. अपनी यात्रा और सामाजिक कार्यों के बारे में बताते हुए वाड्रा ने कहा कि वह लगातार लोगों से संवाद कर रहे हैं और उनकी समस्याओं को प्रत्यक्ष रूप से समझने का प्रयास कर रहे हैं.

उन्होंने कहा कि उनकी कोशिश है कि अधिक से अधिक लोगों तक मदद पहुंचाई जा सके और उनकी जरूरतों को पूरा किया जा सके.

मणिपुर में आरपीएफ/पीएलए का मेजर गिरफ्तार

काकचिंग से भारी मात्रा में हथियार बरामद

इंफाल। मणिपुर पुलिस, केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) और असम राइफल्स की एक संयुक्त टीम ने रविवार को आरपीएफ/पीएलए के स्वयंभू मेजर कोइजम इबोचौबा उर्फ इनाओ उर्फ सूमो उर्फ सोमो उर्फ पनसरेंग (45) को गिरफ्तार कर लिया. याइरिपोक मालोम ममंग लाइकाई निवासी और वर्तमान में इंफाल थाना क्षेत्र के सगोलबंद नेप्रा मेनजोर लाइकाई में किराये के घर में रह रहे इबोचौबा 2017 में साजिक तामपाक में चार असम राइफल्स जवानों पर हुए हमले के मामले में वांछित था. पुलिस प्रवक्ता ने सोमवार को बताया कि पूछताछ के दौरान इबोचौबा ने काकचिंग जिले के खारुंगपट स्थित एक खेत में प्लास्टिक ड्रम के अंदर दबाकर रखे गए हथियारों का पता बताया. इसके आधार पर सुरक्षा बलों ने वहां से एक एम-16 राइफल, आठ एसएलआर राइफल, एक .303 एलएमजी, दो .303 राइफल, अमोघ कार्बाइन के 190 कारतूस, एसएलआर के 30 कारतूस, एक डेटोनेटर, 32 एसएलआर मैगजीन, चार 7.62 एलएमजी मैगजीन, तीन .303 मैगजीन, छह .303 एलएमजी मैगजीन, तीन एम-16 मैगजीन, चार इंसास मैगजीन, तीन 2 इंच मोर्टार, दो आईईडी, एक रिमोट, दो इलेक्ट्रिक सर्किट, एक स्पिरिट ड्रम और एक मोबाइल फोन (सिम कार्ड सहित) बरामद किया.

स्वत्वाधिकारी लगातार इंफोटेनमेंट प्राइवेट लिमिटेड की ओर से मुद्रक, प्रकाशक प्रदीप कुमार सिंह, क्वार्टर नंबर सी-90, पोस्ट-नावागढ़, थाना-बरोरा, हरिणा कॉलोनी, धनबाद-828306, झारखंड द्वारा फ्लैट नंबर 2ए, सेकेंड फ्लोर, सिंगारो मेनन अपार्टमेंट,चूना भट्ठा, एचबी रोड कोकर, नियर डिस्टिलरी पुल, बिरसा समाधि स्थल) रांची-834001, झारखंड से प्रकाशित और शिवसाईं पब्लिकेशंस प्राइवेट लिमिटेड, रातू, काठीटांड़, टेंडर बगीचा रातू, रांची - 835222 झारखंड द्वारा मुद्रित. **संपादक : संजय कुमार सिंह.*** फोन नंबर 0651-2913385, 9142897989 **(*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार).**

आरएनआई नं : JHAHIN/2023/84487, ई-मेलः shubhamsandeshnews@gmail.com धनबाद ब्यूरो : ओजोन सेंटर,थर्ड फ्लोर, कमरा नं-306 अशोकनगर, बैंक मोड़, धनबाद-828106. फोन नं – 9431145133.ई मेल-sandeshsubham23@gmail.com.